जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 29 संख्याः 296 प्रभात उदयपुर, सोमवार 29 अगस्त, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

वैलिंगटन के काका पैरट चूज़ों में लैड (सीसा) पाया गया है। शोध के दौरान एक तिहाई चूज़ों के रक्त तथा अंडे के छिलके में टॉक्सिक मैटल मिला। तथापि, लगता है कि इन चिड़ियों में लैड के प्रति सहिष्णुता उत्पन्न हो गई है। छोटे आकार के काका पैरट शोर मचाने वाले, चतुर, तोते होते हैं जिनके गहरे हरे पंख तथा पंखों के नीचे व छाती पर सुर्ख लाल धब्बे होते हैं। विशेष रुप से सुबह व शाम को ये बहुत शोर मचाते हैं। न्यूज़ीलैण्ड की राजधानी में काका तोतों की आबादी दस साल में 250 प्रतिशत तक बढ़ गई है, इसका श्रेय अरबन इको सैंक्चुअरी ज़ीलैंडिया को दिया जा सकता है। लेकिन शहरी पर्यावरण के खतरे भी हैं, जिनमें प्रमुख है, पेंट आदि में पाया जाने वाला लैड। मैसी युनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 2015 से 2017 के बीच के दो सीज़न में ज़ीलैंडिया के काका तोतों के 139 चूज़ों के रक्त के नमूने लिए, रक्त में लैड की जांच करने के लिए। साईन्स ऑफ टोटल एनवायरमैंट जर्नल में प्रकाशित इस शोध के अनुसार एक तिहाई चूज़ों में लैड की मौजूदगी पाई गई और निष्कर्ष निकाला गया कि, या तो माता-पिता के जरिए भोजन द्वारा लैड चूज़ों में पहुँचा या फिर चूज़ों ने अण्डे के आवरण से इसे अवशोषित किया है। एक वन्य जीव चिकित्सक, अदिती श्रीराम, जो शोध की कॉरस्पॉण्डिंग लेखक हैं, ने कहा कि लैड इनके विकास में बाधक हो सकता है और एक तिहाई चूज़ों में लैड मिलना महत्वपूर्ण बात है। श्रीराम के पूर्व अध्ययनों में से एक में पाया गया था कि वयस्क काका तोतों में लैड एक्सपोज़र का बड़ा कारण है वैलिंगटन के घरों की छतों पर किया जाने वाला लैड पेंट। अब इन वयस्क तोतों से उनके बच्चों में भी यह टॉक्सिन जा रहा है। श्रीराम ने कहा, ''एग शैल पर लैड मिलना खासतौर पर चिंताजनक है। न्यूरो डवलपमैंट की महत्वपूर्ण अवधि में लैड से सम्पर्क के दूरगामी नतीजे हो सकते हैं, इसके कारण न्यूरोलॉजिकल विकृतियों के साथ-साथ देखने समझने की समस्या भी पैदा हो सकती है। इसके बावजूद भी चूज़ों की सरवाइवल रेट 100 प्रतिशत रही। श्रीराम ने कहा, हमने कई न्यूरोलॉजिकल एवं कुछ फिज़ियोलॉजिकल टैस्ट किए और हमें कोई असामान्यता नहीं मिली, यहां तक कि, दो चूज़े, जिनमें हमारे विचार से लैड की मात्रा ज्यादा थी, वे भी जीवित रहे।'' इससे शोधकर्ताओं को यकीन हो गया कि इस प्रजाति में लैड के प्रति सहिष्णुता विकसित हो गई है।

17 अक्टूबर को होगा कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव, मतगणना 19 को

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने बताया कि, सोनिया गांधी की अध्यक्षता में हुई सी.डब्ल्यु.सी. की मीटिंग में यह फैसला लिया गया

- कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की अधिसूचना 20 सितम्बर को जारी होगी। 24 सितम्बर से 30 सितम्बर तक कोई भी उम्मीदवार अपना नामांकन दाखिल कर सकता है।
- एक अक्टूबर को उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी जायेगी। सी.डब्ल्यु.सी. के करीब 9 हजार सदस्य वोटिंग करेंगे।
- 17 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा।
- 8 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक उम्मीदवार अपना प्रचार कर सकेंगे।
- वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की अध्यक्षता में हुई कार्यसमिति की बैठक में इन चुनाव कार्यक्रमों को मंजूरी दी गई। महंगाई पर हल्ला बोल रैली दिल्ली के रामलीला मैदान में चार सितंबर को होगी और सात सितंबर को कन्याकुमारी से कश्मीर के लिए भारत जोड़ो पदयात्रा शुरू होगी।

नई दिल्ली, 28 अगस्त (वार्ता)। कांग्रेस ने अपने नए अध्यक्ष के चुनाव के लिए चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा करते हुए रविवार को कहा कि जरूरत पड़ने पर 17 अक्टूबर को मतदान किया जाएगा।

कांग्रेस की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्यसमिति की पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी की अध्यक्षता में यहां हुई बैठक में लिए गए फैसले के बाद पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री, महासचिव संगठन के.सी. वेणुगोपाल तथा संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा की।

मिस्त्री ने कहा की कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के लिए अधिसूचना 22 सितंबर को जारी होगी और 24 सितंबर से 30 सितंबर तक हर दिन 11 से तीन तक नामांकन किया जा सकता है। नामांकन भरने की अंतिम तारीख 30 सितंबर है। उम्मीदवारों के नाम के जांच का काम एक अक्टूबर को होगी और उसी दिन शाम तक उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी जाएगी। उम्मीदवार आठ अक्टूबर तक अपना नाम वापस ले सकते हैं। योग्य उम्मीदवारों की अंतिम सूची आठ अक्टूबर को पांच बजे जारी की जाएगी।

मिस्त्री ने बताया कि उम्मीदवार अपने पक्ष में चुनाव प्रचार आठ अक्टूबर शनिवार से रविवार 16 अक्टूबर तक कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव मैदान में यदि एक से ज्यादा उम्मीदवार होते हैं तो 17 अक्टूबर सोमवार को सुबह 10 से शाम चार तक मतदान होगा और 19 अक्टूबर को चुनाव परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। जो व्यक्ति इस पद के लिए नामांकन करना चाहते हैं वह कांग्रेस मुख्यालय में नामांकन कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए करीब 9000 से ज्यादा प्रतिनिधि वोटिंग करेंगे। यदि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए सिर्फ एक ही उम्मीदवार होता है तो उस स्थिति में चुनाव परिणाम भी उसी दिन घोषित कर दिए जाएंगे।

वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की अध्यक्षता में हुई कार्यसमिति की बैठक में इन चुनाव कार्यक्रमों को मंजूरी दी गई। उनका कहना था कि महंगाई पर हल्ला बोल रैली दिल्ली के रामलीला मैदान में चार सितंबर को होगी और सात सितंबर को कन्याकुमारी से कश्मीर के लिए भारत जोड़ो पदयात्रा शुरू होगी। कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए कोई भी व्यक्ति नामांकन कर सकता है और चुनाव की प्रक्रिया 24 सितंबर से शुरू कर दी जाएगी।

यह पूछने पर कि कार्यसमिति में वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे को लेकर कोई चर्चा हुई, जयराम रमेश ने कहा कि सी.डब्ल्यू.सी. में सिर्फ कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव को लेकर चर्चा हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के लिए जो प्रस्ताव समिति के सामने रखा गया उसे ज्यों का त्यों पारित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि देश में कांग्रेस एकमात्र पार्टी है जहां इस तरह से अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुए हैं, हो रहे हैं और होते रहेंगे।

बांग्लादेश बॉर्डर पर रेप के आरोप में बी.एस.एफ. के 2 जवान सस्पैंड

बी.एस.एफ. के जवानों को गिरफ्तार करके बांग्लादेश के अधिकारियों को सौंपा गया

- बी.एस.एफ. के जवानों पर आरोप है कि, उन्होंने भारत से बांग्लादेश में घुसपैठ की कोशिश कर रही एक महिला के साथ रेप किया।
- टी.एम.सी. ने बंगाली महिला से रेप के मामले में केन्द्रीय गृह मंत्रालय से माफी की मांग की है।

नई दिल्ली, 28 अगस्त। भारत से अवैध रूप से बांग्लादेश में घुसने की कोशिश कर रही महिला से बलात्कार के आरोप में बी.एस.एफ. के दो जवानों को गिरफ्तार किया गया है। बी.एस.एफ. के सीनियर अधिकारी ने बताया कि सहायक उपनिरीक्षक और कांस्टेबल को शुक्रवार देर रात गिरफ्तार करने के बाद कानूनी कार्रवाई के लिए पश्चिम बंगाल पुलिस को सौंप दिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों को निलंबित कर दिया गया है और उनके खिलाफ कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया गया है।

यह घटना 26 अगस्त की सुबह पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में बगदा सीमा चौकी के निकट हुई। बी.एस.एफ. कांस्टेबल ने भारत से बांग्लादेश में अवैध रूप से प्रवेश करने की कोशिश कर रहे दलाल और एक महिला को पकड़ा था। कांस्टेबल महिला को पास के एक खेत में ले गया और उससे कथित तौर पर बलात्कार किया, जबकि सहायक उपनिरीक्षक ने उसे अपराध में कथित तौर पर मदद की। महिला की ओर से पुलिस में शिकायत कराने के बाद यह घटना सामने आई।

इस घटना के बाद से सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया है।

टी.एम.सी. ने ट्वीट किया, हमारा देश भाजपा के कुशासन के तहत महिलाओं के लिए असुरक्षित होता जा रहा है! श्रीमान अमित शाह (केन्द्रीय गृह मंत्री) आपकी निगरानी में बी.एस.एफ. अधिकारी और जवान ने एक महिला के साथ बलात्कार किया और आवाज उठाने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी। वास्तव में आत्मनिर्भर भारत का एक चमकदार उदाहरण!

टी.एम.सी. के प्रवक्ता कुणाल घोष ने इस मामले पर केंद्रीय गृह मंत्रालय से माफी मांगने की अपील की है। घटना की निंदा करते हुए घोष ने कहा, जिन बी.एस.एफ. जवानों से अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर स्मगलिंग रोकने की उम्मीद की जाती है, वो बंगाली महिला का बलात्कार कर रहे हैं और उसके बच्चे को दूर फेंक रहे हैं। बी.एस.एफ. जवान बॉर्डर पर तैनात हैं। इसके बावजूद कैसे जानवरों की स्मगलिंग हो रही है। कोयले और मवेशियों को लेकर तृणमूल को बदनाम किया जा रहा है।

भुज में प्र.मंत्री का रोड शो

- प्र.मंत्री मोदी ने सोमवार को आगामी गुजरात चुनाव से पहले भुज में चुनाव प्रचार किया।

भुज, 28 अगस्त (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गुजरात के भुज में रविवार को रोड शो के दौरान रास्ते के दोनों तरफ हजारों की संख्या में खड़े लोगों ने जोरदार स्वागत किया और राष्ट्रवादी नारे लगाए।

मोदी ने सोमवार को आगामी गुजरात चुनाव से पहले भुज में चुनाव प्रचार किया। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी वीडियो में मोदी की एक झलक पाने के लिए लोगों की उमड़ी भीड़ को देखा जा सकता है जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं ,बच्चे और युवा शामिल है।

इस दौरान आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर हर घर झंडा के मोदी के आव्हान का प्रभाव भी देखा गया। बड़ी संख्या में लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर अपने नेता का स्वागत किया और भारत माता की जय, मोदी जिन्दाबाद , हमारा नेता कैसा हो मोदी जैसा हो आदि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

6 सैकेंड में 32 मंजिला ट्विन टावर जमींदोज हुआ

नॉएडा के ट्विन टावर को गिराने में 3700 किलो विस्फोटक का इस्तेमाल हुआ

- बिल्डिंग विस्फोट के बाद 87 हजार टन मलबा फैल गया।
- 103 मीटर ऊंची इस गगनचुम्बी इमारत को ''वॉटरफॉल इम्प्लोजन'' तकनीक की मदद से गिराया गया।

नॉएडा, 28 अगस्त। नॉएडा का सुपरटेक ट्विन टावर को गिरता पूरे देश के लोगों ने देखा। अब यह इतिहास हो चुका है। 28 अगस्त को दोपहर ठीक 2.31 मीनट पर दोनों टावर को गिरा दिया गया। पहले बताया जा रहा था कि इस 32 मंजिला टावर को गिराने में 9 सेंकेंड का वक्त लगेगा लेकिन 100 मीटर ऊंचे टावर को गिरने में मात्र 6 सेंकेंड का वक्त लगा और पूरा सुपरटेक ट्विन टावर देखते ही देखते जमींदोज हो गया। विस्फोट पहले सियान, फिर एपेक्स में किया गया। ब्लास्ट के दौरान करीब 500 मीटर दूर स्थित फ्लाईओवर भी हिल गया। इस पर सारे अफसर और मीडियाकर्मी मौजूद थे, जो कंपन से सहम गए। दोनों टावर के सटी सोसाइटी की बाउंड्रीवाल गिर गई है। एक अन्य दीवार में 10 मीटर लंबी दरार आई है। कुछ मलबा सोसाइटी के सामने सड़क पर आ गया है।

अवैध रूप से निर्मित इन ट्विन टावर को ध्वस्त करने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के साल भर बाद यह कार्रवाई की गई। दिल्ली के ऐतिहासिक कुतुब मीनार (73 मीटर) से भी ऊंचे गगनचुंबी ट्विन टावर को 'वाटरफॉल इम्प्लोजन' तकनीक की मदद से गिराया गया। नोएडा के सेक्टर 93ए में सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट हाउसिंग सोसाइटी के भीतर 2009 से 'एपेक्स' (32 मंजिल) और 'सियान' (29 मंजिल) टावर निर्माणाधीन थे। इमारतों को ध्वस्त करने के लिए 3,700 किलोग्राम से अधिक विस्फोटकों का इस्तेमाल किया गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए फायर ब्रीगेड की गाड़ियां भी मौके पर मौजूद थी।

ट्विन टावर को गिराने का काम करने वाली कंपनी एडिफिस इंजीनियरिंग के एक अधिकारी ने बताया कि एमराल्ड कोर्ट सोसाइटी के आसपास मौजूद आवासीय इमारतों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। हालांकि बाद में नोएडा प्राधिकरण की सी.ई.ओ. रितु माहेश्वरी ने बताया कि मलबे की चपेट में आने से पास की ए.टी.एस. सोसायटी की 10 मीटर की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई है।

चीन की लड़ाकू हवाई गश्ती

ताइपे, 28 अगस्त (वार्ता)। ताइवान ने कहा है कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (पी.एल.ए.एन.) के आठ जहाजों के साथ-साथ 23 विमानों को ताइवान के पास देखा गया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा,आठ पी.एल.ए.एन. जहाजों और 23 पी.एल.ए. (पीपुल्स लिबरेशन आर्मी) विमानों को हमारे आसपास के क्षेत्र में आज (28 अगस्त, 2022)

- ताईवान ने कहा है कि, चीन के 8 जहाज और 23 लड़ाकू विमान ताईवान के क्षेत्र में मंडरा रहे हैं।

शाम पांच बजे देखा गया। देश के सशस्त्र बलों ने स्थिति की निगरानी की है और सी.ए.पी. (लड़ाकू हवाई गश्ती) में विमानों, नौसैनिक जहाज और भूमि आधारित मिसाइल प्रणालियों के जरिए इन गतिविधियों का जवाब दिया है।

मंत्रालय के अनुसार 10 विमानों ने ताइवान जलडमरू मध्य की तथाकथित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका, अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया भी तेजस विमान खरीदने में रूचि दिखा रहे हैं

भारतीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार, करीब 14-15 देशों के साथ विमान खरीद की डील चर्चा में है

- अर्जेंटीना, ईजिप्ट, फिलीपिंस और इण्डोनेशिया जैसे देश भारत को तेजस फाइटर जेट खरीदने के लिए बड़ा ऑर्डर देने वाले हैं।
- तेजस भारतीय सेना में मिग-21 का मजबूत विकल्प है। उससे दोगुनी क्षमता में हथियार ले जा सकता है उसका वजन मात्र 65 टन है।
- मलेशिया ने 18 तेजस फाइटर जेट खरीदने में रूचि दिखाई है।

नई दिल्ली, 28 अगस्त। भारत में बने स्वदेशी फाइटर जेट तेजस की ग्लोबल डिमांड अचानक तेजी से बढ़ने लगी है। मेड इन इंडिया के आव्हान के बाद इस फाइटर जेट को देश और दुनिया की अत्याधुनिक जरूरतों के अनुसार अपग्रेड किया गया है। यही वजह है कि रक्षा के क्षेत्र में माहिर माने जाने वाले अमेरिका जैसे शक्तिशाली देशों ने भी भारत के इस फाइटर जेट को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार अब तक अमेरिका समेत आस्ट्रेलिया, मलेशिया, अर्जेंटीना, इजिप्ट, फिलीपींस और इंडोनेशिया जैसे देश तेजस फाइटर जेट को अपने रक्षा बेड़े में शामिल करने को आतुर हैं। आखिर इस तेजस फाइटर की ऐसी क्या खासियत है, जिसकी पूरी दुनिया दीवानी हो रही है। युद्ध क्षेत्र में तेजस दुश्मनों के लिए कितना खतरनाक साबित हो सकता है, आइए इसके युद्ध कौशल को आपको हम समझाते हैं।

तेजस की खूबियां-1-यह बहुत हल्का सिर्फ 6500 किलो वजन वाला फाइटर जेट है। 2-यह सिंगल इंजन और मल्टीरोल फाइटर जेट है। 3-इस सुपरसोनिक फाइटर जेट को हिंदुस्तान एअरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बनाया है। 4-यह हाईरिस्क क्षेत्र में भी ऑपरेशन को अंजाम देने में माहिर है। 5-दुश्मनों के एअरक्राफ्ट और रडार को दूर से ही निशाना बना सकता है। 6-एक ही बार में 10 लक्ष्यों को भेद सकता है। 7-सिर्फ 460 मीटर के छोटे रनवे पर टेकऑफ कर सकता है। 8-इसमें मॉडर्न टेक्नॉलोजी के साथ इजरायल की ई.एल./एम.-2052 रडार टेक्नॉलोजी का समावेश है। 9-50 हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है। 10-एक घंटे में 2205 किलोमीटर की दूरी तय करता है। 11-लंबाई सिर्फ 13.20 मीटर व चौड़ाई 4.40 मीटर है। 12-यह टाइटेनियम, कार्बन फाइबर और एल्युमिनियम का बना होने के नाते बेहद मजबूत है। 13-इसमें सेल्फ प्रोटेक्शन जैमर लगा है, जो खुद को आसमान और जमीन से किए गए अटैक में बचाने में सक्षम है।

14-इसमें विशेष बियान्ड विजुअल मिसाइल टेक्नॉलोजी का इस्तेमाल हुआ है। इससे यह दुश्मन के ठिकानों की पहचान कर पलक झपकते उसे तबाह कर सकता है। 15-हवा में उड़ते समय ही 20 हजार फीट की ऊंचाई पर इसमें ईंधन भरा जा सकता है। 16-यह एअर टू एअर मिसाइल ब्रह्मोज और क्रूज को ले जाने में सक्षम है। 17-इसमें एक साथ छह तरह की मिसाइलें लोड की जा सकती हैं। 18-इसमें क्लस्टर बम, गाइडेड बम और लेजर गाइडेड बम भी लगाए जा सकते हैं। 19-इसकी रफ्तार राफेल से भी 300 किलोमीटर प्रतिघंटा अधिक है। 20-यह भारतीय सेना में मिग-21 का मजबूत विकल्प है। उससे दोगुनी क्षमता में हथियार ले जा सकता है। 21-हल्का होने की वजह से यह समुद्री पोतों पर आसानी से लैड और टेकऑफ कर सकता है।

भारत में हल्के फाइटर जेट बनाने की दिशा में वर्ष 1983 से इसकी पहल शुरू हुई थी। इसे बनाने में करीब 18 वर्ष लगे। चार जनवरी 2001 को तेजस ने पहली उड़ान भरी थी। वर्ष 2003 में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई ने इसे तेजस नाम दिया था। तब से अब तक यह विमान बहुत अधिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इस्तीफा

श्रीनगर, 28 अगस्त (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस को एक और झटका लगा जब पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ताज मोहिउद्दीन ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देकर गुलाम नबी आजाद के साथ जाने की घोषणा कर दी।

मोहिउद्दीन ने श्रीनगर में रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस छोड़ने और आजाद के साथ जाने घोषणा की। उन्होंने मीडियाकर्मियों को कहा कि उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिखकर

- जम्मू कश्मीर कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा, पूर्व मंत्री व वरिष्ठ नेता ताज मोहिउद्दीन ने भी पार्टी से इस्तीफा दिया।

पार्टी के सभी पदों और सदस्यता से इस्तीफा देने के बारे में बता दिया है।

उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (ए.आई.सी.सी.) में अब कुछ नहीं बचा है और आज मैं इसकी प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हुं। मोहिउद्दीन जम्मू-कश्मीर के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

काम से शोक उत्पन्न होता है। –धम्मपद

सोशल मीडिया हमारे समय की बहुत बड़ी ज़रूरत और नेमत है!

अनगिनत बार दुहराया गया और सत्य को अभिव्यक्त करता वाक्य है: **मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है।** वैसे इस वाक्य में से मनुष्य को निकाल भी दें तो कोई ज़्यादा फ़र्क़ नहीं पडने वाला क्योंकि प्राणी प्रकृत्या सामाजिक होता है। यह बात अलग है कि अन्य प्राणियों की तुलना में मनुष्य की सामाजिकता अधिक मुखर और बहु आयामी होती है। मनुष्य के पास अपने भावों की सूक्ष्मतम अभिव्यक्ति के लिए जो अत्यंत विकसित भाषा है, अन्य प्राणियों के पास वह उतनी विकसित अवस्था में नहीं है। इसलिए वे जहां बहुत स्थूल अभिव्यक्तियों से ही अपना काम चलाते हैं, मनुष्य न जाने कब से अर्जित और जतन पूर्वक परिमार्जित भाषा के माध्यम से अपने भावों की सूक्ष्मतम अभिव्यक्ति कर पाता है। यही सूक्ष्मतम अभिव्यक्ति उसकी सामाजिकता को अधिक सुदृढ और अर्थपूर्ण भी बनाती है।

मनुष्य सामाजिक होने के साथ-साथ विकास शील प्राणी भी है और मानवता का इतिहास इस बात का गवाह है कि उसने अपनी परिस्थितियों और जीवन स्थितियों को अनवरत बदला व बेहतर बनाया है। आदि मानव से आज के मानव तक की यात्रा उसके विकास की महागाथा है। आज हम जिन स्थितियों को बहुत सहज मानकर चलते हैं वे पचास साल पहले कल्पनातीत थीं। लेकिन इन सारे बदलावों के कारण हमें केवल सुख ही मिला हो, ऐसा नहीं है। इनकी वजह से हमारे समाने बहुत सारी चुनौतियां भी पैदा हुई हैं। अगर सामाजिकता के संदर्भ में ही इन चुनौतियों को देखें तो हम पाएंगे कि आज सामाजिकता का निर्वाह करना उतना आसान नहीं रह गया है जितना आसान वह चार पांच दशक पहले था। कल तक जो लोग एक छोटे-से गांव में अपनी ज़िंदगी बिता लेते थे आज उन्होंने पूरी दुनिया को एक गांव में तबदील कर अपना बना लिया है। भौतिक रूप से हम अपनों से बहुत दूर हो गए हैं। परिवहन के साधन बढ़े हैं तो उनसे भीड भी बढ़ी है। भौतिक समृद्धि आई है तो उसका दबाव हमारे समय पर भी पड़ा है और हम पाते हैं कि हमारे पास पहले की तुलना में बहुत कम मुक्त समय रह गया है। ऐसी अनेक बातें हैं।

इन सब बदलावों का सीधा परिणाम यह हुआ है कि आज हम उनसे, जो बहुत अपने हैं, मिलने को भी तरस गए हैं। हमारे पास इतनी फ़ुर्सत और सुविधा नहीं है कि जिनके साथ कुछ वक़्त गुज़ारना चाहते हैं उनके पास जाकर अपना मनचाहा कर सकें। यहां तक कि एक ही शहर में-और शहर अब खूब फैल भी गए हैं-किसी अपने के पास जाना भी कठिन होता जा रहा है। लेकिन मनुष्य की जीवट और उसकी नवोन्मेषकारी प्रतिभा को सलाम कि उसने इन सब समस्याओं का बहादुरी और सफलतापूर्वक सामना किया है। चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने की जुगत का एक महत्वपूर्ण घटक है सोशल मीडिया। अगर यह कहा जाए कि आज का समय सोशल मीडिया का समय है तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। हमारे चारों तरफ जो लोग हैं वे, उनमें से ज़्यादातर सोशल मीडिया के किसी न किसी रूप का उपयोग करते हुए देखे जा सकते हैं, और यह उपयोग बढ़ता ही जा रहा है। सोशल मीडिया के नित नए रूप हमारे सामने आ रहे हैं और हम बडे उत्साह से उनको लपकते नज़र आते हैं।

मेरा ऐसा मानना है कि यह सोशल मीडिया हमारे बदले परिवेश की ज़रूरतों की देन है। अगर हम आमने-सामने किसी से नहीं मिल सकते तो कोई बात नहीं। तकनीक के रथ पर सवार होकर तो उस तक जा सकते हैं या उसे अपने पास बुला सकते हैं। ऐसा करना समय की बहुत बड़ी मांग है। बहुत लोग हैं जो इस सोशल मीडिया को निरर्थक मानते हैं। उनका तर्क यह होता है कि भले ही आप सोशल मीडिया पर हज़ारों अपनों की भीड़ इकट्ठी कर लें, जब आप पर कोई विपदा आन पडेगी तो इन हज़ारों में से कोई एक भी आपकी मदद के लिए आगे नहीं आएगा। एक हद तक तो यह बात सही है भी। लेकिन क्या इससे सोशल मीडिया की उपादेयता खारिज हो जाती है? कम से कम मैं तो इस बात को मानने को तैयार नहीं हूं। और मेरे पास अपने तर्क हैं।

मेरा मानना है कि अपनी सारी सीमाओं के बावजूद सोशल मीडिया निरर्थक नहीं है। एक उदाहरण यही देखें कि लोग अपने निजी जीवन के सुख दुख की सूचना इस सोशल मीडिया पर देते हैं और हम हर पल यह देखते हैं कि कि पलक झपकते ही अनगिनत लोग उनके सुख या दुख में शामिल हो जाते हैं। उनमें से अनेक ऐसे होते हैं जिनसे न कभी वे मिले हैं और न ही शायद कभी मिलेंगे। लेकिन वे भी उनके सुख दुख के भागीदार बनते हैं। यह मामूली और उपेक्षणीय बात नहीं है। पहले ऐसा कब होता था कि हमारे जन्म दिन या विवाह की वर्षगांठ पर इतने सारे लोग बधाइयां देते थे? इसी तरह जैसे ही आप सोशल मीडिया पर अपनी कोई समस्या पोस्ट करते हैं बहुत सारे लोग आपके लिए समाधान लेकर हाज़िर हो जाते हैं। उनमें वे लोग भी होते हैं जिनका व्यक्तिशः आपसे कोई परिचय नहीं होता, फिर भी वे आगे बढ़कर आपकी मदद करते हैं। अगर किसी को किसी नए शहर में भी कोई दिक्कत होती है, किसी को किसी ख़ास और दुर्लभ ब्लड ग्रुप के रक्त की ज़रूरत होती है, अनजाने लोग भी मदद को आगे आ जाते हैं। अंततः यह बीते समय का समकालीन रूपांतरण ही तो है।

> **सोशल मीडिया पर हमें वैचारिक टकराव से परहेज़ बरतना चाहिए। बेशक विचार-विमर्श वहां हो, लेकिन उसे शालीनता की परिधि में सीमित रखा जाना चाहिए। अगर कोई शालीनता की सीमा रेखा का उल्लंघन करे तो बजाय उसको उसी की भाषा में जवाब देने के उस विवाद से अलग हो जाना चाहिए। हमने अपनी बात कह दी, इतना पर्याप्त होना चाहिए।**

इधर सोशल मीडिया एक और भूमिका बहुत अच्छी तरह से निबाह रहा है। वह समाचार प्रेषण के त्वरित माध्यम के रूप में सामने आ रहा है। बहुत सारी ख़बरें जन संचार माध्यमों में जगह नहीं पाती हैं। वे सोशल मीडिया के माध्यम से सम्बद्ध लोगों तक पहुंच जाती हैं। हम रोज़ ही देखते हैं कि कला संस्कृति आदि की दुनिया के लोगों के बारे में ख़बरों को मुख्य धारा के मीडिया में प्रायः जगह नहीं मिलती है। वे ख़बरें इस मीडिया के माध्यम से हम तक तुरंत पहुंच पाती हैं। इतना ही नहीं, जैसे-जैसे सरकारें अपने विरोध वाली या उन ख़बरों को जो उनके अनुकूल न हों, विभिन्न तरीकों से सामने आने में रोकने में अधिकाधिक सक्रिय होने लगी हैं, सोशल मीडिया एक वैकल्पिक मीडिया के रूप में उभर कर उन ख़बरों को भी सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निबाह रहा है। इस तरह सोशल मीडिया जनतंत्र को पुष्ट करने में भी अपना योग दे रहा है। सौभाग्य से अब तक सरकारों इस मीडिया पर अपना शिकंजा कसने में कामयाब नहीं हुई हैं।

यह सही है कि इन माध्यमों का दुरुपयोग भी कम नहीं हो रहा है। यह भी कि इन माध्यमों की अपनी अंतर्निहित सीमाएं भी हैं। इन दोनों बातों से मिलकर जो परिदृश्य बनता है वह कुछ चिंताएं भी उत्पन्न करता है। एक तो यह कि हममें से बहुतों को इन माध्यमों को बरतने का शऊर नहीं है। हममें से बहुत सारे लोग संकीर्णता और आत्म मुग्धता के मारे हैं। हमें अपने सिवा कुछ और दिखाई ही नहीं देता है। लोग अपनी बातों, जिनमें बहुत सारे बेहद निजी होती हैं, में आपको टैग कर करके आपका जीना हराम करते रहते हैं। इनके अलावा, यह क्योंकि त्वरित माध्यम है, इसमें आपको अपनी बात बहुत सोच समझकर कहनी चाहिए, लेकिन बहुत सारे लोग ऐसा नहीं करते हैं और वे बदमज़गी पैदा कर देते हैं। शालीनता से अपनी बात कहने को लोग कमज़ोरी समझ लेते हैं और उठा आक्रामक तथा अभद्र तरीके से बात कहने वालों को उनके चाहने वाले बेबाक, बेख़ौफ जैसे विशेषणों से नवाज़ कर चने के झाड पर चढा देते हैं और वे इसी को अपनी विशेषता मान और अधिक अशालीन अभिव्यक्तियां करने लगते हैं।

इधर जो सबसे बडी बात हुई है वह यह कि हमारे समाज में सहिष्णुता बहुत कमज़ोर हुई है। अपने से भिन्न सोच को ससम्मान स्वीकार करने और उसे उचित मान देने का हमारा स्वभाव अतीत होता जा रहा है। मेरा सोच, मेरी विचारधारा, मेरी पसंद, मेरी पार्टी, मेरा नेता – बस ये ही ठीक और सही हैं, बाकी सब ग़लत और अवांछित हैं। उन्हें तो बने रहने का ही कोई हक़ नहीं है, यह सोच बहुत तेज़ी से फैलता जा रहा है। भारतीय समाज पहले कभी इतना असहिष्णु नहीं था। मुण्डे मुण्डे मतिर्भिन्ना वाले समाज में हर विचार का सम्मान था। अब बहुत तेज़ी से हम विविधता को छोड़ एकरूपता के पक्षधर बनते जा रहे हैं। समाज में यह प्रवृत्ति भले ही उतनी नज़र न आए, सोशल मीडिया पर यह अपने बहुत कर्कश और अभद्र रूप में नज़र आती है। इस प्रवृत्ति को विभिन्न राजनीतिक दलों के आईटी सेल्स और उनकी वेतनभोगी सेनाओं ने खूब हवा दी है। ये लोग एक और ग़लत हरकत करते हैं और वह यह कि अपने मत को लेकर हर कहीं घुस और पिल पड़ते हैं। इन्हें यह कौन समझाए कि सोशल मीडिया का मतलब यह नहीं है कि आप कहीं भी घुस जाएं और पिल पड़ें। उसकी भी अपनी मर्यादा है। यह बहुत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है।

मेरा यह विचार है कि सोशल मीडिया पर हमें वैचारिक टकराव से परहेज़ बरतना चाहिए। बेशक विचार-विमर्श वहां हो, लेकिन उसे शालीनता की परिधि में सीमित रखा जाना चाहिए। अगर कोई शालीनता की सीमा रेखा का उल्लंघन करे तो बजाय उसको उसी की भाषा में जवाब देने के उस विवाद से अलग हो जाना चाहिए। हमने अपनी बात कह दी, इतना पर्याप्त होना चाहिए। यह आठाह और अपेक्षा कभी नहीं की जानी चाहिए कि हमने जो कहा है उसी को अंतिम सत्य के रूप में स्वीकार किया जाएगा। यह सोचना चाहिए कि क्या पता हम ही ग़लत हों, और सामने वाला सही हो। अगर हम इतनी उदारता बरत सकें तो ही हमें सोशल मीडिया का इस्तेमाल करना चाहिए। उसे युद्ध का मैदान बनाना न हमारे हित में है और न समाज के हित में।

मेरा तो स्पष्ट मत है कि अपनी सारी सीमाओं और हममें से अनेक द्वारा किए जा रहे उसके दुरुपयोग के बावजूद सोशल मीडिया हमारे समय की बहुत बड़ी ज़रूरत और नेमत है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

साम्प्रदायिक सद्भावना का तीर्थ है मसूरिया बाबा मन्दिर

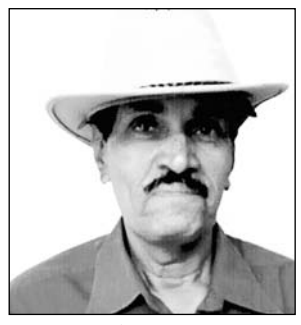

मिश्रीलाल पंवार

राजस्थान की वीर धरा पर स्थित बाबा रामदेव पीर का मन्दिर साम्प्रदायिक सद्भाव के लिए देश विदेश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। बाबा रामदेव पीर का मन्दिर जैसलमेर जिले के रामदेवरा में स्थित है। बाबा रामदेव के गुरु बालीनाथ नाम के महात्मा थे। उनका मन्दिर जोधपुर के मसूरिया पहाड़ी पर स्थित है।

बाबा रामदेव के गुरु बाबा बालीनाथ का यज्ञ प्राचीन मन्दिर आज जोधपुर ही नहीं वरन् पूरे देश में खूब जाना पहचाना जाता है। जोधपुर रेलवे स्टेशन से कोई चार किलोमीटर दूर पश्चिम दिशा में, मसूरिया पहाड़ी पर स्थित यह मन्दिर 'मसुरिया बाबा' के नाम से प्रख्यात है। यहां वर्ष भर दर्शनार्थियों की रेलमपेल रहती है। भादो मास की चाँदनी दूज को यहां विशाल मेला लगता है। देश भर से लाखों श्रद्धालु यहां माथा टेकने आते हैं। यह मन्दिर साम्प्रदायिक सद्भावना की अपने आप में एक मिशाल है।

बाबा बालीनाथ का प्रारम्भिक जीवन जैसलमेर जिले के पोकरण गांव में ही बीता। वे पोकरण राजघराने के गुरु थे। बाबा बालीनाथ का धुणा पोकरण में ही था। वे वहीं तप करते थे। एक समय पोकरण व आस-पास के क्षेत्रों में भैरव नामक नरभक्षी राक्षस का आतंक छाया हुआ था। यह नरभक्षी मनुष्य के खून का प्यासा रहता। भैरव के भय से आसपास के कई गांवो के निवासी अपना घरबार छोड़कर अन्यत्र चले गए। मगर बाबा बालीनाथ ने भैरव से डर कर अपना स्थान नहीं छोड़ा।

तब एक दिन बालक रामदेव खेलते हुए बालीनाथ के धुणे जा पहुंचे। वहां उन्होंने नरभक्षी भैरव का वध कर उसके आंतक में लोगों को मुक्ति दिलाई।

कुछ समय बाद पोकरण के ठाकुर अजमल ने अपनी पुत्री लाच्छां बाई की शादी की तो पोकरण की जागीर दहेज में दे दी। इस पर बालीनाथजी रुष्ठ हो गए। वे पोकरण से निकल पड़े। घूमते-घूमते वे जोधपुर की तरफ आ गाए। जब वे मसूरिया क्षेत्र में पहुंचे तो वहां का प्राकृतिक वातावरण देख अभिभूत हो गए। वहां पहाड़ी में बहुत बड़ी गुफा भी थी। गुफा के पास ही सुन्दर जलाशय भी था। आस-पास घना वन क्षेत्र था। कोलाहल से दूर शान्त जगह देख कर उन्होंने यहीं पर अपना ठिकाना बना लिया। उस समय जोधपुर की स्थापना हुए अधिक समय नहीं हुआ था। शहर की आबादी किले के आस-पास तक ही सिमित थी। मसूरिया क्षेत्र में भयंकर वन था। मसूरिया पहाड़ी बिल्कुल एकान्त में थी। बाबा बालीनाथ निर्विघ्न रूप से यहां तप करते थे। शहरी लोग यदा-कदा अपने दुःख-दर्द लेकर उनके पास आते रहते। बाबा धैर्यपूर्वक सबकी बात सुनते। बाद में अपने धूणे से चुटकी भर भभूत लेकर उसे दे देते। धीरे-धीरे लोगों की वहां भीड़ बढ़ने लगी। आने वाले श्रद्धालुओं के जीवन में चमत्कार-सा होने लगा। जो भी मन में मुराद लेकर आता, उसकी मनोकामना पूर्ण होती। तपस्या के साथ-साथ लोक सेवा करते बाबा वालीनाथ एक दिन चिरनिद्रा में सो गए। कुछ किवदन्तियों के अनुसार उन्होंने मसूरिया पहाड़ी पर जीवित समाधि ली थी। बाबा की समाधि के बाद भक्तजनों का यहां आना अनवरत जारी रहा, जो आज दिन तक जारी है।

आज कल तो हालत यह है कि यहां वर्ष भर भक्तों की भीड़ लगी रहती है। भादो मास में भरने वाले मेले में तो दर्शनार्थियों को घण्टों पक्तियों में खड़ा रहने के बाद मन्दिर दर्शन सुलभ ही पाते हैं। कहते हैं रामदेव के मन्दिर रूणेचा जाने वाले श्रद्धालुओं को पहले मसूरिया बाबा के मन्दिर पर धोंक देना आवश्यक है। भक्तों की यात्रा तभी सफल मानी जाती है, जब रामदेवरा जाने वाला पहले मसुरिया बाबा के यहां माथा टेक कर अपनी हाजरी दर्ज करा ले।

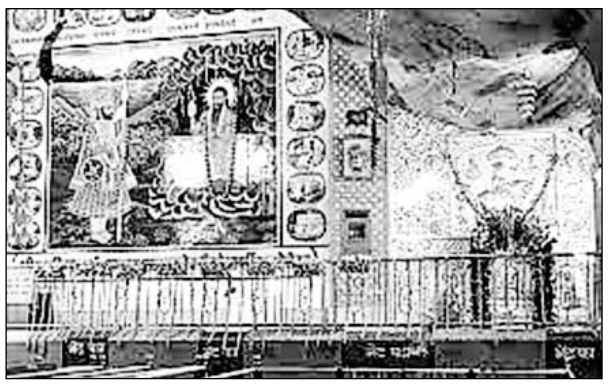

मसूरिया बाबा के मन्दिर में भी सभी धर्मों के लोग दर्शनार्थ आते हैं। मन्दिर की भव्यता देखते बनती है। जोधपुरी छितर पत्थर से निर्मित इस मन्दिर का पृष्ठ भाग देखते बनता है। मन्दिर से देखने पर जोधपुर शहर का विहंगम दृश्य नजर आता है। इस मन्दिर की व्यवस्था पीपा क्षत्रिय समाज द्वारा संचालित एक ट्रस्ट करता है।

मन्दिर पहाड़ी की तलहटी में एक चमत्कारिक जलाशय है। बाबा के भक्तों में यह परचा नाडी के नाम के नाम से प्रसिद्ध है। यह परचा नाडी भी जातरूओं के लिए श्रद्धा का केन्द्र है। भादौ माह में भरने वाले मेले में आने वाले जातरू यहां स्नान कर अपने को धन्य मानते हैं। भक्तों का मानना है कि यहां स्नान करने वाले की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। लोगों का यह भी मान्यता है कि इस परचा नाड़ी में स्नान करने से बुरी आत्माओं से मुक्ति मिलती है।

मिश्रीलाल पंवार,
वरिष्ठ लेखक एव पत्रकार

लक्ष्यराज ने अमेरिका में जीता गोल्फ खिताब

गोल्फ खिलाड़ी लक्ष्यराज पूनिया।

सादुलपुर, (निसं)। गुलाबी नगरी के लक्ष्यराज पूनिया ने अमरिका के फीनिक्स सिटी स्थित एल्जोना स्टेट यूनिवर्सिटी गोल्फ प्रतियोगिता में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए, 64 आठ अंडर के स्कोर के साथ खिताब जीता।

फ्रेडिक्स टी वुड गोल्फ कोर्स पर लक्ष्य ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 9 बर्डी के साथ बैक 9 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 6 बर्डी मारी, जिसमें होल 12 व 13 तथा 15,16,17 पर बैक टू बैक रही। गौरतलब है कि राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद की अध्यक्ष, ओलंपियन व अर्जुन अवॉर्ड विजेता डॉ. कृष्णा पूनिया और राज्य क्रीडा परिषद के मुख्य खेल अधिकारी वीरेन्द्र पूनिया के सुपुत्र लक्ष्यराज फाइनेंस बिजनेस के तृतीय वर्ष के छात्र और राजस्थान के उभरते गोल्फर हैं। तथा इन्होंने हाल ही में रामबाग गोल्फ क्लब जयपुर में किसान गोल्फ कप भी जीता था।

> **खेल परिषद् की अध्यक्ष डॉ. कृष्णा पूनिया के सुपुत्र हैं लक्ष्यराज**

मिट्टी की बनी 500 गणेश प्रतिमाएं निशुल्क वितरित

कोटा, (निसं)। पगमार्क फाउंडेशन ने अनंत चतुर्दशी के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से अनोखी पहल करते हुए मिट्टी की बनी 500 गणेश प्रतिमाएं निशुल्क वितरित करने का निर्णय किया है जिनसे गणेश चतुर्दशी के दिन विसर्जन के बाद पौधे प्रस्फुटित होंगे। पगमार्क फाउंडेशन का कहना है भगवान को रूप बदलते हुए किसी ने नहीं देखा, सिर्फ किस्से, कहानियों और कथाओं में ही सुना होगा लेकिन इस साल गणेश महोत्सव के दौरान ऐसा होने जा रहा है। गणेश चतुर्थी पर स्थापित होने वाले गणपति 10 दिन के महोत्सव के बाद रूप बदलेंगे और पौधे का रूप धारण कर प्रदूषण रूपी राक्षस को परास्त करने का संदेश देंगे।

> **'पगमार्क फाउंडेशन गणेश जी की इको फ्रेंडली प्रतिमाएं तैयार कर रहा है'**

पगमार्क फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष देवव्रत सिंह हाड़ा ने बताया कि इस खास मौके पर पगमार्क फाउंडेशन इको फ्रेंडली प्रतिमाएं तैयार कर रहा है। इन प्रतिमाओं को लोगों को वितरित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे। पगमार्क फाउंडेशन के संयोजक निमिष गौतम ने बताया कि यह प्रतिमाएं मिट्टी से तैयार की गई हैं, यह 10 इंच के करीब ऊंची होंगी, इनको मिट्टी के साथ विभिन्न प्रकार के फल व सब्जियों के बीजों से तैयार किया गया है। गणपति के नैन नक्शों को इन्ही रंग-बिरंगे बीजों से सजाया भी गया है। देवव्रत हाड़ा ने बताया कि लोग आमतौर पर जलाशयों में प्रतिमाओं को विसर्जित करते है, लेकिन इनको गमलों में विसर्जित किया जाएगा। जल अर्पित करने से बीज धीरे-धीरे अंकुरित होंगे और पौधे का रूप धारण कर लेंगे। फाउंडेशन के सनी मलिक ने बताया कि पीओपी की मूर्तियों का बहिष्कार जरूरी है। हर साल सैकड़ों प्रतिमाएं विसर्जित की जाती है, इससे पानी प्रदूषित होता है। प्रतिमाओं में इस्तेमाल किए जा रहे रसायनिक रंगों से जल जीवों पर खतरा मंडराता है। इसी को देखते हुए छोटी सी इको फ्रेंडली गणपति प्रतिमाएं बनाई गई है। प्रतिमाओं में छायादार वृक्ष के बीज लगाए गय है ताकि विसर्जन के बाद भी गणेश महोत्सव यादगार हो जाए। फाउंडेशन के यतेन्द्र सिंह नागदा ने बताया कि प्रतिमाओं में मिट्टी, गोंद, गैरू, चुना, रूई का इस्तमाल किया गया है।

पगमार्क फाउंडेशन के कार्यक्रर्ता मिट्टी की गणेश प्रतिमा बनाने में जुटे।

'गणेश मेले में भंडारा संचालन के लिए अनुमति जरुरी'

सवाई माधोपुर, (निसं)। जिले के रणथंभौर दुर्ग में 30 अगस्त से 1 सितंबर तक भरने वाले गणेश मेले में यहां लाखों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भंडारा लगाने वाले संचालकों की बैठक जिला कलेक्टर सुरेश कुमार ओला की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में सवाई माधोपुर विधायक दानिश अबरार ने कहा कि गणेश मेले में भंडारा संचालित करने वाले साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि भंडारा संचालन करने वाले सभी लोग नगर परिषद से अनुमति लेने के बाद ही भंडारा लगाएं।

जिला कलेक्टर सुरेश कुमार ओला ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा बार-बार प्रचारित करने के बाद भी गणेश मेले में भंडार लगाने वालों के लिए 50 प्रतिशत लोगों ने ही अनुमति लेने के लिए आवेदन किया है। भंडारा संचालन के लिए सभी को अनुमति लेना आवश्यक है। यदि कोई व्यक्ति नियमों की अवहेलना करता हुआ पाया जाएगा तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।

जिला पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार विश्नोई ने कहा कि भंडारों में श्रद्धालुओं के बीच आने वाले असामाजिक तत्वों का भी हमें ध्यान रखना होगा।

नगर परिषद आयुक्त नवीन भारद्वाज ने कहा कि भंडारा संचालन में 5 सफाई कर्मी वर्दी में और तीन ड्रम का होना आवश्यक है। रोचक बात यह रही कि गणेश मेले में भंडारा लगाने के लिए स्वयं विधायक दानिश अबरार, पूर्व संसदीय सचिव जितेंद्र गोठवाल, सभापति विमल चंद महावर एवं पूर्व उपसभापति राजेश गोयल ने भी भंडारा संचालन के लिए नियमानुसार प्रशासन से स्वीकृति लेकर आमजन के लिए एक अच्छा उदाहरण पेश किया है। यह उन भंडार संचालकों के लिए प्रेरणा लेने की बात है, जो बिना अनुमति भंडारा संचालन के लिए प्रयास कर रहे हैं।

भंडारा संचालकों की कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक में विधायक दानिश अबरार ने भाग लिया।

> **विधायक दानिश अबरार, पूर्व संसदीय सचिव जितेंद्र गोठवाल, सभापति विमल चंद महावर एवं पूर्व उपसभापति राजेश गोयल ने भी भंडारा संचालन के लिए प्रशासन से स्वीकृति ली**

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 29 अगस्त, 2022

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीय तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2079, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 11:04 तक, साध्य योग रात्रि 1:03 तक, कौलव करण दिन 3:11 तक, चन्द्रमा कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-कर्क, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

रवियोग रात्रि 11:04 से आरम्भ होगा। आज तेलाधर तपस्या (जैन) मेला रूणीचा रामदेव 9 दिन का आरम्भ होगा। आज से सकट मु.मास आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः अमृत सूर्योदय से 7:43 तक, शुभ 9:18 से 10:33 तक, चर 2:03 से 3:17 तक, लाभ-अमृत 3:37 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:08, सूर्यास्त 6:47

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा और व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य के संबंध में योजना बनेगी। आवश्यक कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। धन खर्च पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले सुसंदेश प्राप्त हो सकते हैं। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

सिंह

आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। धन हानि का भय है। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों में प्रगति होगी। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। नवीन व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मीन

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

ग्रामीण ओलंपिक खेलों के महाकुंभ का आगाज आज

उदयपुर, (कासं)। राज्य सरकार के दिशा-निर्देशानुसार राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल का आगाज सोमवार को होगा। उदयपुर जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में एक साथ ग्रामीण ओलंपिक खेलों की शुरूआत होगी। जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम का आयोजन बड़गांव में स्थित महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में जिले के प्रभारी मंत्री रामलाल जाट के मुख्य आतिथ्य में होगा। इस अवसर पर जिला कलक्टर ताराचंद मीणा सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि व अधिकारी बतौर अतिथि मौजूद रहेंगे।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने रविवार की दोपहर कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया और विभिन्न तैयार और व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आयोजन को भव्य बनाने के लिए निर्देश दिए। कलेक्टर ने संबंधित विभागों के निर्देश दिए कि खिलाड़ियों के लिए सभी व्यवस्था सुनिश्चित हो और खेल भावना एवं समन्वित प्रयासों से आयोजन को सफल बनाएं।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने आयोजन स्थल पर लंपी डिजीज की रोकथाम की प्रचार-प्रसार सामग्री सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रचार-प्रसार सामग्री लगाने के निर्देश दिए। जिला खेल अधिकारी शकील हुसैन ने दी समग्र तैयारियों की जानकारी दी। इस अवसर पर स्थानीय सरपंच संजय शर्मा पंचायत समिति सदस्य भुवनेश व्यास बड़गांव पंचायत समिति के विकास अधिकारी नरेंद्र सिंह झाला, सीबीईओ मुकेश पालीवाल, समाजसेवी विनोद शर्मा, विद्या शर्मा, धर्मेन्द्र शर्मा, सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभिन्न अधिकारी व विद्यालय स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी हुसैन ने बताया का जिले के 20 ब्लॉक्स की 652 ग्राम पंचायतों के 2523 गांवों के कुल 2 लाख 3 हजार 836 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। कबड्डी के लिए सर्वाधिक 82956, शूटिंग वॉलीबॉल (बालक वर्ग) के लिए 3374, टेनिस बॉल क्रिकेट (बालक एवं बालिका वर्ग) में 39615 खो-खो (बालिका वर्ग) में 46927 वॉलीबॉल (बालक एवं बालिका वर्ग) में 24417 एवं हॉकी (बालक एवं बालिका वर्ग) के लिए 6546 खिलाड़ियों का पंजीयन हुआ है। इन ग्राम पंचायत स्तर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन चार दिनों तक होगा।

इसके बाद 12 सितंबर 2022 से चार दिवस तक ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं, 22 सितंबर से चार दिवस तक जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं और 2 अक्टूबर से 6 अक्टूबर 2022 तक राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

महुडा की गवरी का मंचन

उदयपुर, (कासं)। मेवाड के प्रसिद्ध लोक नृत्य गवरी की धूम ग्रामीण क्षेत्रों में ठंडी राखी से शुरू हो जाती हैं कई जगहों पर गवरी कलाकारों ने शुभ मुहूर्त में कपडे पहन कर गवरी का मंचन शुरू कर दिया है। इसी के चलते महुडा गांव की गवरी रविवार को चित्रकूट नगर में मां गोरज्जा की विशेष पूजा अर्चना कर नये वस्त्र एवं शस्त्र धारण करवा कर मंचन किया। लाल सिंह राव ने बताया कि रविवार को गवरी देखने के लिए समाज के एवं आसपास के कई लोग मौजूद रहे ।

भील समाज के कलाकारों ने अखंड व्रत धारण किया एवं थाली मादल की गुजं गूंजी। इसके तहत कलाकारों ने मां गौरज्जा की विशेष पूजा अर्चना कर गवरी का मंचन शुरू किया।सवा माह तक गवरी कलाकार मांस मदिरा का सेवन नहीं करते हैं। साथ ही हरी सब्जी का सेवन भी नहीं करते हैं एवं खाना भी एक समय का खाते हैं , घर पर भी गवंरी वलावण के बाद ही जाते हैं स्नान भी अवधि के अनुसार को किया जाता है जो एक बार जलझुलनी एकादशी एवं दूसरा मां गोरज्जा के विसर्जन के बाद कर सकते है

गवरी नृत्य मेवाड में किया जाता है जिसमे कलाकार शिव पार्वती का प्रतीक मानकर नृत्य करते हैं गवरी नृत्य करने के लिए एक गांव से दूसरे गांव में जाते हैं साथ ही बहन बेटियों के ससुराल में जाकर भी गवरी नृत्य करते हैं गवरी में सभी पुरुष कलाकार होते हैं और इसमें पुरुष महिलाओं के कपडे पहनकर उनकी भूमिका निभाते हैं।

सार-समाचार

हत्या के आरोपी कैदी की मौत

उदयपुर, (कासं)। केन्द्रीय कारागार में हत्या के मामले में सजा काट रहे एक बंदी की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के दोनों पुत्र और भाई भी इसी प्रकरण में सजायाफ्ता है और पैरोल नहीं मिलने पर शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया है। पुलिस के अनुसार रियाज अहमद (67) पुत्र गौस मोहम्मद निवासी हौलीचौक पृथ्वीगंज बांसवाडा ने अपने दोनों पुत्रों, भाई और अन्य के साथ मिलकर हत्या कर दी थी। जिस पर न्यायालय ने सभी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। जिस पर यह पहले राजसमंद में था और वहां से उदयपुर कारागार में रैफर किया गया। इसके दोनों पुत्र और भाई अजमेर जेल में बंद है। रियाज की शनिवार को तबीयत खराब होने पर उसे चिकित्सालय लेकर गए, जहां पर भर्ती किया गया, जहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के शव को मोर्चरी में रखवाया गया। मृतक के परिवार के सदस्यों के जेल में बंद है और उन्हें पैरोल नहीं मिली है। इस कारण से शव मोर्चरी में पडा है। यदि सोमवार को भी पैरोल नहीं मिलती है तो शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा और परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा।

अपहरण का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र में एक विवाहिता ने चार पुरूष और चार महिलाओं के खिलाफ उसका व उसके बच्चों का जबरन अपहरण कर ले जाने का मामला दर्ज करवाया है।पुलिस के अनुसार चीनू पत्नी कुलवंत सिह राव निवासी गोगुन्दा हाल गायरियावास ने मामला दर्ज करवाया कि वह गायरियावास में पति और बच्चों के साथ किराए पर रहती है। उसका पति नौकरी पर गया था इस दौरान शंभू, दिलीप, दीपु के साथ एक अन्य युवक और चार अन्य महिलाएं आई और उसके दोनों व उसे जबरन गाडी में डालकर ले जाने लगी। उसके द्वारा विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और जबरन गाडी में डालकर अपहरण कर ले गए। आरोपी उसे बडगांव में एक संस्थान के परिसर में लेकर गए, जहां पर उसे एक ललिता नामक लडकी से मिलवाया तो लडकी ने पहचानने से इंकार कर दिया। इस दौरान उसके पति ने पुलिस को सूचना दे दी थी, जिस पर पुलिस उसे तलाश रही थी तो आरोपी उसे डरा-धमकाकर हिरणमगरी थाने पर लेकर गए, जहां पर उसने मामला दर्ज करवाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भतीजे ने किया काका पर हमला

उदयपुर, (कासं)। जिले के जावरमाइंस थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपने ही भतीजे के खिलाफ उसके भाई पर जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस के अनुसार भैरूलाल उर्फ भैरा पुत्र गंगाराम मीणा निवासी पलोदडा फलां फुलावत जावरमाइंस ने मामला दर्ज करवाया कि उसका भाई बाबूलाल और उसका साला रमेश तीनों ने उसके घर पर चाय पी और इसके बाद बाबूलाल अपने घर की ओर जा रहा था। इसी दौरान उसका भतीजा रतन पुत्र खेमा मीणाा निवासी पलोदडा फलां फुलावत अपने खेत में बाड काट रहा था तो उसने बाबूलाल को देखकर उससे पैसे मांगे तो बाबूलाल ने पैसे देने से इंकार कर दिया, इस पर आरोपी ने उस पर कूंट से बाबूलाल के गले पर हमला कर दिया, जिससे उसके गले में गंभीर चोट आ गई और आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्कूटी, मोबाइल व लैपटॉप लूटा

उदयपुर, (कासं)। जिले के गोगुन्दा थाना क्षेत्र में एक बाईक सवार तीन युवकों ने स्कूटी पर जा रहे दो युवकों पर हमला कर उनसे स्कूटी, मोबाईल ओर लैपटॉप लूटकर ले गए। पुलिस के अनुसार भरतकुमार पुत्र भगवानलाल निवासी बाघेला नाथद्वारा राजसमंद ने मामला दर्ज करवाया कि वह अपने साथी राजेश पुत्र परमानंद जोशी निवासी बाघेला नाथद्वारा राजसमंद के साथ स्कूटी पर सवार होकर उदयपुर से गोगुन्दा की ओर जा रहा था। रास्ते में इसवाल से आगे नयागुडा गांव में एक बाईक पर सवार होकर तीन युवक आए और तीनों युवकों ने आते ही बाईक आडे लगाकर रोक दिया। इन तीनों युवकों ने उन दोनों से मोबाईल मांगा तो उन्होंने देने से इंकार कर दिया। इस पर इन तीनों युवकों ने इन दोनों से मारपीट करनी शुरू दी। एक युवक ने धारदार हथियार से हमला किया, जिससे दोनों लहुलुहान हो गए और दोनों स्कूटी व बैग को वहीं पर छोडकर भाग गए। कुछ देर बाद वापस आए तो मौके से दोनों के मोबाईल, एक लैपटॉप और स्कूटी गायब थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मारपीट व छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर की प्रतापनगर थाना पुलिस ने एक विवाहिता के घर में घुसकर मारपीट और छेडछाड करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार एक विवाहिता ने आरोपी दिनेश चन्द्र रावत पुत्र भैरू सिंह रावत निवासी हिराबाग कॉलोनी यूनिवरसिटी रोड हाल घरोंदा यूआईटी कॉलोनी हाल कनक विहार ढीकली रोड प्रतापनगर के खिलाफ मामला दर्ज करवाया कि आरोपी जबरन उसके घर में घुस गया और उसके साथ छेडछाड की। विरोध करने पर आरोपी ने मारपीट की। मामला दर्ज होने पर हैड कांस्टेबल नरपत सिंह ने जांच करते हुए आरोपी दिनेश चन्द्र रावत को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया।

31 अगस्त व 1 सितंबर का अवकाश

उदयपुर, (कासं)। मोहनलाल सुखाडिया में छात्रसंघ अध्यक्ष की अनुशंसा पर कुलपति प्रो आईवी त्रिवेदी द्वारा 31 अगस्त को अवकाश घोषित किया गया है जबकि प्रवेश प्रक्रिया और चुनावों के दौरान अवकाशों में काम करने की एवज में कुलपति ने 1 सितंबर का अवकाश भी स्वीकृत किया है। विश्वविद्यालय में सोमवार को खेल दिवस मनाया जाएगा।विद्यालय के प्रवक्ता डॉ कुंजन आचार्य ने बताया कि छात्र संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कुलदीप सिंह सुवावत की अनुशंसा पर कुलपति प्रोफेसर आईवी त्रिवेदी ने 31 अगस्त का अवकाश स्वीकृत किया है। इसी प्रकार प्रवेश प्रक्रिया और चुनावों के दौरान विभिन्न अवकाश में कर्मचारियों ने कार्य किया था उसकी एवज में कुलपति प्रोफेसर आईवी त्रिवेदी ने 1 सितंबर को अवकाश घोषित किया है।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला

उदयपुर, (कासं)। जिले के सेमारी थाना क्षेत्र में एक नाबालिग ने एक युवक के खिलाफ उसके साथ दुष्कर्म करने का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस के अनुसार एक किशोरी ने राजकुमार पुत्र पेमा मीणा निवीस धनकावाडा उडाल फलां सेमारी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया कि आरोपी ने उसे कुछ समय पूर्व अकेला देखकर उसे डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था और इसके बाद से ही आरोपी उसे आए दिन डरा-धमकाकर दुष्कर्म कर रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जयकार समाज विकास संस्था की प्रदेश महासमिति की बैठक सम्पन्न

राजसमंद, (निसं)। अखिल राजस्थान जयकार समाज विकास संस्था कि प्रदेश महासमिति की बैठक प्रदेशाध्यक्ष भेरुलाल चारण की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में युवा प्रदेशाध्यक्ष परसराम पोरवाड, जिलाध्यक्ष राजूलाल जूटक, जिलामंत्री दिनेश सगदार ने स्वागत करते हुए अपने विचार रखे।

बैठक में मातृकुंडिया जिला चित्तौडगढ में 9 अक्टूबर को प्रतिभावान छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय किया जाएगा। इसके साथ ही समाज के पर्यायवाची नाम जयकार, खेड, जागा, बारेठ, राणा को अनुसूचित जाति की सूची में जुडवाने के लिए समाज कल्याण मंत्री व अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष से मिलने के लिए 7 सदस्य प्रतिनिधि मंडल जाएगा। समाज के लिए प्रत्येक जिला मुख्यालय पर भूखंड आवंटन करवाने के लिए प्रत्येक परिवार से सहयोग राशि ली जाएगी व सामाजिक कार्यक्रमों में संस्था के लिए सहयोग राशि तय की गई।

प्रदेश महासचिव दुर्गालाल बारेठ ने कहा कि समाज के लिए जारी नवजीवन योजना में निर्माण के लिए परिवारों की संख्या 10 से घटाकर 2 करवाई जानी है व शिक्षण के लिए 25000रूपया कराया जाना है। प्रदेशध्यक्ष भेरुलाल चारण ने कहा कि सामाजिक कुरीतियों को दूर कराने में समाज अग्रणी भूमिका निभा रहा है। अधिकतर समाज जन सामाजिक कार्यक्रम एक दिन में ही पूरा कर रहे हैं यह अच्छी शुरुआत है।

बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष भेरूलाल खरेलवा, प्रदेश संरक्षक भूरालाल सगदार, दुर्गालाल बारेठ, युवा प्रदेश महासचिव यशवंत चारण ने युवाओं में जागृति लाने के लिए हर वर्ष खेलकूद प्रतियोगिताएं करवाने, प्रदेश कोषाध्यक्ष दुर्गालाल चौधरी ने आयव्य पेश किया। अतिरिक्त महासचिव सुगनचंद सिहोल, संयुक्त महासचिव राजेंद्र बराला ने कहां की हमें अपने बालकों के नाम के साथ गोत्र लगाई जानी चाहिए केवल जाति के कॉलम में ही हमें अपनी जाति का उल्लेख करना चाहिए।

युवा प्रदेश संयुक्त मंत्री भेरूलाल डोडा ने शिक्षा का फंड बनाने का सुझाव दिया। बैठक में राव समाज जिलाध्यक्ष लादूलाल फोगा, बसंतीलाल जामका, सुरेशचंद्र बराला, शोभालाल बराला, मनोज पोरवाड, संपत साथी, इंद्रकुमार गोगिया, मनोज झावडिया, मुकेश हाथीका, रविंद्र पोरवाड, हर्षित पोरवाल, नरेंद्र पोरवाड ने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में मातृकुंडिया जिला चित्तौडगढ में 9 अक्टूबर को प्रतिभावान छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय किया जाएगा। इसके साथ ही समाज के पर्यायवाची नाम जयकार, खेड, जागा, बारेठ, राणा को अनुसूचित जाति की सूची में जुडवाने के लिए समाज कल्याण मंत्री व अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष से मिलने के लिए 7 सदस्य प्रतिनिधि मंडल जाएगा।

'वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण बेहद आवश्यक'

उदयपुर, (कासं)। प्रभारी मंत्री और राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश में उद्योगों के विकास हेतु प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र का राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है एवं इस क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है।

मंत्री जाट रविवार को शहर के ओरबिट रिसॉर्ट में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड और माइनिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में रोल ऑफ इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी इन टर्नअराउंड ऑफ माइनिंग इंडस्ट्री विषय पर आयोजित सेमीनार के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर रहे थे।मंत्री जाट ने कहा कि खनन क्षेत्र से सरकार को अच्छा राजस्व प्राप्त होता है और इससे सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं के संचालन में मदद मिलती है जिससे सीधे तौर पर समाज का जरुरतमन्द तबका लाभान्वित होता है। मंत्री रामलाल जाट ने कहा कि आज के समय पर्यावरण संरक्षण बेहद आवश्यक हो चला है। कहते हैं पेड़ का पुण्य सर्वोत्तम होता है। मंत्री ने सभी से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने की अपील की। उन्होंने खनन से जुड़े यूनिट्स से पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में में रखने और इस दिशा में निरंतर प्रयासरत रहने की अपील की।मंत्री जाट ने सिलिकोसिस बीमारी पर प्रकाश डालते हुए खनन से जुड़े यूनिट्स से श्रमिकों हेतु पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम रखने के लिए कहा। उन्होंने जिले में सिलिकोसिस रोकथाम हेतु किए जा रहे कार्यों को सराहा।

मंत्री ने आश्वस्त किया कि सेमिनार में प्राप्त हुए सुझावों से वे राज्य सरकार को अवगत कराएंगे जिससे कि और बेहतर पॉलिसी बनाने में मदद मिल सके। सेमीनार ने हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड और माइनिंग इंजीनियर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।ाभारी मंत्री और राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश में उद्योगों के विकास हेतु प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र का राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है।

ग्रामीण ओलंपिक खेलों पर संवाद

उदयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को विभिन्न मंत्रीगणों, जनप्रतिनिधियों, राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों, प्रशासनिक व संबंधित विभागीय अधिकारियों की वीसी के माध्यम से बैठक ली और लंपी स्किन डिजीज और राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों के विषय पर संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लंपी स्किन डिजीज के प्रबंधन के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया और ग्रामीण ओलंपिक खेलों के प्रति उमड़े उत्साह की दी जानकारी। मुख्यमंत्री ने इन खेलों में प्रदेशवासियों की अधिकाधिक सहभागिता का आह्वान करते हुए भव्य आयोजन के निर्देश दिए। इस दौरान उदयपुर से प्रतिपक्ष नेता गुलाब चंद कटारिया, महापौर जीएस टांक, उदयपुर ग्रामीण विधायक फुलसिंह मीणा भी जुडे रहे।

नेत्रदान जागरूकता रैली का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय के नैत्र रोग विभाग व आई.बैंक सोसायटी चेप्टर के तत्वावधान में जारी 37वे राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के तहत रविवार को फतहसागर की पाल पर नेत्रदान जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

नेत्र काउंसलर रेखा जीनगर ने बताया कि इस रैली का शुभारंभ आई.बैंक सोसायटी चेप्टर उदयपुर के अध्यक्ष एस.एम. पोरवाल व आरएनटी प्राचार्य डॉ. लाखन पोसवाल के आतिथ्य में हुआ।

उदयपुर-अहमदाबाद ब्रॉडगेज ट्रेन सितम्बर में चलेगी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर-अहमदाबाद ब्रॉडगेज का इंतजार लंबे समय से सभी को है। गत दिनों इस ट्रैक पर काम को पूरा करने में आई तीव्रता के चलते इस पूरे रूट का सीआरएस निरीक्षण पूरा कर लिया गया था। गत 9 व 10 जुलाई को इसके आखिरी स्टेशन जयसमन्द से खारवा का निरीक्षण करने के बाद इस पर ट्रायल ट्रैन भी चलाकर देख ली गई थीं। जिसके बाद लगने लगा था कि यह ट्रैन 15 अगस्त तक शुरू हो जाएगी। लेकिन इस ट्रैक पर रिपोर्ट्स में बताई खामियों को दुरस्त करने में वक्त लग गया।रेलवे चीफ पब्लिक रिलेशन ऑफिसर शशि करण ने बताया कि सितम्बर माह में यह ट्रैन शुरू हो जाएगी। ट्रैक पर मिली शिकायतें और मार्ग के स्टेशनों पर टाइल्स इत्यादि लगाने का काम पूरा हो गया है। अब 15 से 20 दिनों में यह ट्रैन उदयपुर-अहमदाबाद के बीच चला दी जाएगी। वर्तमान में आमान परिवर्तन की यह ट्रेन डूंगरपुर से असारवा तक चल रही है ओर अब उदयपुर तक इसे बढ़ा दिया जाएगा। उदयपुर-अहमदाबाद रूट पर जयपुर-उदयपुर की तर्ज पर प्रतिदिन इस ट्रेन का संचालन होगा। उदयपुर से किस समय यह ट्रेन चलेगी इसकी सारणी तैयार की जा रही है। उदयपुर-अहमदाबाद रुट पर यह रेल शुरू होने का कई सालों से लोग इंतजार कर रहे है। हालांकि दक्षिण से जोड़ने वाले इस रूट पर दक्षिण से इसका जुड़ाव तभी सुगम हो पायेगा जब इलेक्ट्रिफिकेशन का काम पूरा हो पायेगा। सम्भवत: उसमें डेढ़ से दो साल का वक्त लगेगा।उदयपुर-अहमदाबाद आमान परिवर्तन के शुरू होने से उदयपुर में पर्यटन व्यवसाय को भी और गति मिलेगी।

अतिवृष्टि से जान गंवाने वालों को मुआवजा दें : प्रभारी मंत्री

उदयपुर, (कासं)। प्रभारी मंत्री रामलाल जाट ने रविवार सायं कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर लम्पी स्किन डीसीज की रोकथाम और अतिवृष्टि से हुए नुकसान की विस्तार से समीक्षा की। मंत्री ने अधिकारियों से पशुओं के टीकाकरण को लेकर प्रगति जानी और एंटीबॉडी के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों को निरंतर जागरूक करते रहने के निर्देश दिए। मृत पशुओं को नियमानुसार दफनाने और संक्रमित पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ताराचंद मीणा ने बैठक में मंत्री को प्रचार प्रसार हेतु गाँव-गाँव आयोजित हो रही गोष्ठी की जानकारी दी। इसके साथ ही बताया कि जिलेभर में पैमप्लेट वितरण और पोस्टर चस्पा करने जैसे कार्य भी जारी हैं। जिला परिषद सीईओ मयंक मनीष ने बताया कि अब तक जिले के पाँच विधायकों द्वारा विधायक मद से दस-दस लाख रुपए लम्पी स्किन डीसीज की रोकथाम हेतु सहायतार्थ दिए जा चुके है।

प्रभारी मंत्री रामलाल जाट ने अतिवृष्टि से उपजे हालात की समीक्षा की। उन्होंने जिले के विभिन्न इलाकों में हुई बारिश और बांधों में पानी की आवक की जानकारी ली। इसके बाद अतिवृष्टि के दौरान जान गंवाने वालों को समय पर मुआवजा दिलवाने हेतु आवश्यक कार्रवाई समय यपर पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मंत्री को विभिन्न दुर्घटनाओं की जानकारी दी एवं वर्षा की ओवरऑल स्थिति से अवगत कराया।मंत्री रामलाल जाट ने जिला कलेक्टर, कृषि विभाग और बीमा कंपनी के अधिकारियों से बात करते हुए जिले में अतिवृष्टि से हुए फसल खराबे का मुआवजा शीघ्र दिलवाने के निर्देश दिए। उन्होंने समय पर एवं उदारता और संवेदनशीलता के साथ खराबे का आकलन करने एवं समय पर मुआवजा राशि जारी करवाने के लिए कहा। मंत्री ने कहा कि हमारा कर्तव्य है कि किसानों के प्रति संवेदनशील रह कर उन्हें राहत दिलाने का प्रयास करें।

मंत्री रामलाल जाट ने कलेक्टर ताराचंद मीणा और जिला खेल अधिकारी शकील हुसैन से राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों की अंतिम तैयारियों की जानकारी ली। जिला खेल अधिकारी शकील हुसैन ने बताया कि जिले में 2 लाख 3 हजार खिलाड़ियों का पंजीयन हुआ है एवं 13,887 टीमों का गठन हुआ है जो सर्वाधिक है। इसके अलावा उन्होंने कलेक्टर ताराचंद मीणा के नेतृत्व में जिले में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने हेतु जारी अनेकों विकास कार्यों की विस्तार से जानकारी दी जिसकी मंत्री जाट ने प्रशंसा की। बैठक में मंत्री ने मंत्री रामलाल जाट ने बैठक में जन स्वस्थ अभियांत्रिकी विभाग से जल जीवन मिशन की प्रगति जानी। इसके अलावा पीडबल्यूडी से बारिश में खस्ताहाल हुई सड़कों को समय पर मरम्मत करने के निर्देश दिए। यूआइटी सचिव ने भी शहर में सड़कों के मरम्मत कार्य की प्रगति से अवगत कराया।मंत्री रामलाल जाट ने कलेक्टर ताराचंद मीणा और जिला खेल अधिकारी शकील हुसैन से राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों की अंतिम तैयारियों की जानकारी ली।

सार-समाचार

फतेहसागर पाल पर साइक्लोथॉन

उदयपुर, (कासं)। राष्ट्र गौरव मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को फतेहसागर पाल पर राष्ट्रीय खेल दिवस पर डॉ अनुष्का ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट एवं मारवाडी युवा मंच लेकसिटी शाखा द्वारा साइक्लोथॉन का आयोजन किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि एडीजे कुलदीप शर्मा, विशिष्ठ अतिथि डिवाईएसपी चेतना भाटी , गिर्वा तहसीलदार सुरेश नाहर, अनुष्का ग्रुप के सचिव राजीव सुराणा एवं मारवाडी युवा मंच राजस्थान प्रांत की उदयपुर जिले की लेकसिटी शाखा की अध्यक्षा राजश्री वर्मा ने प्रतिभागियों को हरी झंडी दिखाकर साइक्लोथॉन का आगाज किया। इस स्पर्धा के आयोजन का मुख्य उद्देश्य बताते हुए अनुष्का ग्रुप के संस्थापक डॉ एस एस सुराणा बताते है की खेलो का हमारे जीवन में एक अहम रोल है, खेल एक ऐसा अस्त्र हैं जिसको खेलने के बाद चिंता दूर हो जाती है। साइक्लोथॉन का मार्ग फतेहसागर स्थित काला किवाड साईकल स्टैंड से मोती मगरी होते हुए देवाली गेट तक, फिर वहां से पुनः प्रारम्भिक स्थान तक जो की लगभग 4 से 5 किमी था। इस प्रतियोगिता में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जिसमें बालक वर्ग में चैंपियन गौरव नंदवाना एवं बालिका वर्ग में चैंपियन दक्षिता शर्मा रही। साईकल रेस में आदिवासी जनजाति क्षेत्र से बालिकाओ ने भी हिस्सा लिया जिसमे बालिका वर्ग में वसुंधरा कुमारी एवं ललिता कुमारी ने क्रमशः तृतीय एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए राजीव सुराणा ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अनुष्का ग्रुप से भूपेश परमार, राहुल लोढा, प्रणय जैन, जीतेन्द्र मेनारिया, रविन्द्र सैनी, प्रतिभा शर्मा, मयंक गुप्ता, सचिन पांचाल के साथ मारवाडी युवा मंच की ओर से लेकसिटी पूर्व अध्यक्ष सौरभ जैन, प्रांतीय कैंसर एवं जन सेवा संयोजिका डॉ प्रियंका जैन, सचिव टीना टेलर एवं दुर्गा राजपूत उपस्थित थे।

पुस्तक 'घर से वन तक' का विमोचन

उदयपुर, (कासं)। राज्य के प्रधान मुख्य वन संरक्षक, पर्यावरणविद्, लेखक एवं पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. दीप नारायण पांडे की बेस्ट सेलर पुस्तक 'घर से वन तक' का विमोचन रविवार को उदयपुर में हुआ। दक्षिण राजस्थान में पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध ग्रीन पीपल सोसाइटी की ओर से शहर के चुंडा पैलेस में आयोजित एक कार्यक्रम में पांडे के अनुभवों पर आधारित पुस्तक का विमोचन वरिष्ठ अधिकारियों, पर्यावरणविदों एवं विशेषज्ञों की उपस्थिति में हुआ। पांडे ने अपनी पुस्तक की विषयवस्तु पर प्रकाश डालते हुए वन जगत के अपने अनुभवों को साझा किया। पांडे ने इस पुस्तक पर चर्चा दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए किए गये प्रयासों एवं उनके विजन की सराहना की और कहा कि लव-कुश वाटिका देश में मिसाल बनेगी। पांडे ने उदयपुर में अपनी प्रथम नियुक्ति की जानकारी देते हुए बताया कि उनका उदयपुर से लगाव है पर वन व वन्यजीव संरक्षण में जो काम हुआ वो उनकी टीम ने किया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक पांडे उदयपुर को विश्व का खूबसूरत शहर बताया और यहां प्रकृति के संरक्षण के साथ वनों के उपयुक्त रखरखाव एवं प्रबंधन की सराहना की। उन्होंने उदयपुर में झील संरक्षण के कार्य की तारीफ की और कहा कि इसका श्रेय यहां के निवासियों को जाता है।

अध्यक्ष कुलदीप सिंह का अभिनन्दन

उदयपुर, (कासं)। आसोलिया की मादडी में मोहन लाल सुखाडिया विवि उदयपुर के नव निर्वाचित केन्द्रीय छात्र संघ अध्यक्ष कुलदीप सिंह सुवावत भेरूजी बावजी देवरे प्रांगण में स्वागत अभिनन्दन किया मेवाडी पगडी पहनाकर महाराणा प्रताप की तस्वीर भेंट कर तिलक उपरणा पहनाकर स्वागत अभिनन्दन किया।चुनाव के दौरान सारथि विरभ्रद सिंह राव आसोलिया की मादडी का भी उपरणा पहनाकर स्वागत अभिनन्दन किया। महाराणा प्रताप शिक्षा प्रचार समिति आसोलिया की मादडी के संस्थापक हरि सिंह राव भवानी सिंह राव, भीम सिंह राव, अमर सिंह प्रधान गजेन्द्र सिंह राव, चन्दन सिंह राव गजेन्द्र सिंह राव , ईश्वर सिंह राव, सुरेन्द्र सिंह राव, पुष्पेन्द्र सिंह राव, लक्ष्मण सिंह राव, प्रकाश सिंह राव, वैभव सिंह राव, अवतार सिंह राव, विक्रम सिंह राव, राजेन्द्र सिंह राव, महेन्द्र सिंह राव उपस्थित रहे। एकीकृत मीडिया प्रभारी राव गोपाल सिंह आसोलिया ने बताया कि अध्यक्ष सुवावत ने ग्रामवासियों, युवाओं का आभार व्यक्त किया।

आइएएस टीसी बोहरा पहुंचे चावंड

उदयपुर/सराड़ा, (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती पर चावंड में पैनोरमा निर्माण की घोषणा को मूर्त रूप देने को लेकर जयपुर से आइएएस टीसी बोहरा रविवार शाम को चावंड पहुंचे। चावंड में महाराणा प्रताप स्मारक के निकट पर्यटन विभाग की जमीन को महाराणा प्रताप की स्मृति में बनाए जाने वाले पैनोरमा निर्माण के लिए गत 25 अगस्त को कलेक्टर के आदेश से आवंटित जमीन का कब्जा कला एवं संस्कृति विभाग राजस्थान को सौंपा गया। एसडीओ नायब तहसीलदार डूंगर प्रजापत द्वारा कलेक्टर के निर्देश के बाद की गई निशानदेही की जानकारी आइएएस टीसी बोहरा ने ली। पूर्व में चयनित जमीन की निशानदेही प्राप्त की। जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा के आदेशानुसार 0.60 हेक्टर भूमि के हस्तांतरण मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण को कब्जा हस्तांतरित किया। महाराणा प्रताप स्मारक समिति के महामंत्री मनोज व्यास, आर आई मावा राम, पटवारी प्रेम पटेल,मेला मंत्री दीपक मलावत, उप सरपंच करण जोशी, वार्ड पंच मोतीलाल सुथार, हिमांशु, अकबर सहित कई पदाधिकारी मोजूद रहे। उल्लेखनीय है की मुख्यमंत्री ने महाराणा प्रताप जयंती पर महाराणा प्रताप की संकटकालीन राजधानी और निर्वाण स्थल चावंड में लगभग 5 करोड रुपये की लागत से महाराणा प्रताप पैनोरमा बनाने की घोषणा की है।

नरेश पूर्बिया सम्मानित

उदयपुर, (कासं)। अखिल भारतीय कलवार कलाल कलार महासभा के राष्ट्रीय अधिवेशन दिल्ली में उदयपुर के नरेश पूर्बिया को उत्कृष्ट समाज सेवाओं एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों के कलालश्री सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान अध्यक्ष शंकर पटेल, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तारक किशोर प्रसाद कलाल, महामंत्री किशोर भगत व हरीश कलाल द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। नरेश पूर्बिया सहित 6 समाज सेवियों को राष्ट्रीय स्तर पर कलालश्री सम्मान से सम्मानित किया गया।

नवसृजन काव्य गोष्ठी

उदयपुर, (कासं)। नवकृति साहित्यिक संस्था काव्य गोष्ठी का आयोजन राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय हिरण मगरी सें. में हुई। नवसृजन काव्य गोष्ठी में कवीश टंडन, स्वाति शकुंत, आर.सी.देवेंद्र विजय, आलिया फातिमा, जगदीश तिवारी, अरुण त्रिपाठी, गोविंद लाल ओड, इकबाल हुसैन इकबाल, डॉ. गिरीश नाथ माथुर, डॉ इस्हाक फुरकत अपने अपनी रचनाएं पढी।

लम्पी वायरस की चपेट में आए चार दर्जन पशु, दो की मौत

प्रशासन ने अभी तक ना तो कंट्रोल रूम बनाया ना ही आइसोलेशन वार्ड

नारायणपुर, (निसं)। अब धीरे-धीरे लम्पी वायरस क्षेत्र में पांव पसारने लगा है, उपखंड क्षेत्र में करीब 4 दर्जन पशु संक्रमित मिलने एवं 2 गोवंश की मौत के बाद पशुपालकों में हडकंप मच गया है। पशुपालन विभाग की ओर से इस वायरस को लेकर एतिहात बरतने की गाइड लाइन जारी की गई है लेकिन धरातल पर ये सब बेअसर साबित हो रहे है।

प्रशासन द्वारा अभी तक ना तो कंट्रोल रूम स्थापित किया गया और

- पशुपालन विभाग ने एतिहात बरतने की गाइडलाइन जारी की

पेड़ के बंधा लम्पी वायरस से संक्रमित आवारा सांड।

न संक्रमित गोवंश को रखने के लिए आइसोलेशन वार्ड की व्यवस्था की गई। व्यवस्था के अभाव में रविवार को कस्बे में संक्रमित आवारा सांड दिनभर भूखा प्यासा एक पेड के बंधा रहा। जबकि पशुपालन विभाग पूर्व में ही उच्चाधिकारियों को आइसोलेशन वार्ड के लिए पत्र लिख चुका है।

बीमारी के बढ़ते संक्रमण के साथ जनसहयोग का भी अभाव बना हुआ है। इधर वरिष्ठ पशु चिकित्सक रमेश चन्द वर्मा ने बताया कि उपखंड क्षेत्र की 19 ग्राम पंचायतो में 47 सस्पेक्टेड केस हैं। 2 पशु चिकित्सकों की देखरेख में, 8 टीम बनाकर संक्रमित पशुओं की मॉनिटरिंग की जा रही है जबकि अब तक 4609 गोवंशो को टीकाकरण हो चंका है। अगले 2 दिनों में सभी गोवंशों को टीकाकरण कर दिया जायेगा।

लम्पी रोग से ग्रस्त गौवंश को दवा दी

सादुलपुर, (निसं)। मोक्ष भूमि गौशाला में श्री कृष्ण आराधना के साथ शुरू किये गये अभियान अन्तर्गत रविवार को लम्पी रोग से ग्रस्त समस्त गौवंश को दवा दी गई। स्वर्गीय नंदकिशोर लोहारी वाला परिवार के पंचकूला स्थित यूनिवेन्टिस फाउंडेशन ओर से उक्त दवाओं की व्यवस्था की गई। तथा आइवरमेक्टिन तथा डॉक्सीसाइक्लिन टेबलेट आटे और गुड के लड्डू में डालकर खिलाई गई। मोक्ष भूमि गौशाला के मंत्री विजय सिंह गहलोत की देख-रेख में यह सेवा कार्य किया गया। इस अवसर पर लोहारी वाला परिवार के सदस्य नटवर, वासुदेव, शिव कुमार, गौरव लोहारी वाला के अलावा गौसेवक दुष्यंत शर्मा, राजू मित्तल, गौशाला पशु चिकित्सक ऋषि शर्मा, कौशल, सत्यनारायण, महिला मंडल की ज्योति सरावगी आदि भी उपस्थित थे।

सेकंड ग्रेड के पांच हजार से ज्यादा टीचर्स का तबादला

अधिकांश मनपसंद स्कूल पहुंचे

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा विभाग में अकेले ग्रेड सेकंड के पांच हजार से ज्यादा टीचर्स को इधर से उधर कर दिया गया है। वहीं प्रिंसिपल और मंत्रालयिक कर्मचारियों के ट्रांसफर की लंबी चौड़ी लिस्ट भी एक-दो दिन में जारी होने वाली है।

पिछले पंद्रह दिन से जयपुर में शिक्षा निदेशालय, संयुक्त निदेशक कार्यालय और शिक्षा मंत्री कार्यालय की टीम जुटी हुई थी। ट्रांसफर के लिए संयुक्त निदेशक व जिला शिक्षा अधिकारियों से मिले प्रस्तावों को शिक्षा मंत्री कार्यालय में देखा गया। ट्रांसफर्स में अधिकांश को मनपसंद स्कूलों में भेजने का प्रयास हुआ है। वहीं बड़ी संख्या में टीचर्स को शहरी स्कूल से गांव के स्कूल में भी भेजा गया है। ट्रांसफर लिस्ट में डार्क जोन के

- ट्रांसफर लिस्ट में डार्क जोन में तो शिक्षक लगाए गए लेकिन वहां से तबादले कम हुए हैं
- करीब डेढ़ हजार प्रिंसिपल का ट्रांसफर हो चुका है, लेक्चरर के ट्रांसफर भी हो सकते हैं

ट्रांसफर भी है लेकिन वहां से अन्य जिलों में ट्रांसफर कम हुए हैं।

प्रदेशभर के कांग्रेस विधायकों की डिजायर को प्राथमिकता दी गई है। प्रत्येक विधायक को एक संख्या दी गई, उसी संख्या में उसके तबादले मनपसन्द स्थानों पर किए गए। इसी कारण कुछ टीचर्स को शहर से जगह छोड़ गांवों में जाना पड़ा है जिन जिलों में कांग्रेस विधायक नहीं है, वहां कांग्रेस के अन्य नेताओं की डिजायर पर तबादले किए गए हैं।

प्रिंसिपल की एक लिस्ट पहले आ चुकी है लेकिन एक और लिस्ट जारी होने वाली है। उम्मीद की जा रही है कि दूसरी लिस्ट में पांच सौ से ज्यादा टीचर्स को इधर-उधर किया जा रहा है। पहले भी करीब डेढ़ हजार प्रिंसिपल का ट्रांसफर हो चुका है। इसके साथ ही लेक्चरर के ट्रांसफर भी हो सकते हैं।

घर-घर जाकर किया गोवंश का इलाज

अब तक हजारों पशुओं का इलाज परिषद करवा चुकी है

रतनगढ़, (निसं)। रतनगढ नागरिक परिषद के सौजन्य से चल रहे गोवंश के इलाज हेतु आज नोडल अधिकारी हूणताराम मीणा के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने तहसील के ग्राम लुछ, सांगासर व रतनगढ के बाहरी वार्ड में निराश्रित आवारा अति गंभीर बीमार गोवंश का इलाज किया।

चिकित्सक टीम के साथ रतनगढ नागरिक परिषद के मुख्य प्रतिनिधि मुरारीलाल शर्मा, एडवोकेट रजनीकांत सोनी व ओम सारस्वत साथ रहे। परिषद के शर्मा ने बताया कि अब तक हजारों पशुओं

- नागरिक परिषद ने चिकित्सकों की टीम तैयार की जिससे पशुओं को समय पर उपाचर मिला

का इलाज परिषद करवा चुकी है। 2 अगस्त को क्षेत्र में बीमारी के प्रवेश के साथ ही परिषद ने 4 अगस्त से चिकित्सा की टीम गौ धन इलाज के लिए तैयार कर दी थी। जिसे अनेकों पशुपालकों व आवारा पशुओं को समय पर इलाज होने से लाभ हुआ।

संक्रमित पशुओं का उपचार करती डॉक्टर टीम।

उत्तर पश्चिम रेलवे ने सोलर पैनल लगा 5.64 करोड़ की बचत की

फुलेरा, (निसं)। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण की जानकारी के अनुसार उत्तर पश्चिम रेलवे महाप्रबंधक विजय शर्मा के दिशा-निर्देशों पर उत्तर पश्चिम रेलवे प्रशासन प्रदूषण रहित तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति दायित्व के प्रयासों को गति प्रदान कर पर्यावरण संरक्षण की मुहिम को बढाने के साथ-साथ राजस्व की भी बचत कर रहा है। रेलवे पर अब तक कुल 7.128 एमडब्लूपी क्षमता के सोलर पैनल स्थापित किये गये है। इन सौलर पैनल के स्थापित होने से रेलवे पर प्रतिवर्ष 94 लाख से अधिक यूनिट की ऊर्जा की बचत करते हुए करीब 5.64 करोड रूपये के राजस्व की बचत होगी।

हरित ऊर्जा की पहल के अन्तर्गत उत्तर पश्चिम रेलवे के 115 स्टेशनों, 238 समपार फाटकों और 20 कार्यालय भवनों पर 7.128 एमडब्लूपी क्षमता के सौर ऊर्जा पैनल उपलब्ध करवाये जा चुके हैं। इसके साथ

ही इस वित्त वर्ष में 20 स्टेशनों पर लगभग 1.67 करोड रूपये की लागत से 200 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल स्थापित किये जाने का प्रावधान है। इसके अन्तर्गत प्रत्येक स्टेशन पर 10 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल लगाये जायेंगे। ताकि बिजली आपूर्ति न होने पर भी स्टेशनों पर लाइट की सुविधा हमेशा उपलब्ध हो सके। एलईडी फिटिंग्स उत्सर्जित प्रकाश की प्रति यूनिट (लुमेन) कम बिजली की खपत करते हैं। यह बिजली संयत्रों से ग्रीन हाउस उत्सर्जन को कम करता है तथा एलईडी के लिये कार्बन डाई-ऑक्सीजन उत्सर्जन भी कम है। उत्तर पश्चिम रेलवे के 572 स्टेशनों तथा 963 सर्विस बिल्डिग्स में 100 एलईडी फिटिंग लगाई गई है।

उत्तर पश्चिम रेलवे पर लगभग 236452 एलईडी लाइट फिटिंग लगाई गई है। जिसके परिणाम स्वरूप 103 लाख यूनिट बिजली तथा 9 करोड रूपये के राजस्व की बचत प्रतिवर्ष होती है। इसके अतिरिक्त उत्तर पश्चिम रेलवे के 28 स्टेशनों पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था के लिये एयरपोर्ट के मानक स्तर पर प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध करवाई गई है।

ड्रग्स, हथियार व नकली नोट के साथ युवक गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर की प्रतापनगर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए शनिवार रात तस्कर को गिरफ्तार कर महंगी बिकने वाली एमडीएमए ड्रग्स 330 ग्राम, दो रिवाल्वर, 70 जिंदा कारतूस व 20,000 रूपए के जाली नोट बरामद कर युवक को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा गठित टीम शनिवार शाम को गश्त करते हुए ठोकर चौराहे के पास पहुंचे तो जयराम कॉलोनी में पुलिस वाहन व जाब्ते को देख एक लडका जिसके हाथ में कपडे की थैली लेकर आता हुआ दिखा और पुलिस को देख थैली को शरीर की आड में छिपाते हुए पीछे मुड़कर भागने लगा। पुलिस जाब्ते द्वारा उसका पीछा किया गया तो वह कुछ ही दूरी पर खडी एक सफेद कलर की स्कॉर्पियो गाडी की फाटक खोल बैठने लगा।

पुलिस जाब्ते द्वारा पूछताछ में उसने अपना नाम दिपेश कुमार पिता नाथुलाल पाटीदार निवासी गांव कुलमीपुरा थाना धमोतर जिला प्रतापगढ हॉल निवासी जयराम कॉलोनी ठोकर होना बताया।

- दो रिवॉल्वर, 70 जिंदा कारतूस व बीस हजार रू.के जाली नोट भी मिले
- उदयपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

युवक की संदिग्ध हरकतों के कारण उसकी तथा उसकी स्कॉर्पियो कार की तलाशी ली तो थैली में 330 ग्राम अवैध एमडीएमए व स्कॉर्पियो गाडी की तलाशी लेने पर गाडी में दो पिस्टल, दो रिवॉल्वर, 70 कारतुस व 20000 रुपये के जाली नोट मिले जिन्हे जब्त कर पुलिस ने अभियुक्त दिपेश कुमार को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ कर उसके साथ अवैध कार्य में संलिप्त अपराधियों की पहचान कर रही है।

सुराणा घटना ने जिले में जातिवाद का बीज बोने के साथ आपसी सौहार्द कम किया?

जालोर, (कासं)। जालोर जिले में सुराणा प्रकरण में अबोध बालक इंद्र कुमार की मृत्यु हुयी। जिसकी जांच विचाराधीन है और लगभग सत्य सबके सामने आ चुका है। तथा आरोपी छैलसिंह को सजा देना न्यायपालिका तय करेगी लेकिन इस घटना ने एक अकेले इंद्र मेघवाल की मौत नहीं हुयी, इंद्र के साथ - साथ आरोपी छैल सिंह का परिवार की भी स्थिति दयनीय हो गई। वही जिले में इस घटना ने जातिगत बीज बो दिया। जिससे समाप्त करने में समय लगेगा।

सुराणा घटना मारपीट करने को लेकर दो पहलू सामने आने पर यह पुलिस जांच के विषय है। तथा एसआईटी की टीम उक्त प्रकरण का पूर्ण अनुसंधान कर आरोप पत्र किन तथ्यों के आधार पेश करेगी। उसके बाद ही उक्त घटना का वास्तविक खुलासा होगा।

इंद्र की मौत पर लोग, परिवार, नेता, विधायक, एक्टिविस्ट, जातिगत सेना, संगठन रोटियां सेक रहे हैं तथा जिले का सौहार्द बिगाड रहे है और

आरोपी छैल सिंह का आवासीय घर।

आरोपी छैल सिंह जिसकी पारिवारिक आर्थिक स्थिति कोई इंद्र के परिवार से बढ़िया नहीं है।

सुराणा घटना में इंद्र के पिता ने अपने बच्चे को खोया तो इस घटना ने छैलसिंह के परिवार की रोजी रोटी छिन ली। छैलसिंह के जेल जाने के बाद उसके वृद्ध मां बाप ने अपना पुत्र व दो नन्हें बच्चों ने अपने बाप का प्यार खोया। मात्र वोट बैंक खिसक जाने और पार्टी में मिले पद चले जाने के डर सच के साथ खड़े होने में लोग कतराते है, बोलने से डरते है। किसी ने सच ही कहा है कि सच जब तक अपने जूते पहनता है। तब तक झूठ पूरी दुनियां का चक्कर लगा के आ जाता है। छैलसिंह के वृद्ध पिता बीमार रहने के साथ उसकी पति तो सहमी नजर आ रही है। इन्द्र के पिता पर भी जातिगत संगठन का दबाव होने से वे भी खुलकर सामने नही आ रहे हैं। सुराणा की घटना ने जिले में जातिय बीज बोने के साथ आपसी सौहार्द को भी कम करने का काम किया है।

ओडिशा के राज्यपाल ने किए बालाजी के दर्शन

राज्यपाल का समिति अध्यक्ष यशोदानन्दन पुजारी ने स्वागत किया।

सुजानगढ़, (नि.स.) ओडिशा के राज्यपाल गणेशीलाल ने सालासर बालाजी के धोक लगाई। राज्यपाल ने बालाजी के दर्शन कर देश-प्रदेश की खुशहाली की कामना की। राज्यपाल के सालासर आगमन पर हनुमान सेवा समिति अध्यक्ष यशोदानंदन पुजारी, कमल पुजारी, राजाराम पुजारी, प्रकाश पुजारी सहित पुजारी परिवार के सदस्यों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

ऑनलाइन एग्जाम के कम्प्यूटर हैक, रिमोट से करते ऑपरेट, 7 गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान में हो रहे कॉम्पिटिशन एग्जाम में नकल के मामले बढ़ ते जा रहे हैं। पटवारी, रीट और कॉन्स्टेबल के बाद अब डिस्कॉम के टेक्निकल असिस्टेंट में नकल का खुलासा हुआ है। यह एग्जाम ऑनलाइन था। इसके बाद भी माफिया ने सेंधमारी कर दी। पूरे सिस्टम को हैक कर लिया और नकल करवाई गई। एटीएस ने इस मामले में 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम का अभी तक खुलासा नहीं किया है।

प्रदेश के अलग-अलग जिलों में टेक्निकल असिस्टेंट के 1512 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की गई थी। इससे पहलेंऊए अपने स्पेशल ऑपरेशन के लिए काम कर रही थी। एटीएस के आईजी विकास कुमार ने बताया कि साइबर वर्ल्ड में होने वाली गतिविधियों पर पुलिस की पैनी नजर रहती है। इस दौरान एटीएस की टीम को यह भनक लगी कि ऑनलाइन एग्जाम वाले सिस्टम को हैक किया गया है और उन्हें रिमोट पर लिया गया है। पता चला कि जो कम्प्यूटर हैक किए जा रहे हैं, वहां बिजली विभाग की टेक्निकल असिस्टेंट की परीक्षा होने वाली है।

सूचना मिली कि बीकानेर में एक सेंटर पर सिस्टम को हैक किया गया है। एटीएस और एसओजी ने मिलकर डिस्कॉम के अधिकारियों को इसके बारे में बताया। टीम बनाकर बीकानेर समेत अलवर, कोटा आदि शहरों के सेंटरों पर कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में संदिग्ध कैंडिडेट और एग्जाम कॉर्डिनेटर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। टीम ने दो लैपटॉप भी बरामद किए हैं।

आईजी विकास कुमार ने बताया कि हाईटेक तरीके से नकल कराने का मामला सामने आने के बाद कार्रवाई की गई है। सामने आया कि इस गिरोह में एग्जाम सेंटर पर ड्यूटी लगाने वाले कुछ कर्मचारियों की भी मिलीभगत है। जब कैंडिडेट एग्जाम देने बैठता तो वह यह बहाना बना देता कि सिस्टम काम नहीं कर रहा है। इसके बाद शुरू होता है पूरा खेल। गिरोह के लोग पहले से मिलीभगत कर एग्जाम में काम आने वाले सिस्टम में रिमोट सॉफ्टवेयर डाउनलोड कर देते थे।

एसओजी के एडीजी अशोक राठौड़ ने बताया कि जयपुर, बीकानेर, अजमेर, अलवर व कोटा सहित कई शहरों में नकल गिरोह सक्रिय था। एक टीम बनाकर कई लोगों को हिरासत में लिया गया है, जो आगे की पड़ताल कर रहे हैं। इसमें जिन सेंटर पर एग्जाम हो रहे थे, वहां के कर्मचारियों और अधिकारी भी संदिग्ध हैं। इन्हें भी हिरासत में लिया गया है। टीम अभी पूछताछ कर रही है।

पुलिस ने नकल करने वालों को हिरासत में लेते हुए कुछ कैश भी बरामद किया है। अलवर से करीब तीन लाख रुपए बरामद करने की सूचना है, जबकि बीकानेर से तीन लोगों से पूछताछ हुई है। किसी की गिरफ्तारी के बारे में अब तक नहीं बताया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि राजस्थान के कई जिलों में इस परीक्षा से जुड़ी धांधली सामने आ सकती है। प्रत्येक कैंडिडेट से छह लाख रुपए लिए गए थे। फिलहाल ये पता किया जा रहा है कि नकल कब से हो रही है और किस किस परीक्षा में किन कैंडिडेट को नकल करवाई गई है।

जल जीवन मिशन की हकीकत जानी

चूरू, (कासं)। चूरू जिले में चल रहे जल जीवन मिशन के कार्यों की ग्राम स्तर पर क्रियान्वित की प्रगति की जांच हेतु केंद्र सरकार की ओर से एक्सपर्ट टीम ने ग्राम स्तर पर गांव बरडादास रायपुरिया व धीरासर चारणान में भ्रमण कर सरपंच ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति और ग्रामीणों से रूबरू होकर ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे कार्य की वास्तविकता के बारे में जानकारी प्राप्त की अधीक्षण अभियंता रामदेव पारीक ने बताया कि टीम के एक्सपर्ट देवेंद्र सिंह बाजवा व एसपी सेठी ने टीम के द्वारा ग्राम कार्य योजना ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की नियमित बैठक बैंक खाता अंशदान जल गुणवत्ता की जांच तथा पेयजल सप्लाई के लिए किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया इस दौरान अधीक्षण अभियंता रामदेव पारीक अधिशासी अभियंता कैलाश चंद्र पूनिया अधिशासी अभियंता तारानगर रामनिवास रेगर अधिशासी अभियंता बनवारी लाल लखेसर सहायक अभियंता मेजर अली खान सहायक अभियंता दिक्षा कटारिया विकास कुमार एचआरडी कंसलटेंट राजू राम शर्मा प्रोजेक्ट मैनेजर दुर्गेश विनोद कुमारी वाणी संस्था के दुलीचंद जांगिड़ विक्रम सिंह आदि मौजूद रहे।

दस हजार रुपये की रिश्वत लेते हैड कांस्टेबल और दलाल ट्रेप

सवाईमाधोपुर व करौली एसीबी पुलिस ने की संयुक्त कार्रवाई

गंगापुर सिटी, (निसं)। पीलोदा थाने में हैड कानि जगदीश राजावत व उसके दलाल राजू लाल शर्मा को पुलिस ने 10॰ हजार रूपए की रिश्वत की राशि के साथ मौके से गिरफ्तार किया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पुलिस उपाधीक्षक अमर सिंह ने बताया कि एसीबी की सवाईमाधोपुर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत की गई कि उसके विरूद्ध दर्ज मुकदमे में मदद करने की एवज में अनुसंधान अधिकारी जगदीश हैड कानि पुलिस थाना पिलोदा जिला सवाईमाधोपुर व उसके दलाल राजू लाल शर्मा के माध्यम से 20॰ हजार रूपए रिश्वत राशि की मांग कर रहा है। जिस पर एसीबी सवाईमाधोपुर के एएसपी सुरेन्द्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया गया।

एएसपी के अवकाश पर होने की वजह से उच्चाधिकारियों के निर्देश पर करौली एसीबी इकाई के पुलिस उपाधीक्षक अमर सिंह एव उनकी टीम ने ट्रेप की कार्रवाही को अंजाम देते हुए जगदीश सिंह पुत्र समन्दर सिंह निवासी जाहिरा थाना बामनवास हालवासी हैड कानि थाना पिलोदा व उसके दलाल राजू लाल शर्मा पुत्र रामगोपाल निवासी सैवाला थाना पीलोदा के माध्यम से परिवादी से 10॰ हजार रूपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

- परिवादी से मुकदमे में राहत देने के नाम पर मांग रहा था 20 हजार की रिश्वत

परिवादी मोहन लाल ने 26 अगस्त को एक लिखित रिपोर्ट पेश की कि मेरे व मेरे परिजन के खिलाफ पुलिस थाना पीलोदा पर मुकदमा दर्ज हुआ जिसमें जगदीश सिंह हड कानि॰मदन करने की एवज में 20॰ हजार रूपए की मांग कर रहे है तथा मेरे पिताजी पर दबाब बना रहे हैं। एसीबी सवाईमधोपुर द्वारा रिश्वत मांगने का सत्यापन करवाया गया तो आरोपी जगदीश सिंह ने आरोपी दलाल के घर पहुंच परिवादी के माता पिता से 20॰ हजार रूपये की मांग की एवं परिवादी के पिता के निवेदन पर दो तीन हजार रूपए कम कर दिए। परिवादी के पिता की तबीयत खराब होने के कारण परिवादी को गांव में ही छोडा।

परिवादीगण से आरोपी दलाल राजू लाल शर्मा प्राईवेट व्यक्ति ने रिश्वत मांग सत्यापन के पश्चात शाम को घर जाकर 5 हजार रूपये ले लिए तथा 10॰ हजार रूपये 27 अगस्त शनिवार को शाम तक देने के लिए कहा, मामला रिश्वत राशि पाया जाने के कारण शनिवार को रात हो जाने पर रविवार को स्वतंत्र गवाहन की उपस्थिति में ट्रेप कार्यवाही की गई जिसमें आरोपी दलाल राजू लाल शर्मा ने परिवादीगण को अपने घर गांव सेवाला में बुलाकर आरोपी जगदीश सिंह हैड कानि॰ के लिए 10॰ हजार रूपए की रिश्वत राशि ली।

राशि लेते हुए रंगो हाथो पकडे जाने पर दलाल ने उक्त राशि जगदीश हैड साहव के लिए लेना बताया। एसीबी टीम ने दलाल के द्वारा आरोपी हैड कानि॰ के मोबाइल पर कॉल करवाया तो हैड कानि॰ ने आरोपी दलाल को गंगापुर सिटी बुलाया जिस पर मय ट्रेप पार्टी व परिवादी मय दलाल एवं स्वतंत्र गवाहन द्वारा आरोपी दलाल से रिश्वत राशि 10॰ हजार रूपए प्राप्त कर आरोपी हैड कानि॰ को मोटर साईकिल से जाते हुए को रोककर पकडा एवं सरकारी वाहन में बिठाकर थाना पीलौदा ला कर हाथ धुलाई की व रिश्वत राशि बरामद की।

क्या युवाओं की ओर से दिए गए संकेत विधानसभा चुनाव का आईना साबित होंगे?

क्योंकि राजस्थान की कांग्रेस सरकार युवाओं के मूल मुद्दों पर आंखें मूंदे रही है?

- ऐसे में युवाओं में सुलग रही बगावत की चिंगारी एनएसयूआई के लिए भारी पड़ी, जो बड़े खतरे का संकेत है
- बेरोजगारी भत्ते में बेरियर, प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधलियां, ओबीसी आरक्षण पर उदासीनता, एमबीसी भर्तियों की समस्या दूर नहीं कर पाई सरकार
- आनन-फानन में बनाए गए अग्रिम संगठनों के अध्यक्षों की नेतृत्व क्षमता पर भी बड़ा सवाल खड़ा हुआ है

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान के छात्रसंघ चुनाव में कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई की करारी हार और पूरे प्रदेश में सूपड़ा साफ होने के पीछे कहा जा रहा है कि टिकट वितरण सही नहीं होना और बड़ी संख्या में बागियों का मैदान में आना हार का कारण रहा है। दूसरी ओर युवाओं में आखिरकार कांग्रेस के छात्र संगठन को नकारने के पीछे सबसे बड़ा कारण क्या रहा, इस बात पर जब चर्चा की गई तो निकल कर आया कि युवाओं से जुड़े कुछ मूल मुद्दे ऐसे थे, जिन पर सरकार ने आंखें मूंद ली और इसका असर धीरे-धीरे युवाओं पर यह गया कि सरकार उनकी सुनवाई नहीं करना चाहती। यही कारण रहा कि छात्र संघ चुनाव में लगभग पूरे राजस्थान और हर क्षेत्र में एनएसयूआई के लिए परिणाम नकारात्मक रहे।

छात्रसंघ चुनाव परिणामों के विश्लेषण में एक बात बहुत स्पष्ट निकल कर आई। वह यह रही कि राजस्थान में सरकार की ओर से बेरोजगारी भत्ते में बेरियर लगाना, प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार धांधली होना, ओबीसी आरक्षण पर सरकार की उदासीनता, एमबीसी की प्रक्रियाधीन भर्तियों में नियुक्ति सही समय पर नहीं होना, जैसे कुछ ऐसे मुद्दे थे, जो साइलेंटली युवाओं के अंदर घर कर गए थे। ऐसा नहीं है कि इन मुद्दों से सरकार अनभिज्ञ थी। राजस्थान में अलग-अलग क्षेत्रों में लगातार बेरोजगारों के आंदोलन हो रहे थे। ओबीसी आरक्षण को लेकर कांग्रेस के विधायक ही सड़कों पर उतरे हुए थे। एमबीसी की भर्तियों को लेकर लगातार एमबीसी की जातियों के नेता आवाज उठा रहे थे, लेकिन सरकार की ओर से ना तो संतुष्टिपूर्वक जवाब दिए गए, ना समस्याओं को हल किया गया। ऐसे में लगातार यह मूल मुद्दे छात्रों में असर करते गए।

इसके अलावा कांग्रेस में संगठन स्तर पर प्रदेश कांग्रेस से लेकर तमाम अग्रिम संगठनों की स्थिति बेहद कमजोर थी। सरकार में इनकी सुनवाई नहीं के बराबर हो रही थी। 2020 में जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और तत्कालीन उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के ग्रुपों के बीच तनातनी हुई और लंबे समय तक बाड़ाबंदी हुई। उसके बाद आनन-फानन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से लेकर अग्रिम संगठनों के तीन अध्यक्ष बदल दिए गए। इनमें से ना तो सेवादल के अध्यक्ष हेमसिंह शेखावत कहीं असरकारक नजर आए। ना यूथ कांग्रेस के गणेश घोघरा का असर दिखा। एनएसयूआई के अध्यक्ष अभिषेक चौधरी भी लगातार विवादों में घिरे रहे। ऐसे में अग्रिम संगठनों के अध्यक्ष ना तो संगठन स्तर पर मजबूत हो पाए, ना कहीं इनका असर नजर आया। हालांकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अलग-अलग मंचों पर इन अध्यक्षों की बड़ाई जरूर करते रहे। अब जब एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद अभिषेक चौधरी के नेतृत्व में एनएसयूआई ने पहली बार छात्र संघ चुनाव में आज तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन किया है, वह सबके सामने है। इसी से समझा जा सकता है कि अभिषेक चौधरी संगठन स्तर पर बेहद कमजोर नेतृत्वकर्ता साबित हुए यह। यह स्थिति तो तब है जब हर मौके पर युवक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान में खेल मंत्री अशोक चांदना उनकी मदद करते रहे हैं। दूसरी ओर संगठन स्तर पर लगातार काम करने वाले एनएसयूआई के सक्रिय छात्र नेता अभिषेक चौधरी को कभी स्वीकार ही नहीं कर पाए और उन्हें हमेशा एक थोपा हुआ अध्यक्ष ही माना।

अब इस करारी हार के बाद कांग्रेस में ही बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जिस छात्र संगठन के जरिए कांग्रेस में नेता तैयार किए जाते हैं, वह संगठन जर्जर हो तो क्या आगे चलकर कांग्रेस उससे उम्मीद कर सकती है। यहां चर्चा इस बात की भी है कि क्या युवाओं में कांग्रेस के छात्र संगठन के प्रति नकारात्मक रवैया देखने के बाद कांग्रेस की सरकार उन मूल मुद्दों पर फोकस करेगी, जो कि राजस्थान के युवाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण बने हुए हैं। हालांकि अब चुनावी वर्ष में इन मुद्दों को लेकर सरकार कोई फैसला लेगी, तब भी माना यही जाएगा कि यह सिर्फ चुनावी रेवड़ी है क्योंकि अंतिम वर्ष में लिए गए फैसले कभी धरातल पर नहीं उतर पाते हैं। ऐसे में राजस्थान के छात्रसंघ चुनाव के इन परिणामों ने राजस्थान की कांग्रेस सरकार के लिए बड़े खतरे के संकेत दे दिए हैं। अब देखना यह है कि इन बड़े खतरों से क्या कांग्रेस निपट पाएगी या युवाओं में की ओर से दिए गए संकेत विधानसभा चुनाव का आईना साबित होंगे।

हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा ने एक हजार से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया

जयपुर। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के तत्वाधान में रविवार को ओटीएस चौराहे स्थित ब्राह्मण छात्रावास में सामूहिक गोठ एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरदीचंद शर्मा बंबाला ने की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे समेत विशिष्ट अतिथियों में राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, राजस्थान महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, वर्तमान कांग्रेस सरकार में समाज कल्याण विभाग की अध्यक्ष अर्चना शर्मा, जमवारामगढ़ विधायक गोपाल मीणा, बांदीकुई विधायक गजराज खटाना रहे। महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री सीताराम आलियाबाद एवं कोषाध्यक्ष शंभू कोई वाला ने बताया कि समारोह में देश भर से कक्षा 10 एवं 12वीं में 80 परसेट से अधिक अंक लाने वाले मेधावी प्रतिभाओं के साथ ही राजकीय सेवाओं में चयनित प्रतिभाओं का महासभा की ओर से शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का माला पहनाकर राजस्थानी अंदाज में सोफा एवं शॉल के साथ शील्ड देते हुए उनका स्वागत किया गया। इसके साथ ही समारोह में समाज के आरएएस, आईएएस,पत्रकारों समेत अन्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुन्धरा राजे ने कहा कि प्रदेश अराजकता के दौर से गुजर रहा है। यहाँ न कोई सुनने वाला,न कोई देखने वाला और न कोई जनता की पीड़ा को समझने वाला हैं। जिस प्रदेश को हम विकास की राह पर लाए थे,न उसे अब कोई तरक़्क़ी की राह पर ले जाने वाला हैं। सत्ता में बैठे लोग कुर्सी की चिंता में जनता की चिंता भूल गये। वहीं अध्यक्षता कर रहे महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधीचंद बंबाला ने कहा कि समाज निरंतर प्रगति की ओर आगे बढ़ रहा है। शिक्षा के साथ ही अन्य सभी क्षेत्रों में समाज को आगे बढ़ाने के लिए पुरजोर कोशिश की जाएगी और राजनीतिक क्षेत्र में भी समाज को आगे बढ़ाने के लिए सभी पार्टियों के समक्ष पुरजोर तरीके से आवाज उठाई जाएगी।

ग्यारह प्रतिभाओं को मिला समाज रत्न सम्मान

राजस्थान ज़न मंच पक्षी चिकित्सालय की ओर से राजस्थान चेंबर ऑफ कॉमर्स भवन में राज्य स्तरीय समाज रत्न सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज सेवा और अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य करने के लिए 11 प्रतिभाओं को समाज रत्न अलंकरण से सम्मानित किया गया।

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान ज़न मंच पक्षी चिकित्सालय की ओर से राजस्थान चेंबर ऑफ कॉमर्स भवन में राज्य स्तरीय समाज रत्न सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज सेवा और अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य करने के लिए 11 प्रतिभाओं को समाज रत्न अलंकरण से सम्मानित किया गया। संस्था महासचिव कमल लोचन एवं अध्यक्ष भगवान गट्टानी के अनुसार इस 23वें सम्मान समारोह में चिकित्सा के लिए डॉ. अमित कुमार सिंघल तथा डॉ राकेश केड़ावत ,समाज सेवा के लिए चंद्र प्रकाश राणा, वंशावली लेखन के लिए चेतन स्वरूप गोस्वामी ,कला के क्षेत्र में छवी शर्मा, शिक्षा के क्षेत्र में जगतार सिंह ,समाज सेवा के लिए लालचंद आर्य ,गौ सेवा के लिए श्याम लाल चौबीसा, साहित्य के क्षेत्र में शिवराज कुर्मी, कैंसर उन्मूलन के लिए सुभाष मोटवानी ,वैदिक प्रचार के लिए सुमन वाला सक्सेना, पर्यावरण संरक्षण के लिए सुरेश चंद्र विजयवर्गीय, एनिमल वेलफेयर के लिए वीरेंद्र शर्मा तथा समाज सेवी संस्था के रूप में कैरिंग हैंड्स बाय पिंक को समाज रत्न सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष राजस्थान से 98 प्रविष्टियां सम्मान हेतु प्राप्त हुई थी। समारोह अध्यक्ष भगवान गट्टानी, मुख्य अतिथि चंचल मन चौरर्डिया, विशिष्ट अतिथि ,आर के अग्रवाल एवं श्याम विजय के साथ महेंद्र कुमार पाटनी एवं रमेश गंगवाल ने सम्मान पत्र तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर एवं माला पहनाकर समाजसेवियों का अभिनंदन किया। सचिव बी.एल. विजय ने बताया इस अवसर पर 11 पक्षी सहायता कार्यकर्ताओं को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। मंच संचालन कमल लोचन तथा धन्यवाद ज्ञापित रवि खत्री ने किया।

अभी पशु चिकित्सा अधिकारी का बड़ा अभाव है : डॉ.पूनिया

लंपी संक्रमण की रोकथाम के लिये भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने सुझाव दिये

- 'राज्य सरकार लंपी की रोकथाम के लिए अपने प्रयास कर रही है, इसके लिए सामाजिक जनजागरण की भी आवश्यकता है, उपचार के विकल्पों पर भी काम करने की जरूरत है'

जयपुर। डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि प्रदेशभर के पशुओं में फैल रहा लंपी संक्रमण हमारे लिये चिंताजनक है, क्योंकि प्रदेश में सर्वाधिक पशुपालक हैं, राज्य सरकार अपने प्रयास कर रही है लेकिन चुनौती करोना जैसी है और इसलिए वैक्सीनेशन का और मौत का जो आंकड़ा है, उस फर्क को ठीक करने की जरूरत है। दूसरा अभी पशुधन सहायक और चिकित्सा अधिकारी इनका बड़ा अभाव है, मंत्री ने कहा जरूर है, मुझे लगता है कि उसमें तेजी लाने की जरूरत है, उनको जल्दी से जल्दी डेप्यूट कर दिया जाए।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस में प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि संक्रमण केवल गायों में ही नहीं, धीरे-धीरे दूसरों पशुओं में जा रहा है। इसलिए जो मृत पशु हैं, उसके डिस्पोजल का क्या तरीका हो सकता है, क्योंकि उससे और ज्यादा इंफेक्शन फैलने की ज्यादा संभावना है। पशु मेले होते थे, भविष्य में पशु मेलों का रोडमैप क्या होगा, क्योंकि उसकी सार्थकता है उसका विकल्प क्या है, उस पर विचार करना चाहिए। लंपी की रोकथाम के लिये वैक्सीनेशन में तेजी लाने की आवश्यकता है, पशुपालन विभाग में लंबित भर्तियों को पूरा करना, किसान और जो पशुपालक हैं उनके नुकसान और मुआवजे की भरपाई कैसे की जाए, इस पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। एक जो सेस का पैसा गौशालाओं के अनुदान के लिए आता है, उसका लगभग 3100 करोड़ में से लगभग 2100 करोड़ खर्चा हुआ है, इसमें जो शेष है, उसका कैसे उपयोग किया जाए, इस पर विचार करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लंपी की रोकथाम के लिए अपने प्रयास कर रही है, इसके लिए सामाजिक जनजागरण की भी आवश्यकता है, उपचार के विकल्पों पर भी काम करने की जरूरत है। एक अभी ग्रामीण ओलंपिक्स की बात चल रही थी तो मुझे एक रिप्रेजेंटेशन मिला जिसमें 25 सितंबर को पीटीआई की भर्ती है, उस दौरान राजस्थान में ग्रामीण ओलंपिक्स भी हैं और राष्ट्रीय खेल भी हैं गुजरात में, यह आपस में ओवरलैप कर रहे हैं, इस बारे में पीटीआई की परीक्षा देने वाले बेरोजगार युवाओं ने एक रिप्रेजेंटेशन सरकार को भी दिया है, इस पर राज्य सरकार को विचार करना चाहिए। जो मंत्री ने बाढ़ और आपदा राहत के लिए कहा है, मुझे लगता है कि राज्य सरकार को डिजास्टर मैनेजमेंट, आपदा प्रबंधन है उसको और ज्यादा बूस्ट करने की आवश्यकता है।

पशुपालन मंत्री पर कई सवाल उठाए रघु शर्मा ने

इससे पहले भी कई मंत्रियों और सरकार के कामकाज पर सवाल उठा चुके रघु शर्मा

- 'लंपी वायरस को लेकर गायों में फैल रही बीमारी और गायों की मौत के मामले को लेकर रघु शर्मा ने कहा कि मेरे विधानसभा क्षेत्र केकड़ी से वेटरनरी स्टाफ को जोधपुर जिले में डेपुटेशन पर भेज दिया गया'

जयपुर, (का.प्र.)। चिकित्सा मंत्री पद से हटने के बाद गुजरात के प्रभारी बने डॉ रघु शर्मा लगातार सरकार और कई मंत्रियों पर आक्रमक रवैया अपनाते रहे हैं। राजस्थान में पशुधन में फैल रहे लंबी वायरस के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हो रही थी, उस दौरान भी रघु शर्मा ने राज्य के पशुपालन मंत्री को निशाने पर लिया और सरकार को भी चेतावनी दे डाली।

जब रघु शर्मा का दर्द छलका उस समय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में हो रही वीसी में रविवार को प्रदेश के सभी नेता और पंचायतीराज प्रतिनिधि जुड़े थे। इस दौरान पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया को रघु शर्मा ने घेरा और सवाल उठा दिए। रघु शर्मा ने सिर्फ पशपालन मंत्री लालचंद कटारिया को ही नहीं घेरा बल्कि उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भी सवाल उठा दिए।

लंपी वायरस को लेकर गायों में फैल रही बीमारी और गायों की मौत के मामले को लेकर रघु शर्मा ने कहा कि मेरे विधानसभा क्षेत्र केकड़ी से वेटरनरी स्टाफ को जोधपुर जिले में डेपुटेशन पर भेज दिया गया। मेरे इलाके में गायें मर रही थीं और आपने स्टाफ जोधपुर भेजा। इससे सरकार और मुख्यमंत्री दोनों का बहुत खराब मैसेज गया है। रघु शर्मा ने मुख्यमंत्री गहलोत की मौजूदगी में वीसी में पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया पर उनके क्षेत्र से वेटरनरी स्टाफ को जोधपुर भेजने पर नाराजगी जताते हुए कई सवाल दाग दिए। मुख्यमंत्री के सामने ही करीब दो मिनट तक रघु शर्मा और लालचंद कटारिया के बीच सवाल जवाब होते रहे, लेकिन दोनों के बीच बोले कुछ भी नहीं।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल नवंबर में मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद रघु शर्मा गुजरात के प्रभारी बनाए गए थे। उसके बाद से कई मौकों पर वे सरकार के कई मंत्रियों से उनके काम नहीं करने और उनके निर्वाचन क्षेत्र केकड़ी में बिना उनकी सहमति के ट्रांसफर-पोस्टिंग करने पर नाराजगी जता चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्री परसादीलाल मीणा से भी वे नाराजगी जता चुके हैं। रविवार को लालचंद कटारिया और मुख्यमंत्री को लेकर भी नाराजगी जता दी।

प्रो.संजीव शर्मा को आयुर्वेद शिरोमणि अवार्ड

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, मानद वि.वि. जयपुर में 26 एवं 27 अगस्त को संस्थान एवं विश्व आयुर्वेद परिषद के संयुक्त उपक्रम से अग्निकर्म एवम जीवनशैली जन्य विकारो पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाल का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला के दूसरे दिन 27 अगस्त को विश्व आयुर्वेद परिषद द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा, शिक्षा एवं शोध में अपने महत्वपूर्ण योगदान हेतु प्रो संजीव शर्मा, कुलपति राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान को आयुर्वेद शिरोमणि अवार्ड से सम्मानित किया गया।

गुरू ग्रंथ साहिब का प्रकाश पर्व मनाया

जयपुर, (का.सं.)। सिक्ख धर्म के पांचवें गुरू, गुरू अरजन देव ने गुरु ग्रंथ साहिब का संपादन किया था। सन् 1604 में आज ही के दिन गुरु ग्रंथ साहिब का पहला प्रकाश हरमंदिर साहिब में हुआ। बाबा बुढा के द्वारा गुरू ग्रंथ साहिब का प्रकाश किया गया। सिक्ख धर्म के 10वें गुरु, गुरु गोविंद सिंह के हुकुम अनुसार गुरु ग्रंथ साहिब को गुरु का स्थान दिया गया। सिक्ख लोग किसी भी अन्य गुरू के आगे सिर नहीं झुकाते। गुरु ग्रंथ साहिब की विशेषता है कि इसमें सिक्ख धर्म के प्रथम पांच गुरुओं एवं नवें गुरु और 15 भगतों की बाणीयां शामिल हैं।

28 अगस्त को गुरु ग्रंथ साहिब का प्रकाश पुरब सभी गुरुद्वारों में श्रद्धा व प्रेम से मनाया गया। सुखमनी सेवा सोसायटी बनी पार्क के सदस्यों ने इसके तहत सहज पाठ किए तथा अन्य संगत के साथ मिलकर 2000 माला मूल-मंत्र जाप किये। आज प्रकाश पुरब के दिन सभी की तरफ से सरबत के भले की अरदास की गई।

दीपक कुमार व्यास अध्यक्ष मनोनीत

जयपुर, (का.सं.)। समाज के प्रति सेवा भावना को देखते हुए दीपक कुमार व्यास को परशुराम सेना का मालवीय नगर का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक दाधीच, प्रदेशाध्यक्ष मीत गौतम एवं प्रदेश प्रभारी विनोद शर्मा की सहमति से नियुक्ति दी गई है।

रामदेवरा मेले के लिये यात्री वाहनों को टैक्स में छूट

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार द्वारा जैसलमेर जिले के रामदेवरा तीर्थ के वार्षिक मेले में अन्य राज्यों से आने वाले यात्री वाहनों को टैक्स में छूट देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वित्त विभाग के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। राज्य सरकार के निर्णय अनुसार मोटर वाहन कर एवं विशेष पथ कर में यह छूट मेला अवधि 29 अगस्त, से 10 सितंबर, (कुल 13 दिन) तक रहेगी। उल्लेखनीय है कि मेले में आने वाले यात्री वाहनों से 10 दिवस की अवधि के लिए देय कर लगभग 17,000 रूपए प्रति वाहन होता है। अब गहलोत की स्वीकृति के बाद यात्री वाहन संचालकों से मात्र 6500 रूपए ही लिए जाएंगे। गौरतलब है कि रामदेवरा वार्षिक मेले में अन्य राज्यों से लगभग 1500 वाहनों में प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

नाटक अंत 'हाजिर हो' में दिखाया महिलाओं का उत्पीड़न

जयपुर। रवीन्द्र मंच के मुख्य सभागार में रविवार को यूनिवर्सल थियेटर एकेडमी की ओर से नाटक अंत हाज़िर हो खेला गया। डॉ. मीराकांत लिखित एवं केशव गुप्ता निर्देशित इस नाटक प्रदर्शन केवल प्रेस शो के रूप में किया गया। नाटक में महिलाओं और बच्चे-बच्चियों पर हो रहे अत्याचार एवं यौन शोषण को बडे ही मार्मिक ढंग से दिखाया गया। नाटक में कलाकारों के उत्कृष्ट अभिनय, खूबसूरत दृश्यबंध एवं प्रकाश डिजाइन ने महिलाओं और बच्चे-बच्चियों के प्रति समाज में बढती विकृत मानसिकता को संजीदा रूप में प्रस्तुत किया। नाटक के पार्श्व संगीत ने किरदारों और कहानी के मूड को बनाए रखा। नाटक घर और समाज में हो रहे अनजाने शोषण और महिलाओं की स्थिति की बात करता है। घरों में बाप, मामा, फूफा, चाचा, ताऊ, भाई की ओर से बच्चियों और महिलाओं से हो रहे शारीरिक शोषण की बढती मानसिकता पर गहरे सवाल उठाता है। इस घरेलू हिंसा का महिलाएं सकुचाहट के कारण विरोध नही कर पाती हैं जिसका अंत होता है मौत। नाटक की कहानी कुछ ऐसे ही अनछुए पहलुओं को लेकर आगे बढती है। समाज मे दबी छिपी इन कुरूप सच्चाइयों और विकृत मानसिकता को उधेडने का काम करती है। नाट्यय पार्श्व में वॉइस ओवर अर्जुन देव, प्रकाश व्यवस्था एवं रूपसज्जा केशव गुप्ता, वस्त्र सज्जा-रिया एवं ऋचा, पार्श्व संगीत-माधव शर्मा, मंच सज्जा धर्मेन्द्र भारती का रहा।

सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर शहर ने किया वृक्षारोपण

सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर शहर द्वारा आज खातीपुरा स्थित महाराणा प्रताप नगर में पीपल, बरगद, नीम, बिलपत्र सहित 211 पेड पौधे लगाये है।

जयपुर। सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर शहर द्वारा आज खातीपुरा स्थित महाराणा प्रताप नगर में पीपल, बरगद, नीम, बिलपत्र सहित 211 पेड पौधे लगाये है।

जयपुर शहर अध्यक्ष अनिल सारस्वत ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विद्वान पंडितों द्वारा विधि विधान से सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं.सुरेश मिश्रा, प्रमुख ज्योतिषाचार्य पं. मुकेश भारद्वाज, विप्र कल्याण बोर्ड की उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष सविता शर्मा, जयपुर युवा संभाग अध्यक्ष दिनेश शर्मा, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश शर्मा सहित सभी पदाधिकारियों ने पेड-पौधे लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत की है।

सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर टीम प्रत्येक वर्ष लगातार पेड़-पौधे का कार्यक्रम करती आ रही है साथ ही पेड-पौधे का मानव जीवन में बडा ही महत्व है।

ये हमें न सिर्फ ऑक्सीजन देते हैं, बल्कि तमाम प्रकार के फल, फूल, जडी, बूटियाँ, और लडकियां आदि भी देते है। घर के आसपास पौधरोपण करने से गर्मी, भू क्षरण, धूल आदि की समस्या से बचाते है। मिश्रा ने सभी पदाधिकारियों से पौधारोपण करने का आव्हान किया है साथ ही कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए जरूरी है कि प्रत्येक व्यक्ति पौधारोपण करें। जब भी हो सके अपनी सुविधानुसार एक पेड़ जरूर लगाएं, यह समाज के लिए आपकी व्यक्तिगत भागीदारी होगी की एक पौधा एक जिंदगी। इस अवसर पर पार्षद गणेश सिंह, डीटीओ भवानी सिंह, पं. गणेश महाराज, पं. ओंकार शर्मा, जयपुर शहर महामंत्री मनोज मिश्र, उपाध्यक्ष विजय भास्कर, मनमोहन कौशिक, राकेश कौशिक, राजेश शांडिल्य, सतबीर भारद्वाज, पंकज सोडाला, हरीश मिश्रा, सूर्य शर्मा, उमाशंकर शर्मा, अशोक शर्मा, शयनोजमिश्रा, मनोज शर्मा, विक्रम सिंह राठौड, पं. रामचरण शर्मा, श्याम शास्त्री, कैलाश गुरूजी, कैलाश विधानसभा, नीरज शर्मा, पवन गोद, मयंक शर्मा, राहुल पंडित, नरेश आत्रेय सहित सभी लोग उपस्थित थे।

'लम्पी स्किन डिजीज को राष्ट्रीय आपदा घोषित करे केन्द्र'

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के जनप्रतिनिधि, पशुपालक, गौशाला संचालक, अधिकारी व आमजन से संवाद किया। इसमें लम्पी स्किन डिजीज से गौवंश को बचाने के लिए जिलों में जागरूकता अभियान, रोग की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों, पशुपालकों द्वारा पशुओं के उपचार में अपनाई जा रही पद्धति के बारे में चर्चा की गई। साथ ही, प्रदेश में अतिवृष्टि से हुए नुकसान और प्रभावितों के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक में 29 अगस्त से प्रदेश में आयोजित हो रहे राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेल की तैयारियों और सफल आयोजन को लेकर भी सुझावों का आदान-प्रदान हुआ। गहलोत ने सभी से लम्पी डिजीज के नियंत्रण एवं रोकथाम व बाढ़ राहत कार्य में राज्य सरकार का सहयोग करने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लम्पी स्किन डिजीज को राष्ट्रीय आपदा घोषित कराने के लिए केन्द्र सरकार को पत्र लिखा गया है।

महिला कामगारों को कपड़े के थैले बाँटे

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर को नुक़सानदेह प्लास्टिक से मुक्त करने के अभियान के तहत अभिलाषा वूमेन वेलफेयर सोसाइटी ने यहाँ मानसरोवर विस्तार में वन्दे मातरम मार्ग स्थित माँग्यवास गांव में महिला कामगारों को कपड़े के थैलों का नि:शुल्क वितरण किया। सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ. रमा माथुर, उपाध्यक्ष डॉ. विजयलक्ष्मी, सचिव कल्पना माथुर, सांस्कृतिक सचिव जया कल्ला, कोषाध्यक्ष रेणु कुमावत और अन्य सदस्यों ने गाँव के कामगारों को कपड़े के थैलों का वितरण किया।

इस अवसर पर एडवोकेट रिमझिम माथुर ने कामगारों को प्लास्टिक से होने वाले नुक़सान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सोसाइटी की ओर से महिला कामगारों को खाने के पैकट भी दिए गये।

सार-समाचार

एनएसयूआई ने विजयी जुलूस निकाला

भीम, (निसं)। भीम विधायक सुदर्शनसिंह रावत रविवार को विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर थे इस दौरान उन्होंने हाल ही में आए छात्रसंघ चुनाव में सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय भीम के अध्यक्ष पद पर एनएसयूआई प्रत्याशी अभिषेकसिंह चौहान के विजय होने पर आयोजित विजय जुलूस में शिरकत की जो कि भीम के मुख्य बाजार से धूमधाम से निकाला गया। इस दौरान उन्होंने अभिषेकसिंह चौहान को मिठाई व माला पहनाकर विजय होने की शुभकामनाएं प्रेषित की । इस दौरान विधायक रावत ने सम्बोधित करते हुए समस्त कार्यकर्ता, युवा साथियों एवं एनएसयूआई टीम का आभार व धन्यवाद व्यक्त किया जिन्होंने अपना पूरा अहम योगदान देते हुए एनएसयूआई से अध्यक्ष पद के प्रत्याशी को विजय बनाने में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग दिया । साथ ही उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में कोई कमी किसी रूप में नही आएगा। हाल ही में मुख्यमंत्री व तकनीकी शिक्षा मंत्री द्वारा भी कई सौगातें भीम को मिली। आगे भी जो भी जरूरत इस कॉलेज में शिक्षा से सम्बंधित होगी उसे निश्चित तौर में पूर्ण करने का प्रयास करूंगा।

लापता युवक का कुएं में मिला शव

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के सीमलवाडा कस्बे से छ: दिन से लापता युवक का शव कुएं में मिलने के मामले में समाज के लोगों ने हत्या की आशंका जताई है। मामले को लेकर ग्रामीणों ने डूंगरपुर पहुंचकर एसपी और कले टर को ज्ञापन सौंपा और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। सीमलवाडा में पिछले छ: दिन से लापता अरविंद रावल की मौत के मामले में नाथ रावल समाज के सैकडों लोग एसपी और कले ट्रेट कार्यालय पहुंचे। समाज के लोगों ने बताया कि 21 अगस्त को रोजाना की तरह अरविन्द रावल काम से लौटकर अपने घर पहुंचा था। उसने अपना मोबाइल चार्ज पर लगाया और परिजनों से आधे घंटे में वापस आने की बात कहकर घर से निकल गया। जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। वहीं 6 दिन बाद युवक का शव घर से कुछ दूरी पर एक कुएं में पडा हुआ मिला था।ग्रामीणों ने बताया कि मृतक युवक के सिर के आधे बाल भी कटे हुए मिले।

युवाओं ने किया अभ्यास शुरू

डूंगरपुर, (निसं)। झोथरी ब्लॉक के भीलवा पंचेला ग्राम पंचायत में राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक की तैयारी को लेकर नेहरू युवा केंद्र डूंगरपुर द्वारा बनाए गए युवा मंडल स्वतंत्रता सेनानी सेगा भाई रोत युवा मंडल के अध्यक्ष व सदस्यों ने मिलकर राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक की तैयारी की। राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक चंदूलाल कटारा ने बताया कि राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय भागेला फला में युवाओं ने किया जिसमें राज्य सरकार द्वारा आयोजित राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक भाग लेने हेतु युवाओं ने जोश के साथ तैयारी कर रहे हैं। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में भी प्रथम बार आयोजित होने वाले ग्रामीण ओलंपिक युवा एवं ग्रामीण उत्साह एवं जोश के साथ शिरकत कर रहे है।

मेले को लेकर तैयारियां शुरू

भीम, (निसं)। कस्बे के पाटिया स्थित लोक देवता वीर तेजाजी महाराज मेले को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। सरपंच यशोदा कवंर, पूर्व सरपंच अमरसिंह ग्राम विकास अधिकारी महेंद्र कुमार भांवरिया, धीरसिंह मीणा आज दिन शुक्रवार को मेला ठाउंड में व्यवस्थाओं को लेकर निरीक्षण किया। ठाम विकास अधिकारी महेंद्र कुमार भांवरिया ने बताया कि वीर तेजाजी महाराज मेला जागरण 31 अगस्त को रात्रि में विशाल भजन संध्या एवं रात्रि जागरण तथा 1 सितंबर को मेले का आयोजन किया जाएगा। पूर्व सरपंच अमर सिंह ने बताया कि मेले का उद्घाटन 29 अगस्त शाम को सुदर्शनसिंह रावत के सानिध्य में किया जाएगा।

पर्सनलिटी डेवलपमेंट एवं क्षमता वर्धन पर प्रशिक्षण

उदयपुर, (कासं)। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रोध्योगिकी विश्वविद्यालय के संगठक मात्स्यकी महाविद्यालय मे इंटरव्यू स्किल्स, पर्सनलिटी डेवलॉपमेंट् एवं क्षमता वर्धन पर 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ रविवार को हुआ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ बी के शर्मा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विधार्थियों को अच्छे प्लेसमेंट मे उनके समग्र व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण स्थान है । उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण से विधार्थियों को अपनी प्रतिभा निर्माण और अच्छा रोजगार प्राप्त करने मे मदद मिलेगी ।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कॉरपोरेट ट्रेनर डॉ दीपक इस्सर ने बताया कि विधार्थियों को पढाई के साथ साथ अच्छा रोजगार, अच्छी सैलेरी और जीवन मे सफलता हासिल करने के लिये अपनी पर्सनलिटी कॉन्फिडेंस लेवल, नेतृत्व विकास, संचार कौशल, उत्पादकता मे सुधार, जीवन मे अपनी पूरी क्षमता से कार्य करने, आत्म विश्लेषण इत्यादि अनेक गुण विकसित करने होंग।

सर्पदंश से दो किसानों की मौत

उदयपुर, (कासं)। जिले के सेमारी थाना क्षेत्र में सर्पदंश से दो अलग-अलग किसानों की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस के अनुसार हेमा पुत्र कुरा मीणा निवासी चनदोडा सेमारी खेत पर घास काट रहा था। इस दौरान सांप के काटने से उसकी मौत हो गई। इसी तरह नानजी पुत्र डूंगरी पटेल निवासी बडावली सेमारी खेत पर नील गायों से रखवाली कर रहा था। इस दौरान सांप काटने से उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

चोरी के माल के दो खरीददार सर्राफा व्यापारी गिरफ्तार

देवगढ़, (निसं)। देवगढ थाना क्षेत्र के ग्राम लसानी से सूने मकान में नकबजनी के आरोप में पूर्व में गिरफ्तार हुए 6 आरोपियों द्वारा देवगढ के बाजार में बेचे गए जेवरात खरीदने के आरोप में दो सर्राफा व्यापारियों को गिरफ्तार किया है।

देवगढ थाना अधिकारी शैतान सिंह नाथावत ने बताया कि 15 अगस्त को प्रार्थी सुरेश प्रजापत पिता केलाश जी प्रजापत निवासी लसानी द्वारा देवगढ थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गयी थी उक्त मामले में जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी एवं व्रता अधिकारी व्रत भीम राजेंद्र सिंह राठौड के निर्देशन में देवगढ थाना अधिकारी शैतान सिंह नाथावत के नेतृत्व में इस प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एक पुलिस टीम का गठन किया गया।जिसमें पूर्व में गिरफ्तार हुए 6 आरोपियों से पुलिस रिमांड में पूछताछ की गई तो चोरी किए गए जेवरात देवगढ के व्यापारियों को बेचना स्वीकार किया। प्रार्थी सुरेश प्रजापत पिता कैलाश प्रजापत निवासी लसानी पीडित ने बताया कि घर से अलमारी में रखे सोने के तीन बाजुबन्द वजनी 120 ठाम सोने का नेकलेस वजनी ढाई तोला, ने की मरकिया वजनी एक तोला, सोने की अंगुठी वजनी एक तोला सोने का बोर वजनी 5 तोला सोने की चुडिया वजनी एक तोला सोने की बालिया वजनी आधा तोला, सोने की दो चैन वजनी दो तोला, मादलिया 3 व 6 मोती सोने के वजनी कुल 1 तोला, एक मंगल सूत्र का सोने का पेंडल वजनी आधा तोला सोने के लुंग कान के दो जोड़ी वजनी 4 ग्राम ,चांदी का कन्दौरा वजनी आधा किलो दो जोडी पाईजेब चांदी के वजनी 400 ठाामएक जोडी सेलकडा चांदी का वजनी 300 ग्राम दो जोड़ी बच्चा का पाइजेब 110 ठााम वजनीचांदी के दो चांदी के सिक्का जो सभी जेवर अलमारी के अन्दर रखे हुए थे जो सभी जैवरात नहीं मिले। देवगढ थाना अधिकारी शैतान सिंह नाथावत ने बताया कि चोरी के मामले में पूर्व में गिरफ्तार छह आरोपियों से पूछताछ की गई जिसमें उन्होंने बताया कि नकबजनी में चुराए जेवरात जिस दुकान पर बैचे उस दुकान का नाम और खरीददारो के नाम बताएं जिस पर देवगढ पुलिस टीम ने देवगढ निवासी दो खरीददारों को भी गिरफ्तार किया।

देवगढ़ पुलिस नेजेवरात खरीदने के आरोप में दो सर्राफा व्यापारियों को गिरफ्तार किया है।

भंडार से 24 लाख 77 हजार 570 की भेंट राशि प्राप्त

कपासन, (निसं)।मेवाड़ के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल शनि महाराज के भंडार से 24 लाख 77 हजार 570 की भेंट राशि प्राप्त हुई शनि अमावस्या के अवसर पर 75 से ज्यादा श्रद्धालुओं ने भगवान शनि देव के दर्शन किए श्री शनि महाराज प्रबंध कमेटी के सचिव कालू सिंह ने बताया अमावस्या से 1 दिन पूर्व भगवान शनि महाराज मंदिर का गल्ला अध्यक्ष छगनलाल गुर्जर उपाध्यक्ष सत्यनारायण जाट संरक्षक नरेंद्र पाल सिंह चौहान सहित आदि सदस्यों की मौजूदगी में खोला गया जिसमें रुपए निकले जिनकी गिनती की गई कुल 24 लाख 77 हजार 570 की भेट राशि प्राप्त हुई इस दौरान कोषाध्यक्ष देवीलाल गाडरी संजय कुमार जोशी गोपाल लाल सुथार गोपाल कृष्ण शर्मा रतन लाल सुथार सहित आदि सदस्य मौजूद रहे शनि अमावस्या के अवसर पर भगवान शनि मंदिर पर दर्शन करने हेतु जनसैलाब उमड पड़ा इस दौरान 75 हजार से अधिक दर्शनार्थियों ने दर्शन करने पहुंचे।

11 विद्यार्थियों का फील्ड इंजीनियर के पद पर चयन

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज, डबोक, उदयपुर में ऑनलाइन केम्पस इन्टरव्यू द्वारा विश्व की प्रमुख कम्पनी थर्मेक्स लिमिटेड में मेकेनिकल इन्जिनियरिंग विभाग के 9, इलेक्ट्रोनिक्स एवं कम्युनिकेशन विभाग के 2 विद्यार्थियों का चयन ट्रेनिंग के दौरान 2.16 लाख के पैकेज पर तथा उसके पश्चात 2.97 लाख के सालाना पैकेज के साथ फील्ड इन्जिनियर के पद पर चयन हुआ।

संस्थान के ट्रेनिंग एण्ड प्लैसमेण्ट हैड अरविन्द सिंह पेमावत ने बताया कि थर्मेक्स कंपनी जिसका का मुख्यालय पुणे, भारत में है। इसके व्यापार पोर्टफोलियो में हीटिंग, कूलिंग, पानी और अपशिष्ट प्रबंधन और विशेष रसायनों के लिए उत्पाद शामिल हैं। कंपनी भाप और बिजली उत्पादन, टर्नकी पावर प्लांट, औद्योगिक और नगरपालिका अपशिष्ट जल उपचार संयंत्रों, अपशिष्ट गर्मी वसूली प्रणालियों और वायु प्रदूषण नियंत्रण परियोजनाओं के लिए बड़े बॉयलरों की डिजाइन, निर्माण और कमीशन भी करती है। कम्पनी से आये ऑफिशल्स व उनकी टीम ने सर्वप्रथम कम्पनी एवं जॉब प्रोफाइल के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी एवं उसके उपरान्त तकनीकी इन्टरव्यू एवं एच. आर. इन्टरव्यू द्वारा मेकेनिकल इन्जिनियरिंग विभाग के 9 विद्यार्थियों भावेश कुमार, आमेटा संजय दीपक, जीवन खटीक, कार्तिक खटीक, लक्ष्मण कुमावत, मयंक सनाढ्य, पुनीत पांडे, विकास अजमेरा एवं इलेक्ट्रोनिक्स एवं कम्युनिकेशन विभाग के 2 विद्यार्थियों मीनल धेनवाल, निशा कुमावत का फील्ड इन्जिनियर के पद पर चयन किया। यह चयन गिट्स एवं थर्मैक्स के बीच हुए ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सपोर्ट प्रोग्राम के अंतर्गत किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. विकास मिश्र व वित्त नियंत्रक बी.एल. जांगिड़ ने चयनित विद्यार्थी के स्वर्णिम भविष्य की कामना की।

गिट्स में 11 विद्यार्थियों का फील्ड इंजीनियर के पद पर चयन हुआ।

विद्या प्रचारिणी सभा की ओर से जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत को श्रम एवं रोजगार मंत्रालय , भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड का क्षेत्रीय सलाहकार समिति का अध्यक्ष मनोनीत करने पर सचिव डॉ. महेन्द्र सिंह आगरिया, प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह , प्रताप शोध प्रतिष्ठान के संयोजक दिलीप सिंह राठौड़, भाजपा के जिला महामंत्री गजपाल सिंह राठौड़ ने उपरणा, माला व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

बैठक आयोजित

डूंगरपुर, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के बुथ सशक्तिकरण अभियान की बैठक भाजपा कार्यालय में सम्पन्न हुई। बेठक में मुख्य अतिथि कनकमल कटारा व अध्यक्षता जिलाध्यक्ष प्रभु पंडया, विशिष्ट अतिथि सभापति अमृत कलासुआ, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुदर्शन जैन, जिला महामंत्री नानुराम परमार, कांतिलाल डामोर, अशोक पटेल, कान्तिलाल डामोर थे।

इस अवसर सांसद कनकमल कटारा ने बताया कि केंद्र सरकार की योजनाओं की पहुँच पूरे देश के लगभग हर क्षेत्र तक है लेकिन पिछले चुनावों के परिणामों के आधार पर ऐसा देखा गया है कि भाजपा का मतदाता देश की सभी विधानसभाओं और लोकसभाओं के कुछ चिन्हित क्षेत्रों तक ही सीमित हैं। इसी वजह से लोक सभाओं एवं विधानसभाओं में ऐसे कई चिन्हित क्षेत्र हैं जहां पार्टी ने चुनावों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है और अपने संभावित मतदाताओं का समर्थन प्राप्त करने में असफल रही है।

सार-समाचार

विद्यार्थी परिषद के पैनल ने मारी बाजी

कपासन, (निसं)। सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महाविद्यालय कपासन में छात्रसंघ चुनाव 2022 मतगणना, परिणाम एवं निर्वाचित छात्रसंघ पदाधिकारियों के शपथ ठाहण के साथ शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ। विधायक अर्जुनलाल जीनगर के नेतृत्व में परिषद के छात्र संघ चुनाव में नवनिर्वाचित प्रत्याशियों का ढोल नगाड़ों के साथ नगर में विजय जुलूस निकाला गया। सुभाष चंद्र बोस राजकीय महाविद्यालय कपासन में छात्र संघ 2022 के लिए हुए चुनाव की मतगणना शनिवार को संपन्न हुई विद्यार्थी परिषद के पैनल विजयी रहा। अध्यक्ष पद के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई कपासन से प्रत्याशी तरूण बारेगामा को 377 मत और एनएसयूआई प्रत्याशी कन्हैया लाल प्रजापत को 164 मत प्राप्त हुए। विद्यार्थी परिषद प्रत्याशी तरूण बारेगामा अध्यक्ष पद पर 213 मतो के अंतर से निर्वाचित हुआ। इसी प्रकारउपाध्यक्ष पद पर प्रत्याशी विद्यार्थी परिषद से कृष्णा जाट को 332 एवं एनएसयूआई से प्रत्याशी सोनु कुमार खटीक को 196 मत प्राप्त हुए। विद्यार्थी परिषद उपाध्यक्ष पद पर कृष्णा जाट 136 मतो के अंतर से निर्वाचित हुई। और महासचिव पद पर विद्यार्थी परिषद से शांति दास वैष्णव को 337 और एनएसयूआई से प्रत्याशी कालू लाल जाट को 185 मत प्राप्त हुए । विद्यार्थी परिषद से महासचिव पद पर प्रत्याशी शांतिदास वैष्णव 152 मतों के अंतर से निर्वाचित हुए। इसी प्रकार संयुक्त सचिव पद पर विद्यार्थी परिषद से प्रत्याशी चंचल सरगरा को 340 मत और एनएसयूआई से प्रत्याशी भावना आचार्य को 188 मत प्राप्त हुए। विद्यार्थी परिषद से संयुक्त सचिव पद पर चंचल सरगरा 152 मतों के अंतर से विजय रही । मतगणना के दौरान अध्यक्ष पद पर 36, उपाध्यक्ष पद पर 49, महासचिव पद पर 55 एवं संयुक्त सचिव पद पर 49 अवैध / निरस्त मत प्राप्त हुए।

आर्थिक सहायता दी

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर के नायकवाडी मोहल्ला निवासी वरदीचंद मेघवाल की 25 जुलाई को कुवैत में एक बहुमंजिला इमारत में 6 वीं मंजिल पर काम करते समय पैर फिसलने से नीचे गिर गया, सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई थी। इस पर कुवैत में रहने वाले भीण्डर के नागरिकों के भीण्डर हेल्प ग्रुप ने सहायता राशि एकत्रित करके शव भारत भेजा था। इस दौरान करीब 2 लाख 45 हजार शेष रही राशि को रविवार को भीण्डर हेल्प ग्रुप सदस्यों ने भीण्डर में घर जाकर आर्थिक सहायता भेंट की। वरदीचंद मेघवाल पिछले 12 वर्ष से कुवैत में काम कर रहे थे। इनके परिवार में पत्नी, दो पुत्र व एक पुत्री है। कुवैत में भीण्डर के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए तीन दिन में ही शव भारत भेजने की पूरी प्रक्रिया की थी। वरदीचंद के शव को भीण्डर भेजने के लिए भीण्डर हेल्प ग्रुप के सदस्यों ने राशि एकत्रित की थी। जिसके बाद करीब 2 लाख 45 हजार रूपये बच गये थे। जिस पर भीण्डर हेल्प ग्रुप के माध्यम से ही वरदीचंद की पुत्री राखी कुमारी मेघवाल के नाम 2 लाख 40 हजार की एफडी बनाई एवं 5 हजार नकद राशि परिवार को भेंट की।

धरना प्रदर्शन जारी रहा

बांसवाड़ा, (निसं)।राजस्थान शिड्युल एरिया संघर्ष समिति एवं राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद् की ओर से विगत आठ वर्षों से प्रत्येक रविवार को दिया जाने वाला साप्ताहिक धरना प्रदर्शन कार्यक्रम जारी रहा। कलेक्ट्री गेट पर आयोजित धरने की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गुलाब सिंह भगोरा ने की जबकि मुख्य अतिथि कमलकिशोर पारगी रहे। वक्ताओं ने संविधान के अनुच्छेद 244(1) व पांचवी अनुसूची को विशेषाधिकारों को अनुसूचित क्षेत्र में पूर्ण रुप से लागू करने की वकालात की। साथ ही एसटी-एससी, ओबीसी अल्पसंख्यक व सामान्य वर्ग के लोगों को जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण की व्यवस्था लागू करने की मांग की। इस अवसर पर रजनीश पारगी, कुलदीप, उत्कर्ष आदि मौजूद रहे।

एकजुट होने का लिया संकल्प

बांसवाड़ा, (निसं)। अंबेडकर भवन में अनुसूचित जाति जिला प्रतिनिधियों की बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से टीएसपी क्षेत्र में संविधान द्वारा प्रदत्त संवैधानिक अधिकार दिलाने के लिए एकजुट होने का संकल्प लिया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि एससी परिवार की मुख्य मांगों को लेकर टीएसपी क्षेत्र के सभी विधायकों को ज्ञापन दिया जायेगा। इन लोगों ने एससी को 16 फीसदी आरक्षण बहाल करने की मांग करते हुए बताया कि 1995 में एससी को 16 फीसदी आरक्षण मिल रहा था लेकिन राज्य सरकार ने इसे घटाकर 5 फीसदी कर दिया जो एससी समाज के साथ विश्वासघात है। इन लोगों ने चेताया कि आने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में अगर टीएसपी के विधायक एससी परिवार की मांगो को पूरजोर तरीके से नहीं उठा रहे हैं तो आगे बडे आंदोलन की रणनीति तैयार की जायेगी एवं संभाग स्तरीय आंदोलन किया जायेगा। बैठक में अलग-अलग क्षेत्र से आये प्रबुद्धजनों ने समाज को एकजुट करने की जरुरत बताई।

भगवान महावीर का जन्मवाचन मनाया

बांसवाडा, (निसं)।नई आबादी स्थित राजेंद्रसूरी जैन दादावाडी में पर्युषण पर्व के तहत भगवान महावीर के जन्मवाचन का कार्यक्रम धूमधाम से हुआ। इस अवसर पर 14 सपना जी की बोलियां लगाई गयी। मुख्य पालने की बोली के लाभार्थी संजय सेठिया, मनोज, गोकुल सेठिया खादी वाले ने पालने की बोली, मूलनायक भगवान की आरती एवं दादा गुरुदेव की आरती, महावीर स्वामी की आरती का लाभ लिया।

51 दिव्यांग निर्धन जोड़ों की निकली बिंदोली

उदयपुर, (कासं)। नारायण सेवा संस्थान का दो दिवसीय 38 वां नि:शुल्क दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह रविवार को सेवा महातीर्थ में गणेश वंदना और विभिन्न वैवाहिक रस्मों के साथ शुरू हुआ।

संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों से आये हुए 1200 से अधिक अतिथियों की उपस्थिति में हल्दी की रस्म हुई। विवाह सूत्र में बंधने वाले युवक-युवतियां पीले परिधानों में सजे-धजे थे वहीं विवाह गीतों की धुनों के बीच परिजनों एवं कन्यादानियों ने दुल्हा-दुल्हनों को हल्दी का उबटन लगाकर हल्दी रस्म निभाई। संस्थान सहसंस्थापिका कमला देवी अग्रवाल एवं निदेशक वंदना अग्रवाल ने जोड़ों को पंक्तिबद्ध बैठाकर हाथों और पांवों में मेहंदी लगाई। खुशी और आनन्द का सैलाब ऐसा था कि पधारे हुए अतिथियों की दो टीमें बनाकर विवाह गीतों की अन्ताक्षरी हुई। संस्थापक चैयरमेन पद्मश्री कैलाश मानव के सानिध्य में अतिथि सत्कार समारोह हुआ जिसमें अतिथियों का मेवाड़ी परम्परा से अभिनन्दन किया गया।सामूहिक विवाह की पूर्व संध्या पर निकली बिन्दोली को संस्थान संस्थापक पद्म श्री कैलाश ' मानव ' महापौर गोविन्द सिंह टांक, उप महापौर पारस सिंघवी व संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने हरी झण्डी दिखाकर नगर निगम परिसर से रवाना किया। जो सूरजपोल, बापू बाजार , देहली गेट , टाऊन हॉल रोड होते हुए पुन: निगम परिसर में पहुंची। बिन्दोली में विभिन्न प्रांतो से आए अतिथियों ने दिव्यांगों पर स्नेह का ऐसा उल्लास बिखेरा कि जहां से भी बिन्दोली गुजरी वहां खडे लोगों ने फूल बरसाते हुए झूम उठे। लकदक रोशनी के साथ निकली इस बिन्दोली में 51 जोडे बग्गी, जीपों में सवार थे।

उदयपुर में दिव्यांग निर्धन जोड़ों की बिंदोली निकाली गई।

अस्थि कलश यात्रा को लेकर बैठक

राजसमंद, (निसं)। कर्नल किरोडी सिंह बैंसला के अस्थि कलश यात्रा के स्वागत को लेकर समाजसेवी देवकीनंदन गुर्जर की अध्यक्षता में गुर्जर समाज सहित एमबीसी वर्ग के अन्य समाजों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित हुई जिसमें अस्थि कलश यात्रा कार्यक्रम का रोडमैप तैयार किया गया। उदयपुर से आने वाली अस्थि कलश यात्रा का नाथद्वारा में स्वागत होने के बाद जगह-जगह गुर्जर समाज एवं अन्य समाजजनों द्वारा पुष्पांजलि श्रद्धांजलि कार्यक्रम होंगा। उसके बाद अस्थि यात्रा रामेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी। जहां एमबीसी वर्ग के प्रतिनिधियों एवं आसपास के सभी चौखलों से आने वाले लोग पुष्पांजलि अर्पित करेंगे तथा समारोह आयोजित होगा। बैठक में संभागीय अध्यक्ष गणेश लांबोडी, गुर्जर महासभा जिलाध्यक्ष विजय राम, 24 खेडा चोखला अध्यक्ष श्रीलाल, सरदारगढ चौखला से चंपालाल, भंवरलाल सीमाल, युवागुर्जर महासभा जिलाध्यक्ष पुष्कर गुर्जर, जिलोला सरपंच रामलाल, बिनोल रामलाल, किशनलाल, रामचंद्र रेबारी, डालचंद गाडरी, दीपचंद गाडरी, छगनलाल गाडरी सहित एमबीसी वर्ग के पंच पटेल एवं युवा उपस्थित थे।

मोतिदा पंचायत में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन

भीण्डर, (निसं)। विधानसभा क्षेत्र में सैकडों स्कूलों की छत टपक रही हैं तो कई रास्ते खराब हो रहे हैं लेकिन जब इनको दुरस्त करने की मांग रखते हैं तो बजट नहीं होने की बात करके काम नहीं करते है। जो सरकार जनता के काम ही नहीं कर सकती हैं ऐसी सरकार को राज छोड करके चले जाना चाहिए। ये बात वल्लभनगर के पूर्व विधायक व जनता सेना संरक्षक रणधीर सिंह भीण्डर ने रविवार को भीण्डर पंचायत समिति के मोतिदा ग्राम पंचायत के विभिन्न विकास कार्यों के उद्घाटन समारोह में कई। कार्यक्रम की अध्यक्षता भीण्डर पंचायत समिति प्रधान हरिसिंह सोनिगरा ने की। विशिष्ठ अतिथि पंचायत समिति सदस्य भंवर कुंवर, मोतिदा सरपंच लक्ष्मण सिंह रावत, पूर्व सरपंच किशनसिंह शक्तावत आदि थे।

मोतिदा सरपंच लक्ष्मण सिंह रावत ने बताया कि मोतिदा ग्राम पंचायत में अणगौरा गांव में श्मशान विकास कार्य, पुलिया निर्माण, मोतिदा में श्मशान विकास कार्य एवं चोल गांव में पुलिया निर्माण कार्य का पूर्व विधायक रणधीर सिंह भीण्डर ने उद्घाटन किया। इसके बाद चोल गांव में आयोजित उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए भीण्डर ने कहा कि 30 वर्ष पहले जब पहली बार आया था तो केवल एक रामसिंह जी हमारे कार्यकर्ता थे। लेकिन क्षेत्र में कुछ विकास नहीं था। हमने पर्ण लिया कि क्षेत्र में विकास करवायेंगे और लोगों को बतायेंगे कि ये विकास होता है। इसके बाद आपके क्षेत्र में विकास कार्य करवाएं, जिससे आज आप सैकडों की संख्या में हमसे जुडे हो। ग्रामीणों को काम देखकर अपना नेता चुनना चाहिए, वोट लेकर जाने के बाद अगर आपके क्षेत्र में फिर नहीं आएं ऐसे लोगों को कभी नहीं चुनना चाहिए। ऐसा नेता चुनना चाहिए जो आपके गांव-क्षेत्र में आकर आपकी समस्या जानकर काम करें। इस अवसर पर सैकडों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भीण्डर के चोल गांव में पूर्व विधायक भीण्डर ने पुलिया निर्माण का उद्घाटन किया।

एक खिलाड़ी के तौर पर इतने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाना बड़ा दिन है परंतु फिर चोट के कारण बाहर होना बहुत निराशाजनक है।
-विवेक सागर

भारतीय हॉकी खिलाड़ी, चोट के कारण राष्ट्रमंडल फाइनल नहीं खेलने पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **विराट कोहली**

भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पाकिस्तान के खिलाफ होने वालेएशिया कप मुकाबले के दौरानटी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 100 मैच पूरे कर लेंगे। विराट तीनों फॉर्मेट में 100 या उससे ज्यादा मैच खेलने वाले भारत के पहले और दुनिया के दूसरे क्रिकेटर बनने वाले हैं। कोहली ने भारत के लिए अब तक102 टेस्ट और 262 वनडेमैच खेले हैं। इस बीच विराट के करीब दोस्त एबी डिविलियर्स नेउनके 100वें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले बधाई दी है। डिविलियर्स लंबे समय तक आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए विराट के साथ खेल चुके हैं।

क्या आप जानते हैं ?... सचिन तेंदुलकर को पहला वनडे शतक बनाने के लिए 69 मैचों का और टेस्ट में दोहरा शतक बनाने के लिए लगभग 10 वर्ष का इंतजार करना पड़ा।

भारत ने पाक को 5 विकेट से मात दी

स्कोर बोर्ड

पाकिस्तान	रन	गेंद	4	6
मोहम्मद रिजवान का आवेश बो हार्दिक	43	42	4	1
बाबर आजम का अर्शदीप बो भुवनेश्वर	10	9	2	0
फखर जमां का कार्तिक बो आवेश	10	6	2	0
इनतीखार अहमद का कार्तिक बो हार्दिक	28	22	2	1
खुशदिल शाह का जडेजा बो हार्दिक	2	7	0	0
शादाब खान पगबाधा बो भुवनेश्वर	10	9	1	0
आसिफ अली का सूर्यकुमार बो भुवनेश्वर	9	7	0	0
मोहम्मद नवाज का कार्तिक बो अर्शदीप	1	3	0	0
हारिस राउफ नाबाद	13	7	2	0
नसीम शाह पगबाधा बो भुवनेश्वर	0	1	0	0
शाहनवाज दहानी बो अर्शदीप	16	6	0	2
अतिरिक्त :	5			

कुल : 19.5 ओवर में 147 रन पर आउट
विकेट पतन : 1-15, 2-42, 3-87, 4-96, 5-97, 6-112, 7-114, 8-128, 9-128, 10-147
गेंदबाजी : भुवनेश्वर कुमार 4-0-26-4, अर्शदीप सिंह 3.5-0-33-2, हार्दिक पांड्या 4-0-25-3, आवेश खान 2-0-19-1, युजवेंद्र चहल 4-0-32-0, रविंद्र जडेजा 2-0-11-0

भारत	रन	गेंद	4	6
रोहित शर्मा का इफ्तेखार बो नवाज	12	18	0	1
केएल राहुल बो नसीम	0	1	0	0
विराट कोहली का इफ्तेखार बो नवाज	35	34	3	1
रविंद्र जडेजा बो नवाज	35	29	2	2
सूर्यकुमार यादव बो नसीम	18	18	1	0
हार्दिक पांडया नाबाद	33	7	4	1
दिनेश कार्तिक नाबाद	1	1	0	0
अतिरिक्त :	14			

कुल : 19.4 ओवर में 5 विकेट पर 148 रन
विकेट पतन : 1-1, 2-50, 3-53, 4-89, 5-141
गेंदबाजी : नसीम शाह 4-0-27-2, शाहनवाज दहानी 4-0-29-0, हारिस राउफ 4-0-35-0, शादाब खान 4-0-19-0, मोहम्मद नवाज 3.4-0-33-3

दुबई, 28 अगस्त। भारत ने हार्दिक पांड्या (तीन विकेट, 33 रन) के हरफनमौला खेल की बदौलत पाकिस्तान को एशिया कप 2022 में रविवार को पांच विकेट से मात दी। पाकिस्तान ने भारत को 20 ओवर में 148 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे रोहित शर्मा की टीम ने दो गेंदें रहते ही हासिल कर लिया। पाकिस्तान ने 308 दिन पहले टी20 विश्व कप में भारत को इसी मैदान पर हराया था मगर भारत ने अतीत को पीछे छोड़ते हुए पाकिस्तान को इस बार पछाड़ा।

हार्दिक ने विजयी छक्का जड़ा। मैच के हीरो रहे हार्दिक पंड्या ने 3 विकेट लेने के अलावा 17 गेंदों में तूफानी अंदाज में 34 रन ठोके, जबकि रविंद्र जडेजा 29 गेंदों में 35 रन बनाकर आउट हुए। दूसरी ओर, भुवनेश्वर कुमार ने 4 विकेट झटके।

पाकिस्तान से मिले 148 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत कीशुरुआत खराब रही और उसने एक रन के स्कोर पर ओपनर केएल राहुल (0) का विकेट गंवा दिया। हालांकि इसके बाद कप्तानरोहित शर्मा (12) और अपना 100 20 मैच खेलने उतरे विराट कोहली(35) ने दूसरे विकेट के लिए 46 गेंदों पर 49 रनों की साझेदारी की। लेकिन दोनों बल्लेबाजों के अर्धशतकीय साझेदारी पूरी नहीं हो पाई क्योंकि मोहम्मद नवाज ने पहले कप्तान रोहित को और फिर विराट को पवेलियन भेजकर पाकिस्तान को जल्दी-जल्दी दो विकेट निकाल कर दे दिए। विराट नेशून्य पर मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए 34 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 35 रन बनाए। 10वें ओवर में 53 रन तक तीन विकेट गंवाने के बाद सूर्यकुमार यादव (18) और बल्लेबाजी में उपरी क्रम में भेजे गए रवींद्र जडेजा (35) ने चौथे विकेट के लिए 36 रनों की साझेदारी की। लंबीहो रही साझेदारी को एक बार फिर नसीम ने ही तोड़ा जब उन्होंने सूर्यकुमार को बोल्ड कर दिया।

भारत को अब मैच जीतने के लिए अंतिम 5 ओवरों में 51 रनों की दरकार थी और जडेजा के साथ हार्दिक पांड्या क्रीज पर मौजूद थे। यहां सेजडेजा औरपांड्या ने पांचवें विकेट के लिए 52 रनों की साझेदारी करके भारत को जीत की तरफ पहुंचादिया। अंतिम ओवर में भारत को 7 रनों की दरकार थी और गेंद मोहम्मद नवाज के हाथों में थी। लेकिन हार्दिक ने छक्का मारकर जीत दिला दी।

जडेजा ने 29 गेंदों पर दो चौके और दो छक्के लगाए। हार्दिक ने 17 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 33 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली। भारत ने भुवनेश्वर कुमार (चार विकेट) और हार्दिक पांड्या (तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान को 147 रन पर ऑल आउट किया। पाकिस्तान के लिये मोहम्मद रिज़वान ने सर्वाधिक 43 रन बनाये।

तीसरे नंबर पर आये फख़र ज़मान ने दो चौकों के साथ पारी का आगाज किया, लेकिन आवेश खान ने उन्हें मात्र 10 रन पर विकेटकीपर दिनेश कार्तिक के हाथों कैच कराकर पवेलियन लौटाया। तीसरे विकेट के लिये 45 रन की साझेदारी करने वाले मोहम्मद रिज़वान और इफ़्तिख़ार अहमद हार्दिक पांड्या की छोटी गेंदों का शिकार हुए। रिज़वान ने 42 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की बदौलत 43 रन की पारी खेली।

इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

मैनचेस्टर, 28 अगस्त। इंग्लैंड ने कप्तान बेन स्टोक्स (103 रन, चार विकेट) के हरफनमौला खेल की बदौलत दक्षिण अफ्रीका को दूसरे टेस्ट मैच में शनिवार को पारी और 85 रन से मात दी। इसी के साथ शृंखला 1-1 से बराबर हो गयी है। इंग्लैंड ने पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका के 151 रन के जवाब में 415 रन बनाकर 264 रन की बढ़त हासिल की थी। दूसरी पारी में कीगन पीटरसन (42) और रैसी वान डेर डुसेन (41) के प्रयासों के बावजूद प्रोटियाज़ 179 रन पर ऑलआउट होकर इंग्लैंड के स्कोर से 85 रन पीछे रह गयी। ओली रॉबिन्सन ने इंग्लिश गेंदबाजी की अगुवाई करते हुए चार विकेट निकाले, जबकि जेम्स एंडरसन ने तीन विकेट लिये जिसमें कप्तान डीन एल्गर का महत्वपूर्ण विकेट भी शामिल था। कप्तान स्टोक्स के ऑलराउंड प्रदर्शन का दक्षिण अफ्रीका के पास कोई जवाब नहीं था। मैन ऑफ द मैच स्टोक्स ने पहली पारी में दो विकेट लिये, और जब इंग्लैंड 147 रन पर पांच विकेट गंवा कर संकट में थी तब स्टोक्स ने शतक जड़ते हुए बेन फोक्स के साथ 173 रन की साझेदारी की। स्टोक्स ने 163 गेंदों की अपनी पारी में छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 103 रन बनाये। साथ ही स्टोक्स ने दूसरी पारी में इंग्लैंड के गले का कांटा बने हुए पीटरसन और वान डेर डुसेन का विकेट भी निकाला।

ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे को पांच विकेट से हराया

टाउन्सविल, 28 अगस्त। ऑस्ट्रेलिया ने कैमरून ग्रीन (पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद डेविड वॉर्नर (57) के अद्धर्शतक की बदौलत ज़िम्बाब्वे को पहले एकदिवसीय मैच में रविवार को पांच विकेट से मात दी। ज़िम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 201 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे उन्होंने 33.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर ज़िम्बाब्वे को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया और 47.3 ओवर में 200 रन पर ऑलआउट कर दिया। ज़िम्बाब्वे के ऊपरी क्रम ने टीम को मज़बूत शुरुआत दिलायी, लेकिन मध्य क्रम की असफलता के कारण वह बड़ा स्कोर नहीं बना सकी। वेस्ले माधेवेरे ने ज़िम्बाब्वे के लिये सर्वाधिक 72(91) रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके जड़े। इसके अलावा तदिवनाशे मारूमानी ने 45(61) और कप्तान रेजिस चकब्वा ने 31(33) रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कैमरून ग्रीन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए नौ ओवर में 33 रन देकर पांच विकेट लिये, जिसमें सिकंदर रज़ा (05) और चकब्वा का विकेट भी शामिल था। इसके अलावा एडम ज़ैम्पा ने तीन विकेट लिये जबकि मिचेल स्टार्क और मिचेल मार्श को एक-एक विकेट हासिल हुआ।

राहुल शर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया

पंजाब, 28 अगस्त। भारतीय क्रिकेटर राहुल शर्मा ने रविवार को खेल के सभी प्रारूपों से सन्यास लेने की घोषणा की। पंजाब के रहने वाले राहुल ने 2011 में वेस्ट इंडीज़ के खिलाफ अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था, और वह भारत के लिये चार एकदिवसीय और दो टी20 मुकाबले खेल चुके हैं। राहुल अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से सन्यास लेने के बाद अब रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज़ में नज़र आयेंगे। राहुल ने सन्यास की घोषणा करते हुए कहा, ''यह मेरा सौभाग्य रहा है कि मैंने सबसे ऊंचे स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। मुझे इस परिवार में जगह देने के लिये बीसीसीआई का धन्यवाद। देश के लिये खेलना किसी भी खिलाड़ी का मूल लक्ष्य होता है। मैं खुश हूं कि मैं यह उपलब्धि हासिल कर सका।'' उन्होंने कहा, ''भारतीय टीम की नीली जर्सी पहनना मेरे लिये सबसे यादगार क्षण था। मैं हमेशा इस याद को संजोकर रखूंगा। गौतम गंभीर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण, वीरेंद्र सहवाग, महेंद्र सिंह धोनी, युवराज सिंह, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, रोहित शर्मा, विराट कोहली और सभी खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना मेरा सौभाग्य था।''

सैफ महिला चैम्पियनशिप के लिये पुणे में तैयारी करेगी टीम

नयी दिल्ली, 28 अगस्त। भारतीय महिला फुटबॉल टीम दक्षिण एशिया फुटबॉल महासंघ (सैफ) महिला चैंपियनशिप 2022 के लिये पुणे में आयोजित तैयारी शिविर में सोमवार से शामिल होगी। यह चैंपियनशिप नेपाल में 06-19 सितंबर के बीच आयोजित की जाएगी। भारतीय महिलाएं तीन सितंबर को नेपाल के लिये रवाना होंगी। पिछली बार की चैंपियन भारत को ग्रुप-ए में मालदीव, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ सात सितंबर को शुरू करेगी। भारतीय टीम के कोच सुरेन छेत्री ने तैयारी शिविर के लिये 26 खिलाड़ियों की संभावित सूची तैयार की है, जिसमें अदिति चौहान, मैबम लिनथोइंगंबी देवी, श्रेया हुड्डा, सौम्या नारायणसामी को बतौर गोलकीपर, जबकि स्वीटी देवी, रितु रानी, आशालता देवी, रंजना चानू, मनीसा पन्ना, आरिफा सैयद, मिशेल कास्टान्हा, जूली किशन और संतोष को बतौर डिफेंडर शामिल किया गया है। इसके अलावा अंजू तमांग, कार्तिका अंगमुथु, प्रियंगका देवी, मार्टिना थोकचोम, संध्या रंगनाथन, काविया पक्कीरिसामी, काश्मीना, रतनबाला देवी बतौर मिडफील्डर और दुलार मरांडी, अपर्णा नारजारी, सौम्या गुगुलोथ, रेणु, किरण पिस्दा बतौर फॉर्वर्ड शिविर में शामिल हो सकती हैं।

भारतीय टीम ने विश्व स्केट खेलों से पहले तैयारी शुरू की

जम्मू, 28 अगस्त। भारतीय पुरुष स्केटिंग टीम ने अक्टूबर में होने वाले विश्व स्केट खेलों से पहले मौलाना आज़ाद स्टेडियम के स्केटिंग रिंक में आयोजित प्रशिक्षण कैंप में तैयारी शुरू कर दी है। यह भारतीय रोलर स्केटिंग महासंघ द्वारा आयोजित दूसरा प्रशिक्षण कैंप है, जबकि पहला कैंप पटियाला में 15-30 जून तक आयोजित किया जा चुका है।

हमें पूछना होगा कि क्या हम तैयार थे : हार के बाद शनाका

दुबई, 28 अगस्त। श्रीलंका क्रिकेट टीम के कप्तान दसुन शनाका ने एशिया कप 2022 में अफगानिस्तान के हाथों आठ विकेट की हार के बाद बल्लेबाजों की तैयारी पर प्रश्न खड़ा किया है। श्रीलंका ने शनिवार के मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान के सामने 20 ओवर में मात्र 106 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे उन्होंने 59 गेंदें रहते हासिल कर लिया। अफगानिस्तान की ओर से फज़लहक़ फ़ारुक़ी और नवीन-उल-हक़ ने घातक गेंदबाज़ी करते हुए कुसल मेंडिस, पथुम निसंका और चरित असलंका के रूप में शीर्ष तीन बल्लेबाजों को मात्र पांच रन के स्कोर पर पवेलियन लौटा दिया। श्रीलंकाई टीम इससे उभर नहीं सकी और 105 रन पर ऑलआउट हो गयी। कप्तान शनाका ने मैच

के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''हमें अपने बल्लेबाजों से पूछना होगा कि क्या वे तैयार थे। हम जानते हैं कि फारूकी गेंद को दोनों तरह से स्विंग करते हैं। नवीन-उल-हक भी ज्यादातर समय इसे स्विंग करते हैं। यह वैसा नहीं है जैसा हमारी (घरेलू) परिस्थितियों में होता है। हमें यह सवाल पूछना है कि क्या हम इसके लिए तैयार थे।''

उन्होंने कहा, ''यह वास्तव में अच्छी पिच थी। पहले दो ओवरों ने पूरी स्थिति को बदल दिया। यह पिछले दो वर्षों में चिंता का विषय रहा है कि हमने शुरुआती साझेदारियां नहीं की हैं। यही वह जगह है जहां हमें चिंतित होना चाहिए।'' शनाका ने कहा कि शुरुआती विकेट गंवाने के बाद खेल में वापस आना हमेशा मुश्किल होता है, और वह खराब प्रदर्शन के लिए कोई बहाना नहीं देंगे।

शनाका ने कहा, ''जब आप पहले ओवर में दो विकेट खो देते हैं, और पावरप्ले के अंदर (7.2 ओवर में) चार विकेट खो देते हैं, तो खेल में वापस आना वास्तव में कठिन होता है। हारना एक सामान्य बात है, लेकिन हम इतने बड़े अंतर से हारने वाली टीम नहीं हैं। उन्होंने नयी गेंद से वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन हमारे पास कोई बहाना नहीं है। आपको किसी भी स्थिति में बल्लेबाजी करने में सक्षम होना चाहिए।''

ईरान में ट्रेनिंग लेगा 13 सदस्यीय भारतीय पुरूष मुक्केबाजी दल

नयी दिल्ली, 28 अगस्त। एशियाई चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता दीपक कुमार भोरिया (51 किग्रा) और कविंदर सिंह बिष्ट (57 किग्रा) की अगुआई में 13 सदस्यीय भारतीय पुरूष मुक्केबाजी दल 28 अगस्त से ईरान में 10 दिन के ट्रेनिंग शिविर और टूर्नामेंट में भाग लेगा। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेने वाले आठ एलीट पुरूष मुक्केबाज रविवार (28 अगस्त) से शुरू होने वाले इस शिविर का हिस्सा नहीं हैं। भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) ने देश के एलीट पुरूष मुक्केबाजों के लिये इस शिविर का आयोजन किया है। इसमें 13 मुक्केबाजों के अलावा चार सहयोगी स्टाफ भी हैं। बीएफआई की विज्ञप्ति के अनुसार इसमें थाईलैंड ओपन के स्वर्ण पदक विजेता गोविंद कुमार साहनी (48 किग्रा), अनंत चोपाडे (54 किग्रा), मोहम्मद इताशा खान (60 किग्रा), सचिन (67 किग्रा), सचिन (67 किग्रा), अमित कुमार (71 किग्रा), नवीन बूरा (75 किग्रा), अर्शदीप (80 किग्रा), लक्ष्य चाहर (86 किग्रा), नवीन कुमार (92 किग्रा) और तोक्यो ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने सतीश कुमार (92 किग्रा से अधिक वजन वर्ग) शामिल हैं।

हिन्दुस्तान और रॉयल रेंजर्स जीते

नयी दिल्ली, 28 अगस्त। हिंदुस्तान क्लब ने इमरान खान और कप्तान माइक फोकु के शानदार गोलों की मदद से आधी अधूरी भारतीय वायु सेना को 2-0 से परास्त कर दिल्ली प्रीमियर लीग के दूसरे चरण में पूरे अंक अर्जित किए। अंबेडकर स्टेडियम पर दिन के दूसरे मैच में रॉयल रेंजर्स ने तरुण संघा को 3-0 से हराया। रॉयल रेंजर्स के स्टार स्ट्राइकर कांगो के डेली मकानिनो ने पहले हाफ में पेनल्टी पर गोल जमाने के बाद प्रतिद्वंद्वी गोली की चूक का फायदा उठाते हुए तेज रफ्तार दौड़ से स्कोर 2-0 कर दिखाया। दूसरे हाफ में रविराज ने लंबी दूरी का शाट जमाकर स्कोर आगे बढ़ाया।

दुबई में भारतीय टीम से जुड़े राहुल द्रविड़

दुबई, 28 अगस्त। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ कोरोनावायरस से उभरने के बाद रविवार को टीम के साथ दुबई में शामिल हुए। द्रविड़ की अनुपस्थिति में वीवीएस लक्ष्मण भारत के अभियान की तैयारी के चरण की देखरेख कर रहे थे।

जब भारतीय टीम रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप का पहला मैच खेलेगी तब द्रविड़ डगआउट में मौजूद होंगे। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के निदेशक लक्ष्मण के बेंगलुरु जाने की उम्मीद है, जहां वह भारत-ए टीम के साथ जुड़ेंगे जो न्यूज़ीलैंड-ए के खिलाफ एक सितंबर से शुरू होने वाली लाल गेंद शृंखला के लिये तैयारी कर रही है।

लक्ष्मण दुबई के लिये हरारे से रवाना हुई थे, जहां वह केएल राहुल के नेतृत्व वाली भारतीय टीम के कोच थे। भारत ने

तब जिम्बाब्वे को 3-0 से हराया था। वह इससे पहले आयरलैंड टी20 दौरे और इंग्लैंड में पहले टी20 के लिए भी कोचिंग सेट-अप का हिस्सा थे। लक्ष्मण जिम्बाब्वे दौरे के बाद भारत लौटने वाले थे, लेकिन पिछले सप्ताह द्रविड़ को हल्के कोविड लक्षणों का अनुभव होने के बाद उन्हें कार्यभार संभालने के लिए कहा गया था।

अवनि विश्व एमेच्योर टीम प्रतियोगिता में 44वें स्थान से शीर्ष भारतीय

पेरिस, 28 अगस्त। अवनि प्रशांत (71) 29वीं महिला विश्व एमेच्योर टीम चैम्पियनशिप में संयुक्त 44वें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय गोल्फर रहीं। भारतीय टीम में निश्ना पटेल (82) और स्मृति भार्गव (81) भी शामिल थीं जो संयुक्त 34वें स्थान पर रहीं। अवनि ने 75-76-73-71 के कार्ड खेलकर कुल 295 का स्कोर बनाया। वहीं निश्ना (77-77-77-82) कुल 313 के स्कोर से 113वें स्थान पर हीं और स्मृति (73-79-83-81) कुल 316 के स्कोर से 122वें स्थान पर रहीं। स्वीडन ने अमेरिका से टाईब्रेकर में जीत हासिल कर एसप्रितो सांतो ट्राफी तीसरी बार अपने नाम की।

भूटिया ने सिक्किम एफए का समर्थन नहीं करने के पीछे राजनीतिक दबाव का आरोप लगाया

गंगटोक, 28 अगस्त। भारत के पूर्व कप्तान और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार बाइचुंग भूटिया ने रविवार को आरोप लगाया कि राजनीतिक दबाव के कारण उनका गृह राज्य इकाई सिक्किम एफए आगामी आम चुनाव में उनका समर्थन नहीं कर रहा है।

भारतीय फुटबॉल के सबसे बड़े दिग्गजों में से एक 45 साल के भूटिया दो सितंबर को होने वाले चुनावों में एआईएफएफ अध्यक्ष पद के लिए कल्याण चौबे की चुनौती का सामना कर रहे है। चौबे मोहन बागान और ईस्ट बंगाल जैसे बड़े क्लबों के पूर्व गोलकीपर है। वह बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता है और उन्हें गुजरात और अरुणाचल प्रदेश जैसे राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य संघों से समर्थन प्राप्त है।

भूटिया के नामांकन को आंध्र प्रदेश और राजस्थान राज्य संघों द्वारा क्रमशः प्रस्तावित और अनुमोदित किया गया था। उन्हें इसमें अपने राज्य संघ से समर्थन नहीं मिला। भूटिया को खिलाड़ी के तौर पर गोल करने की अपनी क्षमता के कारण 'सिक्किमीस स्निपर' के तौर पर जाना जाता था। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) पार्टी के नेताओं ने मेनला एथेनपा (सिक्कम एफए के अध्यक्ष) पर उनके खिलाफ वोट करने के लिए दबाव डाल रहे है। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' मेरा मानना है कि एसकेएम पार्टी के कुछ नेता चुनाव में दखल देने की कोशिश कर रहे हैं।'' भारत के पूर्व कप्तान भूटिया ने कहा, '' मैं वास्तव में उनका (एथेनपा का) वोट नहीं चाहता, लेकिन राजनीति से जुड़े लोगों के दखल देने से राज्य और पूरे देश में फुटबॉल के विकास में बाधा उत्पन्न होगी।''

उन्होंने कहा, ''चुनाव में अध्यक्ष (मेनला एथेनपा) अपने आप का नहीं बल्कि एसएफए का प्रतिनिधित्व करेंगे। अगर वह ईमानदारी से चाहते हैं कि फुटबॉल का विकास हो तो उन्हें सही का चयन करना चाहिये।'' भूटिया ने यह भी कहा कि अगर एथेनपा सिक्किम में फुटबॉल के विकास को देखना चाहते हैं तो उन्हें अपने पद से हटने का समय आ गया है। वह इस पद पर पिछले 16 वर्षों से है।

एआईएफएफ चुनाव : समीक्षा में सभी बीस नामांकन पत्र वैध पाए गए

नयी दिल्ली, 28 अगस्त। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के दो सितंबर को होने वाले चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी ने रविवार को सभी 20 नामांकन पत्रों को जांच के बाद वैध पाया। ये 20 नामांकन पत्र अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष के पदों के लिए दो-दो उम्मीदवारों और कार्यकारी समिति के सदस्यों के लिए 14 उम्मीदवारों से संबंधित हैं। निर्वाचन अधिकारी उमेश सिन्हा ने कहा, ''अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और कार्यकारी समिति के सदस्यों के नामांकन पत्रों की जांच के बाद सभी 20 नामांकन पत्र वैध पाए गए हैं।''

एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष, एक कोषाध्यक्ष और 14 कार्यकारिणी सदस्यों के पदों के लिए चुनाव होना है। छह पूर्व खिलाड़ियों (चार पुरुष और दो महिलाओं) को बाद में मतदान अधिकार के साथ कार्यकारी समिति के सदस्यों के रूप में शामिल किया जाएगा।

उम्मीदवार मंगलवार दोपहर एक बजे से पहले अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष के शीर्ष तीन पदों पर दो उम्मीदवारों के बीच सीधी लड़ाई देखने को मिल सकती। अध्यक्ष पद की दौड़ में पूर्व गोलकीपर कल्याण चौबे के खिलाफ पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया की उम्मीदवारी है।

निर्वाचन अधिकारी पहले ही राज्य संघों के 34 प्रतिनिधियों का निर्वाचक मंडल तैयार कर चुके हैं। राजस्थान संघ के अध्यक्ष और कांग्रेस के नेता मानवेंद्र सिंह ने एकमात्र उपाध्यक्ष पद के लिए एनए हैरिस के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए शनिवार नामांकन भरा। हैरिस कर्नाटक फुटबॉल संघ के अध्यक्ष और राज्य के मौजूदा कांग्रेस विधायक हैं। मानवेंद्र के राज्य संघ ने भूटिया की उम्मीदवारी का समर्थन किया था।

अध्यक्ष पद के उम्मीदवार के तौर पर भूटिया का नाम प्रस्तावित करने वाले आंध्र प्रदेश राज्य संघ के अध्यक्ष गोपालकृष्ण कोसाराजू ने शुक्रवार को अरुणाचल प्रदेश के किपा अजय के खिलाफ कोषाध्यक्ष पद के लिए अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के लिए एक पत्र लिखा था। सूत्रों ने हालांकि

कहा कि उन्होंने नाम वापस लेने के लिए कोई फॉर्म नहीं भरा था और इसलिए उनकी उम्मीदवारी अभी भी बनी हुई है। यह ज्ञात नहीं है कि वह मंगलवार की समय सीमा से पहले नामांकन वापस लेंगे या नहीं। उन्होंने गुरुवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। इसी दिन भूटिया और चौबे ने भी अपनी उम्मीदवारी पेश की थी।

कार्यकारी समिति के सदस्यों की समान संख्या के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने से सभी 14 उम्मीदवारों के निर्विरोध चुने जाने की संभावना है। इसमें जी पी पालगुना, अविजित पॉल, पी अनिल कुमार, वलंका नताशा अलेमाओ, मालोजी राजे छत्रपति, मेनला एथेनपा, मोहन लाल, आरिफ अली, के नेइबोउ सेखोज, लालनघिंग्लोवा हमार, दीपक शर्मा, विजय बाली और सैयद इम्तियाज हुसैन शामिल हैं। उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त प्रशासकों की समिति के एआईएफएफ का कामकाज संभालने के दौरान होने वाले चुनावों में अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी पेश करने वाले फुटबॉल दिल्ली के अध्यक्ष शाजी प्रभाकरन ने इस बार चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया। सूत्रों के मुताबिक चौबे के नेतृत्व वाले समूह के चुनाव जीतने पर प्रभाकरन एआईएफएफ के महासचिव बन सकते हैं।

उच्चतम न्यायालय ने भारत में महिला अंडर -17 विश्व कप की मेजबानी को बचाने के लिए 22 अगस्त को एक फैसले में सीओए को हटा दिया था और 36 पूर्व खिलाड़ियों को निर्वाचक मंडल में शामिल करने की अनुमति नहीं दी तथा चुनाव को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया था। खेल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा के एआईएफएफ को निलंबित करने से महिला अंडर-17 विश्व कप की मेजबानी खतरे में पड़ गई थी।

चांद की रोशनी में हॉकी खेलकर ध्यान सिंह बने थे ध्यानचंद

झांसी, 28 अगस्त। दुनियाभर में हॉकी के जादूगर के नाम से मशहूर मेजर ध्यानचंद का मूल नाम ध्यान सिंह था, लेकिन हॉकी के प्रति उनके जुनून का नतीजा था कि वह रात के समय चांद की रोशनी में हॉकी का अभ्यास करते थे और उनकी इसी आदत के कारण उन्हें 'ध्यानचंद' नाम मिला।

'भारत रत्न' मेजर ध्यानचंद के पुत्र और अर्जुन पुरस्कार विजेता ओलंपियन अशोक ध्यानचंद ने रविवार को 'यूनीवार्ता' को बताया कि हॉकी के लिये उनके पिता की दीवानगी इस कदर थी कि दिन में समय न मिलने पर वह रात में भी ग्राउंड में चांद की रोशनी में ही हॉकी खेलने लग जाते थे। उनकी इस आदत के बाद आसपास के लोगों में यह बात मुहावरे के तौर पर कही जाने लगी कि 'चांद की रोशनी में देखो ध्यान की हॉकी।' कालांतर में चांद और ध्यान का मिश्रण कुछ इस तरह हुआ कि उनका नाम ही ध्यान सिंह से ध्यानचंद हो गया और इसके बाद देश और दुनिया में वह इसी नाम से विख्यात हो गये।

उन्होंने बताया कि मेजर ध्यानचंद की प्रारंभिक शिक्षा झांसी में ही हुई। उस समय वह झांसी में एबर्ट गंज में रहते थे। वह झांसी स्थित हीरोज ग्राउंड की पथरीली जमीन पर ही हॉकी की प्रैक्टिस करते थे। पहले इसे चांदमारी का मैदान कहा जाता था। उन्होंने इस मैदान की कठोर जमीन पर नंगे पैर ही हॉकी खेलकर खुद को एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में तैयार किया।

यही वह मैदान था जिस पर उन्होंने हॉकी से जुड़ी तकनीकी बारीकियां सीखीं। अशोक ध्यानचंद ने बताया कि उनके दादा ने खेल के प्रति बेटे की दीवानगी को देख कर उन्हें 16 साल की उम्र में ही सेना में भर्ती करा दिया। सेना में भर्ती होने के बाद ही उन्हें 'मेजर' का तमगा मिला। उन्होंने बताया कि कम लोगों को ही यह मालूम है कि ध्यान सिंह हॉकी खेलने के साथ कुश्ती भी बहुत अच्छी लड़ते थे। उन्हें हॉकी खेलने और कुश्ती लड़ने का जबरदस्त शौक था। सेना में शामिल होने के बाद उन्हें दिन में हॉकी खेलने का मौका कम ही मिल पाता था। ऐसे में वह हॉकी पर रात को चांद की रोशनी में हाथ आजमाते थे। उन्होंने बताया कि वर्ष 1926 में उनका न्यूजीलैंड दौरा, पहला मौका था जब विदेश की धरती पर किसी भारतीय ने किसी विदेशी टीम के खिलाफ गोल दागा था। इस समय ध्यानचंद की मौजूदगी में भारतीय टीम ने ऐसा जबरदस्त प्रदर्शन किया कि 1920 में ओलंपिक से बाहर कर दिये गये हॉकी के खेल को 1928 के ओलंपिक में फिर से शामिल किया गया।

इसके बाद 1928 की ओलंपिक की टीम में उन्हें शामिल गया। उस समय की हॉकी 'हिट एंड रन' पद्धित पर खेली जाती थी, लेकिन भारतीय हॉकी 1926 तक पूरी तरह से स्किलफुल हो चुकी थी और ध्यानचंद इस हॉकी के शानदार खिलाड़ी थे। ओलंपिक में ध्यानचंद के विदेशी धरती पर जानदार और शानदार खेल के लोग मुरीद हो गये। इस ओलंपिक में उनके जादुई प्रदर्शन के बलबूते ही उन्हें 'हॉकी का जादूगर' कहा जाने लगा।

उन्होंने बताया कि उस समय देश गुलाम था। इसके बावजूद देश की हॉकी टीम जब किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेती थी तो 'भारतीय टीम' के रूप में ही जाना जाता था। उसे 'ब्रिटिश औपनिवेशिक भारत की टीम' या ऐसा ही कोई और नाम नहीं दिया गया था।

मेजर ध्यानचंद की जयंती 29 अगस्त को 'राष्ट्रीय खेल दिवस' के रूप में मनाये जाने की भारत सरकार की घोषणा का अशोक ध्यानचंद ने स्वागत करते हुए इसके लिये आभार भी प्रकट किया। उन्होंने कहा कि अच्छा यही है कि खेल दिवस का नाम किसी खिलाड़ी के नाम पर ही रखा जाना चाहिए। सरकार ने इस ओर ध्यान देकर देश भर के खिलाड़ियों को सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकारें खेलों को काफी प्रोत्साहन दे रही हैं। ऐसे में बच्चों के सामने अब खेल भी एक करियर के रूप में उभर कर आ रहा है।

सेविना फिर हारा, पहली जीत का इंतजार

मैड्रिड, 28 अगस्त। सेविला को अल्मेरिया के खिलाफ 1-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा जिससे स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीग के मौजूदा सत्र में टीम को अब भी पहली जीत का इंतजार है। सेविला की टीम मौजूदा सत्र में तीन मैच खेल चुकी है। टीम ने ओसासुना में हार के साथ शुरुआत की और फिर वेलाडोलिड के साथ अपने मैदान पर ड्रॉ खेला।

पिछले सत्र में अधिकांश समय शीर्ष पर रहे और अंत में सत्र का अंत चौथे स्थान से करने बाद सेविला से इस सत्र में काफी उम्मीदें थीं। ओलिवर टोरेस ने 30वें मिनट में हेडर से सेविला को बढ़त दिलाई लेकिन मेजबान टीम ने 42वें मिनट में लार्गी रमजानी के गोल से बराबरी हासिल कर ली।

जरा सोचिए नए माहौल में सोना पड़े तो क्या होगा, अजनबी आवाजों और अलग माहौल की वजह से आप रात भर करवटें बदलते रहेंगे। कुत्ते भी ऐसे ही होते हैं, अगर उन्हें किसी अनजान जगह ले जाएं तो वो सो नहीं पाते। हंगरी के वैज्ञानिकों ने हाल ही में एक शोध किया, यह पता लगाने के लिए कि क्या यह बात भेड़ियों पर भी लागू होती है? शोधकर्ताओं को कुछ आश्चर्यजनक भिन्नताएं पता चलीं। शोध के लेखक, हंगरी की इओटवोस लोरैंड युनिवर्सिटी की विविअन राइकर ने कहा कि, "कुत्ते इंसान के साथ उद्विकास का इतिहास और सामाजिक पर्यावरण साझा करते हैं, उनके सोने के लक्षणों की भेड़ियों से, जो कुत्ते के निकटतम सम्बंधी हैं, तुलना करने से, पालतू बनाने और इंसान के साथ रहने के, कुत्तों की नींद पर हुए प्रभाव को बेहतर तरीके से समझा जा सकेगा।" विविअन राइकर कहती हैं कि, विभिन्न प्रजातियों के जानवरों की नींद का अध्ययन करने से हमें नींद के फायदों और उन्हें प्रभावित करने वाले कारकों को समझने में मदद मिलेगी। शोधकर्ताओं ने परिवारों में पले 20 कुत्तों और इंसान द्वारा पाले गए 7 भेड़ियों पर यह शोध किया। शोधकर्ताओं ने कुत्तों और भेड़ियों की नींद में रोचक अंतर देखे। उन्होंने पाया कि कुत्ते और भेड़िए समान अवधि तक ऊनींदे रहे। लेकिन प्रमुख अंतर यह था कि, भेड़ियों ने रैपिड आई मूवमैंट (आर.ई.एम.) स्लीप में कुत्तों से ज्यादा समय खर्च किया। आर.ई.एम. के दौरान सबसे ज्यादा सपने आते हैं, यह वो चरण है जब नींद गहरी होती है और यह चरण सीखने और याद रखने की क्षमता में अहम् भूमिका निभाता है। राइकर ने कहा कि, वो कुत्ते, जिन्हें अक्सर घर के अलावा अन्यत्र सोने की आदत है, जब पहली बार स्लीप लैब में सोए तब उन्होंने नॉन आर.ई.एम. व आर.ई.एम. स्लीप स्टेज में जल्दी प्रवेश किया, उन कुत्तों की तुलना में जो घर के अलावा कहीं भी सोने के आदी नहीं थे। अर्थात् मालिकों के साथ अक्सर नई जगहों पर जाने के आदी कुत्तों की, सोने की नई जगह के प्रति प्रतिक्रिया कम थी, उन कुत्तों के मुकाबले जो सिर्फ घर में रहे थे। भेड़ियों का अध्ययन आसान था, क्योंकि सातों को मनुष्य ने पाला था और वो अपने आस-पास मनुष्यों की उपस्थिति के आदी थे। राइकर ने कहा कि, जो भेड़िए इंसान के सामीत्य के आदी नहीं होते वो आमतौर पर मनुष्य के आने पर बहुत चिंतित और उत्तेजित हो जाते हैं। राइकर ने कहा, "युवा कुत्तों और भेड़ियों के स्लीप स्टेज का विस्तार काफी एक सा था, तथापि आर.ई.एम. स्लीप में बिताया गया समय, भेड़ियों के मुकाबले कुत्तों में कम था और बड़ी उम्र के जानवरों में यह अंतर और भी अधिक होता है।

राजनाथ सिंह के जापान दौरे पर चीन की निगाहें टिकीं

चीन की मीडिया ने कहा है कि, इन बैठकों के जरिए चीन को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए

नई दिल्ली, 28 अगस्त। सीमा पर तनाव के बीच दूसरे देशों से बन रहे भारत के रिश्तों पर चीन करीबी नजर रख रहा है। इसी कड़ी में मंगोलिया और जापान दौरे पर जा रहे भारतीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के पग-पग पर उसकी नजर रहेगी। चीन से आ रहे बयानों से स्पष्ट है कि वह भारत-जापान के बीच बढ़ती दोस्ती का बिल्कुल भी हिमायती नहीं है। बता दें कि भारत और जापान के बीच 8 सितंबर को टू प्लस टू की दूसरे राउंड की वार्ता होने वाली है। इसमें भारत और जापान के विदेश व रक्षा मंत्री शामिल होंगे। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगोलिया के दो दिवसीय दौरे पर जाने वाले हैं। 6 सितंबर को होने वाले इस मीटिंग में राजनाथ सिंह की वहां के राष्ट्रपति से मुलाकात होगी। इसके अलावा मंगोलियन राष्ट्रपति ने राजनाथ सिंह के सम्मान में भोज का भी आयोजन किया है।

- **राजनाथ सिंह 7 सितम्बर को टोक्यो पहुंचेगे, जहां उनकी जापान के प्रधानमंत्री कीशीदा फूमीयो से भी मुलाकात हो सकती है।**

भारतीय रक्षामंत्री के जापान दौरे से पहले चीन की सरकारी मीडिया ने भी बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि उच्च स्तरीय बैठक की आड़ में इन दोनों देशों को किसी तीसरे देश को निशाना नहीं बनाना चाहिए। एक चीनी ऑब्जर्वर ने सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स से कहा कि बीते कुछ साल में भारत और जापान के बीच नजदीकी बढ़ी है। खासतौर पर पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के कार्यकाल में यह ज्यादा देखने को मिला था। इसके पीछे क्षेत्र में चीन के शांतिपूर्ण विकास को रोकने का मकसद हो सकता है। वहीं सिंघुआ यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय रणनीति संस्थान के शोध विभाग के निदेशक क्वेन फेंग ने कहा कि सीमा पर दोनों देशों के बीच तनाव के बाद भारत में कुछ संकीर्ण मानसिकता के लोग चीन को सुरक्षा के लिए चुनौती मानते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे ही भारतीय अमेरिका और जापान के साथ दोस्ती को बढ़ावा देते हैं। इसके पीछे उनका मकसद चीन पर नियंत्रण रखना होता है। चीन को इससे सतर्क रहना चाहिए।

मंगोलिया के साथ बातचीत के दौरान यहां भारत के सौजन्य से बन रही रिफाइनरी पर चर्चा होने की उम्मीद है। यह मंगोलिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी है और इसे 1.2 बिलियन डॉलर की लागत से तैयार किया जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि यह रिफाइनरी 2025 तक बनकर तैयार हो जाएगी। मंगोलिया के डोर्नोगोबी प्रांत में इसके निर्माण के बाद यहां की 75 फीसदी जरूरतें पूरी हो सकेंगी। इसके अलावा राजनाथ सिंह छह सितंबर को एक साइबर सिक्योरिटी सेंटर का भी उद्घाटन करेंगे। इस साइबर सिक्योरिटी सेंटर को बनाने में भारत ने मंगोलिया के रक्षा मंत्रालय की मदद की है।

साल 2015 में चीन के दौरे के बाद पीएम मोदी मंगोलिया पहुंचे थे तब दोनों देशों के बीच इसको लेकर एक एम.ओ.यू. पर दस्तखत हुए थे। इसके मुताबिक भारत मंगोलिया के रक्षा मंत्रालय के लिए साइबर सिक्योरिटी ट्रेनिंग सेंटर स्थापित करेगा। साथ ही इसके लिए लोगों को ट्रेनिंग भी देगा। मोदी के इस दौरे में ही भारत-मंगोलिया के द्विपक्षीय संबंधों और रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने संबंधी बातें हुई थीं। भारतीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह मंगोलिया के रक्षा मंत्री गुरसेद सैखानबायार और पार्लियामेंट स्पीकर गोम्बोजाव जांदांश्तार से भी मिलेंगे। इसके बाद राजनाथ सिंह 7 सितंबर को टोक्यो के लिए रवाना होंगे। चीन और रूस के बाद मंगोलिया भारत को अपना तीसरा और आध्यात्मिक पड़ोसी मानता है।

भुज में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के नारे लगाये। प्रधानमंत्री ने कार से उतरकर लोगों का अभिनंदन किया और हाथ भी मिलाए।

बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे भी प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए सुबह से खड़े हो कर इंतजार करते रहे और इस यादगार मौके को अपने मोबाइल फोनों में कैद किया।

सूत्रों के अनुसार भुज चुनाव प्रचार दौरान के बच्चों, बुजुर्गों, युवाओं सभी से हाथ मिलाते नजर आए मोदी। प्रधानमंत्री से मिलने के लिए महिलाएं भी अधिक संख्या में पहुंची उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरन उन्होंने अपने सिर पर क्लश रखा हुआ था, साथ ही कुछ महिलाओं ने मोदी से हाथ भी मिलाया।

इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम रहे। गुजरात चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी के सभी बड़े नेता चुनाव प्रचार में लगे हैं। मोदी की भी इस राज्य में ताबड़तोड़ रैलियां चल रही हैं।

नए करोना संक्रमितों की संख्या में कमी आई राजस्थान में

पिछले सप्ताह में नए संक्रमितों का दैनिक आंकड़ा आठ सौ से कम होकर चार सौ के नीचे आ गया है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में करोना संक्रमितों की संख्या में कमी आई है। राज्य में पिछले सप्ताह में नए संक्रमितों का आंकड़ा आठ सौ से कम होकर चार सौ के नीचे आ गया है। इधर प्रदेश में रविवार को भी थोड़ी और गिरावट के बाद 338 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं साढ़े चार सौ से अधिक रोगी ठीक हुए हैं।

प्रदेश में रविवार को 20 जिलों में 338 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शनिवार को 393 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में अभी भी रोजाना सौ से ज्यादा नए संक्रमित मिल रहे हैं। जिले में पिछले चौबीस घंटों में 118 नए मरीज सामने आए हैं। इसके अलावा भरतपुर में 36, अलवर में 33, उदयपुर में 21, जोधपुर में 20, नागौर व दौसा में 17-17, अजमेर में 15, भीलवाड़ा में 11, सिरोही में 9, डूंगरपुर में 8, पाली में 7, चित्तौड़गढ़ में 5, बूंदी, जालोर व झालावाड़ में 4-4, बीकानेर व सीकर में 3-3, कोटा में 2 तथा बारां में एक नया संक्रमित मिला है।

- **राज्य में रविवार को 338 नए संक्रमित मिले, इससे पहले शनिवार को 393 रोगी पाए गए थे**
- **राजधानी जयपुर में अभी भी रोजाना सौ से अधिक नए मरीज मिले रहे हैं।**

प्रदेश में लगातार रिकवरी में सुधार होने से एक्टिव केस कम हो रहे हैं। रविवार को भी नए संक्रमितों से अधिक 453 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 3231 रह गए हैं। राजधानी जयपुर में भी आज अच्छी रिकवरी हुई है। इस दौरान जिले में 246 मरीज ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 1050 रह गए हैं। इसके अलावा भरतपुर में 338, अलवर में 275, जोधपुर में 210, दौसा में 159 और अजमेर में 120 लोगों का इलाज चल रहा है।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि राज्य में अब तक इस बीमारी से 9624 संक्रमितों की मौत हो चुकी है।

जयपुर में रविवार को 37 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 15 संक्रमित सांगानेर में मिले हैं। इसके अलावा जगतपुरा में 11, मालवीय नगर व सोड़ाला में 10, वैशाली नगर में 9, मानसरोवर में 8, बस्सी व तिलक नगर में 5-5, अजमेर रोड, बनीपार्क, दुर्गापुरा, कोटपूतली व सिरसी में 3-3, आदर्श नगर, झोटवाड़ा, खातीपुरा व मुरलीपुरा में 2-2 तथा आगरा रोड, बापू नगर, बनेड़ा, ब्रह्मपुरी, सी-स्कीम, चाकसू, चांदपोल, सिविल लाइन, दूदू, गोपालपुरा, गोविंदगढ़, इमली फाटक, जवाहर नगर, कालवाड़ रोड, कालवाड़, महेश नगर, रामगंज, सिंधी कैंप और टोंक फाटक इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 3 संक्रमितों का पता गलत मिला है।

श्रद्धालुओं की ट्रैकटर-ट्रॉली की ट्रक से भिड़ंत

नैनीताल, 28 अगस्त (वार्ता)। उत्तराखंड के उधमसिंह नगर में संगत में जा रहे श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर ट्राली को एक ट्रक के टक्कर मारने से हुई भीषण दुर्घटना में एक ही गांव के छह लोगों की मौत हो गयी जबकि 34 से अधिक लोग घायल हो गये हैं। घायलों में दो की हालत गंभीर है।

उधमसिंह नगर के जिलाधिकारी युगल किशोर पंत ने बताया कि उधमसिंह नगर के शक्तिफार्म के बसुधर व आसपास गांवों के लोग एक ट्रैक्टर ट्राली में सवार होकर सुबह संगत में भाग लेने के लिये उत्तम नगर गुरूद्वारा जा रहे थे। ट्राली में 40 से अधिक लोग सवार थे। ट्रैक्टर ट्राली जैसे ही उ.प्र. व उधमसिंह नगर बार्डर पर स्थित सिरसा मोड़ पर पहुंची, एक ट्रक ने ट्राली को पीछे से टक्कर मार दी।

- **6 श्रद्धालुओं की दुर्घटना में मौत हो गई व 34 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।**

बाल्टिक सागर में 1 लाख टन रासायनिक हथियार होने की संभावना

ये रासायनिक हथियार द्वितीय विश्व युद्ध के समय से बाल्टिक सागर की तह में समाये हुए थे

वारसॉ, 9 अगस्त (वार्ता)। यूरोप में भीषण गर्मी के कारण तलाब व नदी और तालाब सूखने लगे हैं। इस बीच खबर है कि, बाल्टिक सागर सूखने के कारण द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नाजी जर्मनी के 1,00,000 टन हथियार दिखने लगे हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नाजी जर्मनी के 1,00,000 टन रासायनिक हथियार अपरिहार्य जंग के कारण बाल्टिक सागर के तल में पड़े होने की आशंका जतायी गयी है जिससे कभी भी पर्यावरणीय आपदा का खतरा उत्पन्न हो सकता है।

- **यूरोप में पड़ी भीषण गर्मी के कारण बाल्टिक सागर का जलस्तर कम होने लगा है और अब इन रासायनिक हथियारों के ऊपर आ जाने से दिखने की आशंका है।**

पोलिश समाचार पत्र गजेटा वायबोर्जा ने जानकारी दी। अखबार ने कहा कि बाल्टिक समुद्र तल पर ढेर की गई खनिजों, बैरल और बमों की सही मात्रा का अनुमान लगाना मुश्किल है। फिर भी रासायनिक हथियारों का वजन 40,000 से 100,000 टन के बीच हो सकता है। गजेटा वायबोर्जा के अनुसार विचाराधीन रासायनिक हथियार मुख्य रूप से सरसों गैस के बैरल और विमानन बम और रासायनिक युद्ध एजेंटों, मुख्य रूप से सरसों और आर्सेनिक युक्त खदानें हैं।

समाचार पत्र ने पोलिश एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा किए गए एक अध्ययन के हवाले से कहा है कि एक सरसों गैस बम 70 मीटर (230 फीट) तक के दायरे में पानी को प्रदूषित कर सकता है, जिससे वनस्पतियों और जीवों की मौत हो सकती है।

अमेरिका, ब्रिटेन और सोवियत संघ के विशेष रूप से बनाए गए त्रिपक्षीय आयोग के निर्णय से द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहले वर्षों में नाजी रासायनिक हथियारों को बाल्टिक सागर में दफनाया गया था।

'भारत 2047 तक ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जायेगा'

गांधीनगर, 28 अगस्त (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि भारत का लक्ष्य आगामी 25 वर्षों में ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनना है और इसके लिए नवान्वेषण एवं वैकल्पिक साधनों को हर संभव बढ़ावा दिया जाएगा।

मोदी ने यहां महात्मा मंदिर सभागार में मारुति सुजुकी के इलैक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी विनिर्माण संयंत्र के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। कार्यक्रम में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, भारत में जापान के राजदूत सातोशी सुजुकी, जापानी कंपनी सुजुकी मोटर्स के अधिकारी आदि मौजूद थे।

- **प्र.मंत्री मोदी ने कहा कि, ई.वी. और रिन्यूएबल एनर्जी को एक मिशन के तौर पर चलाया जा रहा है।**

मोदी ने यहां समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और भारत के लोगों के साथ सुजुकी का पारिवारिक रिश्ता अब 40 वर्ष का हो गया है। आज एक ओर गुजरात में इलेक्ट्रिक व्हीकल बैटरी के विनिर्माण के लिए एक विशाल संयंत्र का शिलान्यास हो रहा है साथ ही हरियाणा में नये कार विनिर्माण संयंत्र की शुरुआत भी हो रही है। ये विस्तार सुजुकी के लिए भविष्य की अपार संभावनाओं का आधार बनेगा।

उन्होंने कहा कि मारुति-सुजुकी की सफलता भारत-जापान की मजबूत साझीदारी का भी प्रतीक है। बीते आठ वर्षों में तो हम दोनों देशों के बीच ये रिश्ते नई ऊंचाइयों तक गए हैं। आज गुजरात-महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन से लेकर उत्तर प्रदेश में बनारस के रुद्राक्ष सेंटर तक, विकास की कितनी ही परियोजनाएं भारत-जापान दोस्ती का उदाहरण हैं।

प्रधानमंत्री ने भारत एवं जापान के बीच बहुआयामी एवं जीवंत मित्रता के लिए जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे को याद करते हुए कहा, इस दोस्ती की जब बात होती है, तो हर एक भारतवासी को हमारे मित्र पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय शिंजो आबे जी की याद जरूर आती है।

अमेरिका...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अत्याधुनिक तकनीकि से अपग्रेड किया जा चुका है। भारतीय वायु सेना के सामने यह पहली बार 2016 में प्रस्तुत किया गया था। सेना ने वर्ष 2021 में इसे अपने बेड़े में शामिल कर लिया है। इसके साथ ही मिग-21 को बार-बार दुर्घटनाग्रस्त होने के चलते रिटायर कर दिया है। अब भारत के पास तेजस, राफेल, मिग-29 और सुखोई नामक फाइटर जेट हैं।

तेजस फाइटर जेट की टेक्नॉलोजी चीन, दक्षिण कोरिया और रूस से भी अधिक एडवांस है।

इसको बनाने वाले हिंदुस्तान एअरोनॉटिक्स लिमिटेड (एच.ए.एल.) के प्रबंधन निदेशक आर माधवन के अनुसार तेजस फाइटर जेट ने अत्याधुनिक टेक्नॉलोजी से लैस होने की वजह से ही चीन, रूस और दक्षिण कोरिया के फाइटर जेटों की ग्लोबल मार्केट को डाउन कर दिया है। यही वजह है कि मलेशिया ने भारत से 18 तेजस फाइटर खरीदने की इच्छा जताई है।

कर्नाटक भाजपा में नया अध्यक्ष बनाने की राजनीति तेज हुई

येदियुरप्पा को कर्नाटक भाजपा की कमान दिये जाने की चर्चाएं जोरों पर है

बैंगलुरू, 28 अगस्त। कर्नाटक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नलिन कतील का कार्यकाल रविवार को खत्म हो रहा है। इसके साथ ही इस दक्षिणी राज्य में नए प्रदेश अध्यक्ष को चुनने के लिए पार्टी ने कवायद तेज कर दी है। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा इन दिनों दिल्ली में ही मौजूद हैं। बीते कुछ समय में वह यहां पर पार्टी के कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं। इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और राष्ट्रीय संगठन सचिव बी.एल. संतोष शामिल हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि शुक्रवार तक भाजपा कर्नाटक के नए प्रदेश अध्यक्ष पर फैसला कर लेगी। प्रदेश में होने वाले चुनाव से पहले होने वाले इस बदलाव के साथ यह भी साबित हो जाएगा कि कर्नाटक में बी.एस. येदियुरप्पा की कितनी चलने वाली है। कर्नाटक के नए भाजपा अध्यक्ष की रेस में फिलहाल कई नाम शामिल हैं। इनमें येदियुरप्पा की पूर्व सहयोगी और केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे, भाजपा के राष्ट्रीय सचिव सी.टी. रवि, राज्य ऊर्जा मंत्री सुनील कुमार करकला और पूर्व राज्य मंत्री अरविंद लिंबावली के नाम शामिल हैं।

- **कर्नाटक में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए नया अध्यक्ष बनाने की कवायद भाजपा के लिए प्राथमिकता होगी।**

हालांकि येदियुरप्पा ने इस बात से इंकार किया है कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मीटिंग के वक्त कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष के बारे में चर्चा हुई है। लेकिन राज्य में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर देखते हुए यह पार्टी के लिए बड़ी प्राथमिकता होगी। गौरतलब है कि हाल ही में येदियुरप्पा को फिर से भाजपा के पार्लियामेंट्री बोर्ड में शामिल किया गया है। ऐसे में उनके पास अपनी ताकत दिखाने का यह बड़ा मौका होगा। हाल-फिलहाल इस दक्षिणी राज्य में कतील के लिए माहौल अनुकूल नहीं रह गया है। भाजपा में अंदरखाने उनके खिलाफ आवाज उठने लगी हैं। हालांकि यह भी कहा जाता है कि कतील को जब कतील ने कर्नाटक भाजपा की कमान संभाली थी तो उन्हें राष्ट्रीय संगठन सचिव बी.एल. संतोष का समर्थन था।

'कठपुतली अध्यक्ष बना तो, कांग्रेस बर्बाद हो जायेगी'

जी-23 गुट के नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि, सिर्फ अध्यक्ष ही नहीं अन्य पदों पर भी चुनाव होने चाहिए

मुंबई, 28 अगस्त। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और जी-23 गुट के नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने अध्यक्ष पद को लेकर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि अगर कोई कठपुतली अध्यक्ष बनाया गया तो कांग्रेस बच नहीं पाएगी। चव्हाण ने यह भी कहा कि सिर्फ अध्यक्ष पद नहीं, बल्कि सभी पदों के लिए चुनाव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के बचाने के लिए अहम कदम उठाए जाने की जरूरत है और पिछली सीट पर बैठने से काम नहीं होगा। बता दें कि जी-23 के नेता गुलाम नबी आजाद ने हाल ही में कांग्रेस के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि अगर राहुल गांधी अध्यक्ष नहीं बनना चाहते हैं तो उनके ऊपर इतना दबाव क्यों डाला जा रहा है? गौरतलब है कि मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कुछ पार्टी नेता लगातार बयान दे रहे हैं कि वह राहुल गांधी पर दबाव डालेंगे कि वह अध्यक्ष पद स्वीकार करें।

- **महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री चव्हाण ने कहा कि, कांग्रेस को बचाने के लिए कई अहम कदम उठाने की जरूरत है।**
- **उन्होंने कहा कि, राहुल गांधी अगर अध्यक्ष नहीं बनना चाहते तो उन पर दबाव डालने की क्या जरूरत है।**

चव्हाण ने इन बयानों पर ही टिप्पणी की है। वहीं गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे को उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में चुनाव होने वाले हैं। साथ ही उन्होंने जम्मू कश्मीर में तारिक हमीद कर्रा को पी.ए.सी. का हेड बनाए जाने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि गुलाम नबी आजाद को अपमानित करने की कोई जरूरत नहीं थी।

गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे में लगाए गए आरोपों के बारे में पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि इसमें बहुत सी बातें निजी स्तर की हैं। मैं इन पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। हालांकि उन्होंने कहा कि अगस्त 2020 में उठाए गए मुद्दे सही हैं। हम आज भी उन पर कायम हैं। चव्हाण ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि अगर राहुल गांधी ने कह दिया कि न तो वह और न ही परिवार से कोई अन्य सदस्य अध्यक्ष बनने का इच्छुक है तो हम उनकी बात का भरोसा क्यों नहीं कर रहे हैं? अगर वह इस पद पर नहीं रहना चाहते तो कोई दूसरी वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है। गौरतलब है कि गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे के बाद से ही कांग्रेस में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

चीन की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

'मध्य रेखा' को पार किया था, जो ताइवान और चीन के बीच एक अनौपचारिक समुद्री सीमा है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा, पहचाने गए विमानों में से 10 ताइवान जलडमरू मध्य की मध्य रेखा के पूर्वी भाग में उड़ गए थे।

चीनी राष्ट्रवादी पार्टी (कुओमितांग) का गढ़ बनने के बाद ताइवान चीन से अलग हो गया, जिसे 1949 में एक गृहयुद्ध में कम्युनिस्ट पार्टी से हार का सामना करना पड़ा था। चीन और ताइवान ने 1980 के दशक के अंत में व्यापार और अनौपचारिक संपर्क फिर से बहाल किया।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी की 2-3 अगस्त को ताइवान के दौरे के बाद ताइवान के आसपास स्थिति तनावपूर्ण हो गयी है। इस यात्रा के बाद 14 अगस्त को अमेरिकी सीनेटर एडवर्ड जे. मार्के के नेतृत्व में एक अन्य अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल और 21 अगस्त को अमेरिकी राज्य इंडियाना के गवर्नर एरिक होलकोम्ब की यात्रा के बाद चीन ताइवान के पास सैन्य युद्धाभ्यास शुरू कर दिया।

इस्तीफा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

छठे नेता हैं जिन्होंने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है और आजाद के साथ गए हैं।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908